मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	39.6	26.1
जमशेदपुर	39.9	23.2
डालटनगंज	37.6	19.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

* * *

एक राज्य - एक अखबार

चुनावी समर 2024

गुरुवार 04 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 10 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 345

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

कांग्रेस पार्टी कभी नहीं चाहती थी कि राम मंदिर बनेः शाह

मुजफ्फरनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को भाजपा और राष्ट्रीय लोकदल की संयुक्त रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पार्टी के नेता कभी नहीं चाहते थे कि अयोध्या में राम मंदिर बने. कांग्रेस ने 70 साल तक राम जन्मभूमि के मुद्दे को अटका, भटका और लटका कर रखा, लेकिन मोदी जी ने केस भी जीता, भूमि पूजन भी किया और 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा भी की. शाह में विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि इस चुनाव में जो 'घमंडिया' गठबंधन इकट्ठा हुआ है, उसमें 12 लाख करोड़ रुपये के घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाले लोग हैं. विपक्ष का मकसद परिवार के लोगों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना है.

मोदी की गारंटी का लोगों को नहीं मिला कोई लाभः खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के लिए बुधवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली से पार्टी के 'घर-घर गारंटी' अभियान की शुरुआत की. उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'गारंटी' तो लोगों को नहीं मिली, लेकिन उनकी पार्टी जो गारंटी दे रही है, उन पर वह अमल करेगी. पार्टी का यह चुनावी अभियान 'पांच न्याय' और '25 गारंटी' पर आधारित है. उन्होंने कहा, मोदी जी की गारंटी कामयाब नहीं हुई. उन्होंने हर साल दो करोड़ नौकरियों की बात की, लेकिन लोगों को नौकरी नहीं मिली. 15-15 लाख रुपये देने का वादा किया, यह गारंटी भी पूरी नहीं हुई. कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार राजनीतिक दलों को डरा रही है. कांग्रेस पार्टी के खाते से 135 करोड़ रुपये निकाल लिए गए. क्या लोकतंत्र में इस तरह से चुनाव होता है?

पाप धोने में भाजपा ने गंगा को भी पीछे छोड़ दियाः चंपाई

रांची। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार पर कड़ा प्रहार किया है. चंपाई ने कहा कि एक खबर के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में भ्रष्टाचार का आरोप झेल रहे 25 नेता भाजपा में शामिल हुए और चमत्कार देखिए, उनमें से 23 को तत्काल राहत मिल गई. कहा कि वाकई भाजपा कमाल की वाशिंग मशीन है, जिसने भ्रष्टाचार के आरोपों एवं पापों को धोने में गंगा मइया को भी पीछे छोड़ दिया है. बता दें कि इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 2014 के बाद से भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का सामना करनेवाले 25 प्रमुख नेता भाजपा में शामिल हुए हैं. इन आरोपी नेताओं में से 10 कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना से चार-चार, टीएमसी के तीन, टीडीपी के दो और एसपी और वाईएसआरसीपी से एक-एक नेता हैं. इनमें से 23 को तत्काल राहत मिल गयी है.

मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों का मान-सम्मान बढ़ाः विजेंदर

नई दिल्ली। मुक्केबाजी में भारत के पहले ओलंपिक पदक विजेता विजेंदर सिंह ने बुधवार को कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया. अप्रैल 2019 में कांग्रेस से अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत करने वाले विजेंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की और कहा कि उनके नेतृत्व के कारण विदेशों में खिलाड़ियों का मान-सम्मान बढ़ा है. पार्टी मुख्यालय में भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, दिल्ली विधानसभा में विपक्ष के नेता और दक्षिण दिल्ली से पार्टी के उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी की मौजूदगी में विजेंदर सिंह ने केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की. भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने दावा कि जब खिलाड़ियों को हित की बात सामने आएगी तो वह 'पहले वाला विजेंदर' ही रहेंगे और गलत को गलत तथा सही को सही कहेंगे.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	65,500
चांदी (किलो)	82,000

ब्रीफ खबरें

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी को कैंसर

पटना। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को बताया कि उन्हें छह माह पहले ही कैंसर से पीड़ित होने की बात पता चली है. सुशील मोदी ने 'एक्स' पर लिखा कि मैं पिछले छह महीने से कैंसर से जूझ रहा हूं. मुझे लगता है कि अब लोगों को यह जानकारी देने का वक्त आ गया है. मैं लोकसभा चुनाव के लिए कुछ नहीं कर पाऊंगा. अपने तीन दशक से अधिक के राजनीतिक करियर में मोदी 2005 से 2013 और 2017 से 2020 तक बिहार के उप मुख्यमंत्री रहे.

सबूतों से छेड़छाड़ नहीं करेंगे संजय सिंहः कोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आम आदमी पार्टी (आप) के नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह को बुधवार को निर्देश दिया है कि वह कथित शराब घोटाला मामले में सबूतों के साथ छेड़छाड़ या गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगे. सुप्रीम कोर्ट से संजय सिंह को मंगलवार को जमानत मिलने के बाद विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने नेता को तिहाड़ केंद्रीय कारागार से रिहा करने का आदेश पारित करने से पहले ये निर्देश दिए. न्यायाधीश ने उन्हें पासपोर्ट जमा कराने, एनसीआर से बाहर जाने से पहले अपने यात्रा कार्यक्रम की जानकारी देने और अपने फोन की 'लोकेशन' हमेशा चालू रखने का भी निर्देश दिया.

एक ही परिवार के सात की दम घुटने से मौत

छत्रपति संभाजीनगर (महाराष्ट्र)। शहर में बुधवार तड़के दर्जी की एक दुकान में आग लगने से दो बच्चों समेत एक ही परिवार के सात लोगों की दम घुटने से मौत हो गई. छावनी क्षेत्र के दाना बाजार स्थित एक दर्जी दुकान में तड़के करीब चार बजे आग लग गई. दर्जी की दुकान अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के साथ एक इमारत के निचले तल पर स्थित थी, जबकि ऊपरी मंजिल पर लोग रहते थे. पुलिस आयुक्त मनोज लोहिया ने कहा कि दुकान में अचानक आग लग लगने के बाद उसका धुआं पहली मंजिल में पहुंच गया और सात लोगों की मौत हो गई.

12 ने ली राज्यसभा की सदस्यता की शपथ

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सह उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को उच्च सदन के 12 नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई. शपथ लेने वाले नवनिर्वाचित सदस्यों में धर्मशिला गुप्ता, मनोज कुमार झा, संजय यादव, गोविंदभाई लालजीभाई ढोलकिया, सुभाष चंदर, हर्ष महाजन, जीसी चंद्रशेखर, एल मुरुगन, अशोक सिंह, चंद्रकांत हंडोरे, मेधा विश्राम कुलकर्णी और साधना सिंह शामिल थे. बता दें राज्यसभा के 54 सदस्य दो और तीन अप्रैल को सेवानिवृत्त हो चुके हैं.

कानून अपना काम करता है ....जब तक कि यह राजनीति से प्रेरित न हो

बस कुछ ही दिनों बाद लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होनेवाले हैं. एनडीए और इंडिया के नेता एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं. पिछले 10 सालों से केंद्र में एनडीए की सरकार है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी हर चुनावी रैली में इंडिया के नेताओं के भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा रहे हैं. भाजपा और एनडीए के लिए भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा है. इंडिया के नेता मोदी सरकार पर जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर विपक्षी नेताओं को झूठे मामले में फंसाने का आरोप लगा रहे हैं. साथ ही यह भी कह रहे हैं मोदी जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हैं, वही भाजपा व एनडीए में शामिल हो जाता है, तो उसे क्लीनचिट मिल जाती है. इस बीच बुधवार को दिल्ली से प्रकाशित अंग्रेजी दैनिक इंडियन एक्सप्रेस ने '2014 के बाद से भ्रष्टाचार की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेता बीजेपी में शामिल हो गए, उनमें से 23 को राहत मिली' शीर्षक से एक सनसनीखेज व खोजी रिपोर्ट प्रकाशित की है. साथ ही टैग लगाया है- कानून अपना काम करता है - जब तक कि यह राजनीति से प्रेरित न हो. राजनीतिक गलियारे में इसकी जबरदस्त चर्चा है. हिंदी के पाठकों के लिए हम दैनिक इंडियन एक्सप्रेस की इस रिपोर्ट का हिंदी अनुवाद प्रकाशित कर रहे हैं. - संपादक

नई दिल्ली। वर्ष 2014 के बाद से, कथित भ्रष्टाचार के लिए केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का सामना करने वाले 25 प्रमुख राजनेता भाजपा में शामिल हो गए हैं. उनमें कांग्रेस के 10, राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी व शिवसेना के चार-चार, टीएमसी के तीन, टीडीपी के दो, एसपी और वाईएसआरसीपी के एक-एक नेता शामिल हैं. इन 25 नेताओं के भाजपा में शामिल होने के बाद जांच में उन्हें राहत मिल गई. कथित भ्रष्टाचार के तीन मामले बंद कर दिए गए हैं. 20 अन्य मामले अभी बंद तो नहीं हुए है, पर उसकी जांच रुक गई है. पार्टी बदलने के बाद जांच एजेंसी की कार्रवाई ना के बराबर हुई. इस सूची में शामिल छह राजनेता आम चुनाव से कुछ हफ्ते पहले इसी साल भाजपा में शामिल हुए.

इंडियन एक्सप्रेस ने जांच में पाया है कि जब आरोपी विपक्ष में होता है, तब ईडी, सीबीआई ने उनके खिलाफ कार्रवाई की. लेकिन भाजपा में आने के बाद उन्हें राहत मिल गई. विपक्ष इसे 'वॉशिंग मशीन' कहता है, वह तंत्र जिसके द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपी राजनेताओं को अपनी पार्टी छोड़ने और भाजपा में शामिल होने पर कानूनी परिणामों का सामना नहीं करना पड़ता है.

ऐसा नहीं है कि यह नया है पर इसका पैमाना अभूतपूर्व है

वर्ष 2009 में, कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए सरकार के कार्यकाल में द इंडियन एक्सप्रेस की एक जांच में फाइल नोटिंग से पता चला कि सीबीआई ने बसपा की मायावती और सपा के मुलायम सिंह यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में अपना रुख बदल दिया था, जब दोनों नेताओं का सत्तारूढ़ यूपीए से प्रेमालाप चल रहा था. नए निष्कर्षों से पता चलता है कि राज्य में वर्ष 2022 और वर्ष 2023 की राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान केंद्रीय कार्रवाई का एक बड़ा हिस्सा महाराष्ट्र पर केंद्रित था. वर्ष 2022 में एकनाथ शिंदे गुट ने शिवसेना से अलग होकर बीजेपी के साथ नई सरकार बना ली. एक साल बाद अजित पवार गुट एनसीपी से अलग हो गया और सत्तारूढ़ एनडीए गठबंधन में शामिल हो गया. रिकॉर्ड बताते हैं कि राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी गुट के दो शीर्ष नेताओं, अजीत पवार और प्रफुल्ल पटेल के सामने आए मामलों को बाद में बंद कर दिया गया था. कुल मिलाकर, 25 नेताओं में महाराष्ट्र के 12 प्रमुख राजनेता शामिल हैं, जिनमें से 11 राजनेता वर्ष 2022 या उसके बाद भाजपा में गए, जिनमें एनसीपी, शिवसेना और कांग्रेस के चार-चार नेता शामिल हैं.

कुछ मामले गंभीर

अजीत पवार के मामले में मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अक्टूबर 2020 में एक क्लोजर रिपोर्ट दायर की थी, जब वह पिछली एमवीए सरकार का हिस्सा थे. भाजपा के सत्ता में लौटने पर मामले को फिर से खोलने की मांग की गई और इस साल मार्च में फिर से एनडीए में शामिल होने के बाद फिर फाइल बंद कर दी गई. ईओडब्ल्यू की कार्रवाई के आधार पर पवार के खिलाफ ईडी का मामला लगभग खत्म हो गया है.

ऐसे मामले भी हैं जो खुले रहते हैं, लेकिन केवल नाम के लिए. उनमें कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं होती. उदाहरण के लिए, सीबीआई वर्ष 2019 से पश्चिम बंगाल के नारद स्टिंग ऑपरेशन की जांच कर रही है. जांच शुरू होते वक्त **शुभेंदु अधिकारी** सांसद थे. लोकसभा अध्यक्ष से सीबीआई ने जांच के लिए मंजूरी मांगी थी. वर्ष 2020 में शुभेंदु अधिकारी भाजपा में शामिल हो गए और अभी पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं. यह मामला अभी भी लोकसभा अध्यक्ष की मंजूरी के इंतजार में है.

असम के मुख्यमंत्री **हिमंत बिस्वा सरमा** और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री **अशोक चव्हाण** के खिलाफ दर्ज मामले भी अटके हुए हैं. वर्ष 2014 में शारदा चिटफंड घोटाले में सीबीआई ने विस्वा के यहां छापेमारी की थी और उनसे पूछताछ की थी. वर्ष 2015 में उनके भाजपा में शामिल होने के बाद से उनके खिलाफ मामला आगे नहीं बढ़ा है. अशोक चव्हाण इसी साल भाजपा में शामिल हो गए, जबकि आदर्श हाउसिंग मामले में सीबीआई और ईडी की कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट की रोक लगी हुई है. 25 मामलों में से केवल दो में यह पाया गया कि भाजपा में शामिल होने के बाद ईडी द्वारा ढील देने के सबूत नहीं है. इनमें सांसद ज्योति मिर्धा और पूर्व टीडीपी सांसद वाईएस चौधरी के नाम शामिल हैं.

इंडियन एक्सप्रेस ने इस मामले में सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग से पक्ष मांगा, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला. हालांकि, सीबीआई के एक अधिकारी ने कहा कि एजेंसी की सभी जांच 'सबूतों पर आधारित' है. ''जब भी सबूत मिलते हैं, उचित कार्रवाई की जाती है". उन मामलों के बारे में पूछे जाने पर जहां आरोपी के पक्ष बदलने के बाद एजेंसी ने अपना रास्ता बदल लिया है, अधिकारी ने कहा कि कुछ मामलों में, विभिन्न कारणों से कार्रवाई में देरी होती है. लेकिन वे खुले हैं. ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि उसके मामले अन्य एजेंसियों की एफआईआर पर आधारित हैं. अगर अन्य एजेंसियां अपना मामला बंद कर देती हैं, तो ईडी के लिए आगे बढ़ना मुश्किल हो जाता है. फिर भी, हमने ऐसे कई मामलों में आरोप पत्र दायर किए हैं, जिन मामलों में जांच चल रही है. जरूरत पड़ने पर कार्रवाई की जाएगी.

- साभार इंडियन एक्सप्रेस

झारखंड में बिजली का हाल

बर्बाद हो जाती है 1182.8 मिलियन यूनिट बिजली

रवि भारती। रांची

इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक उपकरणों के नहीं होने की वजह से झारखंड में बिजली का नुकसान बढ़ता ही जा रहा है. झारखंड में ट्रांसमिशन लॉस के कारण 907.23 मिलियन यूनिट बिजली बर्बाद हो जाती है. वहीं एक्सटरनल सिस्टम के दुरुस्त नहीं होने के कारण 275.57 मिलियन यूनिट बिजली बर्बाद होती है. इस तरह कुल 1182.8 मिलियन यूनिट बिजली बर्बाद हो रही है. इस लाइन लॉस को कम करने के लिए झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1680 करोड़ रुपए खर्च करेगा.

ऊर्जा अंकेक्षण पर खर्च किए जाएंगे 19 करोड़ : वित्तीय वर्ष 2024-25 में ऊर्जा अंकेक्षण पर 19 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाएंगे. इसके तहत डीटीआर और फीडर मीटर लगाया जाएगा. वितरण निगम राज्य में मीटरिंग पर 98.86 करोड़ रुपये खर्च करेगा. एनर्जी ऑडिटिंग के लिए डीटीआर मीटर लगाने में 18.39 करोड़ रुपए खर्च करेगा. फीडर मीटर लगाने में 1.03 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे. राजधानी रांची में स्मार्ट मीटरिंग के लिए 61 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे. वहीं धनबाद में स्मार्ट मीटरिंग के लिए 28 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे.

मीटर व ट्रांसफॉरमर रेंट से चाहिए 6.57 करोड़ का राजस्व : झारखंड राज्य बिजली वितरण निगम को मीटर रेंट (किराया) और ट्रांसफॉरमर रेंट से वित्तीय वर्ष 2024-25 में 6.57 करोड़ का राजस्व चाहिए. वितरण निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 का आंकड़ा जो झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग को सौंपा है. इसके मुताबिक, वितरण निगम को सुपरविजन चार्ज के लिए 5.39 करोड़ रुपये राजस्व की मांग की गई है. वहीं, उपभोक्ताओं से मिसलेनियस चार्ज के रूप में 2.25 करोड़ रुपए राजस्व की मांग की गई है. इस आंकड़े के अनुसार, बिजली वितरण निगम ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए नॉन टैरिफ से 40.29 करोड़ रुपये राजस्व की मांग की है.

नुकसान कम हुआ, तो 52 करोड़ रुपये की बचत : झारखंड राज्य विद्युत नियामक आयोग ने बिजली नुकसान कम करने पर जोर दिया है. आयोग ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 13 फीसदी प्रस्तावित वितरण हानि को मंजूरी दी है, जबकि वितरण निगम ने 26.34 फीसदी तक बिजली नुकसान कम करने की मांग की थी. वहीं, एक फीसदी बिजली का नुकसान कम होने पर चार करोड़ रुपये तक की बचत होगी. इस हिसाब से 13 फीसदी तक नुकसान कम होने से 52 करोड़ रुपये बचेंगे होगी.

1680 करोड़ रुपए खर्च होंगे ट्रांसमिशन लॉस को कम करने के लिए

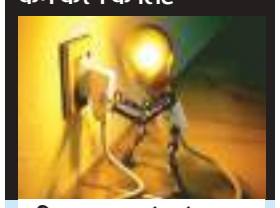

- नियामक आयोग ने लाइन लॉस को 13 फीसदी तक लाने का दिया निर्देश
- धनबाद में स्मार्ट मीटरिंग पर खर्च होंगे 28 करोड़ रुपये

गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की याचिका पर बुधवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है. दरअसल, केजरीवाल ने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी और न्यायिक हिरासत को चुनौती दी है. कोर्ट में केजरीवाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि यह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव एवं समान अवसर मुहैया कराये जाने सहित संविधान की बुनियादी संरचना का उल्लंघन है. वहीं, ईडी की ओर से एएसजी एसवी राजू ने याचिका का विरोध किया कि इस मामले में प्रथम दृष्टया धनशोधन का अपराध बनता है.

लोकसभा चुनाव

पीएम मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं में भरा जोश, राहुल गांधी ने वायनाड से दाखिल किया नामांकन

भ्रष्टाचारियों के पास मात्र दो ही विकल्प, जेल या बेलः मोदी

भाषा। लखनऊ/कोलकाता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश में तीसरे चरण में होने वाले लोकसभा चुनाव के तहत आने वाली 10 लोकसभा सीटों के सभी 22,648 बूथ के कार्यकर्ताओं को 'नमो ऐप' के माध्यम से बुधवार को संबोधित किया. उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में अपने बूथ के पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ने के लक्ष्य के साथ काम करें.

मोदी ने कहा कि हर चुनाव में अपनी मेहनत से रिकॉर्ड बना रहे भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश देखकर बाकी पार्टियों के नेता पहले ही ठंडे पड़ जाते हैं. कहा, हम चुनाव में कितनी ही बड़ी विजय प्राप्त करने की इच्छा रखते हों, लेकिन पोलिंग बूथ जीते बिना चुनाव जीत ही नहीं सकते हैं.

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना बंद नहीं करेंगे : पश्चिम बंगाल के भाजपा कार्यकर्ताओं से ऑनलाइन संवाद करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूरे देश ने देखा है कि तृणमूल कांग्रेस ने किस तरह भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए हिंसा का सहारा लिया, लेकिन भाजपा के कार्यकर्ता निडरता से खड़े रहे. उन्होंने कहा कि सभी भ्रष्टाचारी साथ आ गए हैं और उन्होंने एक गठबंधन बना लिया है, जो मोदी को गाली देता रहता है. लेकिन मोदी भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करना बंद नहीं करेगा.

वायनाड वासियों के सभी मुद्दों में उनके साथ खड़ा हूंः राहुल

भाषा। वायनाड (केरल)

कांग्रेस नेता एवं सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि वह इस जिले में कई लोगों की जान लेने वाली मानव-पशु संघर्ष की घटनाओं समेत वायनाड वासियों के सभी मुद्दों पर उनके साथ हमेशा खड़े हैं. वह वायनाड सीट से नामांकन दाखिल करने से पहले रोड शो कर रहे थे. इस दौरान हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि वह इस पहाड़ी निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के मुद्दों पर देश और दुनिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए हमेशा तैयार हैं. कहा, वायनाड उनका घर है, यहां के लोग उनका परिवार हैं और अपने

खूबसूरत इतिहास एवं परंपराओं वाली यह भूमि उन्हें प्रेरणा देती है. उन्होंने अटूट समर्थन के लिए वायनाड के लोगों आभारी जताया. गांधी ने अपनी बहन प्रियंका गांधी वाद्रा के साथ कलपेट्टा से सिविल स्टेशन तक रोडशो किया. इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी के झंडे, तख्तियां और पार्टी के रंग वाले गुब्बारे लेकर राहुल का स्वागत करने के लिए कतार में खड़े थे.

ताइवानः भूकंप के तेज झटके, सात की मौत

एजेंसी। ताइपे

ताइवान में बुधवार सुबह भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए. इस घटना में इमारतें तथा राजमार्ग क्षतिग्रस्त हो गए और सात लोगों की मौत हो गई है. भूकंप के कारण दक्षिण-पूर्वी शहर हुलिएन के एक इलाके में स्थित पांच मंजिला इमारत बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है. इसका केंद्र इसी शहर से दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में जमीन से करीब 35 किलोमीटर नीचे था. ताइवान की राष्ट्रीय दमकल एजेंसी ने पुष्टि की है कि सुबह करीब आठ बजे आए भूकंप में तारोको राष्ट्रीय उद्यान में चट्टान से पत्थर गिरने से तीन पैदल यात्रियों की मौत हो गई और इसी इलाके में एक बड़ा सा पत्थर एक वैन पर गिरने से उसके चालक की भी मौत हो गई.

7.2 तीव्रता का भूकंप, हुलिएन शहर के पास था केंद्र

2014 के बाद से भ्रष्टाचार की जांच का सामना कर रहे 25 विपक्षी नेता बीजेपी में शामिल हुए

23 को राहत मिली

अजीत पवार

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2023 में एनसीपी से एनडीए में

मामला : महाराष्ट्र राज्य सहकारी बैंक में कथित अनियमितताओं से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में अजीत पवार, शरद पवार और अन्य के खिलाफ

आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एफआईआर दर्ज की थी. यह प्राथमिकी अगस्त 2019 के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश पर दर्ज कीगयी थी. ईडी की जांच में कांग्रेस नेता जयंत पाटिल, दिलीप राव देशमुख और दिवंगत मदन पाटिल का भी नाम शामिल था.

अगस्त 2019 : मुंबई पुलिस की ईओडब्ल्यू ने केस किया
सितंबर 2019 : ईडी ने केस के आधार पर जांच शुरू की.
अक्टूबर 2020 : ईओडब्ल्यू ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की, ईडी ने इसे चुनौती दी. अप्रैल में ईडी ने आरोप पत्र दाखिल किया. जून में शिंदे गुट ने बीजेपी के साथ एनडीए सरकार बनाई. अक्टूबर में मुंबई ईओडब्ल्यू ने ईडी के सबूतों के आधार पर आगे की जांच की मांग की. जुलाई :2023 पवार डिप्टी सीएम बने. जनवरी 24 ईओडब्ल्यू ने दूसरी क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की.
वर्तमान स्थिति : ईडी ने हस्तक्षेप आवेदन दायर किया.

प्रफुल्ल पटेल

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2023 में एनसीपी से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में शिफ्ट हो गई.

मामला : पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री की एयर इंडिया द्वारा 111 विमानों की खरीद के साथ-साथ एआई-इंडियन

एयरलाइंस विलय में कथित भ्रष्टाचार के लिए सीबीआई और ईडी द्वारा जांच की जा रही है. आरोपों में विदेशी एयरलाइनों को लाभदायक मार्ग सौंपने, विदेशी निवेश के साथ प्रशिक्षण संस्थान खोलने और लॉबिस्ट दीपक तलवार के साथ संबंध शामिल हैं. एफआईआर में पटेल को आरोपी के रूप में सूचीबद्ध नहीं किया गया है, लेकिन उनके नाम का उल्लेख किया गया है.

मई 2017 : सीबीआई ने एयर इंडिया-इंडियन एयरलाइंस विलय में एफआईआर दर्ज की.
मई 2019 : ईडी ने अपनी चार्जशीट में प्रफुल्ल पटेल का नाम लिया.
जून 2023 : पटेल एनडीए में शामिल हुए.
मार्च 2024 :सीबीआई ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की.
वर्तमान स्थिति : मामले को बंद करने का आवेदन अदालत में लंबित है.

प्रताप सरनाईक

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2022 में शिवसेना से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में शिफ्ट हो गई.

मामला : एक सुरक्षा फर्म के साथ उनकी कंपनियों के लेनदेन में कथित अनियमितताओं को लेकर ईडी ने

शिवसेना प्रवक्ता के खिलाफ केस किया था. मामले में ईडी ने छापेमारी की थी. जून 2021 में सरनाईक ने ईडी द्वारा "उत्पीड़न" का हवाला देते हुए तत्कालीन सीएम उद्धव ठाकरे को भाजपा के साथ समझौता को लिखा था. जून 2022 में शिवसेना के विभाजन के बाद उन्होंने शिंदे का साथ दिया. ईडी एनएसईएल में कथित धोखाधड़ी के मामले में सरनाईक की भी जांच कर रही है.

नवंबर 2020 : ईडी ने मुंबई ईओडब्ल्यू की एफआईआर के आधार पर छापेमारी की.
जनवरी 2021 :ईओडब्ल्यू ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की. जून 2022 : सरनाईक शिंदे के साथ एनडीए में शामिल हुए. सितंबर में कोर्ट ने ईडी के मामले को कुंद करते हुए क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार कर ली.
वर्तमान स्थिति : आगे कोई कार्रवाई नहीं, दूसरे मामले में जांच जारी.

हिमंत बिस्वा सरमा

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2015 में कांग्रेस छोड़ कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए.

मामला : हिमंत बिस्वा सरमा अब भाजपा में हैं और असम के मुख्यमंत्री हैं. सारदा चिटफंड घोटाला मामले

के मुख्य आरोपी सुदीप्त सेन के साथ कथित वित्तीय लेनदेन के लिए वर्ष 2014 और 2015 में सीबीआई और ईडी ने उनके खिलाफ जांच की गई थी. सीबीआई ने वर्ष 2014 में उनके घर और कार्यालय पर छापा मारा और उनसे पूछताछ की थी. उनका नाम गोवा में जल परियोजना अनुबंधों के लिए कथित रिश्वत देने से जुड़े लुइस बर्जर मामले में सामने आया था, लेकिन इसमें कोई कार्रवाई नहीं हुई.

अगस्त 2014 : सीबीआई ने हिमंत विस्सा सरमा के आवास पर छापा मारा.
नवंबर 2014 : सीबीआई ने उनसे पूछताछ की.
अगस्त 2015 : भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए.
वर्तमान स्थिति : सीबीआई के साथ ईडी में भी मामला खुला, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं.

हसन मुश्रीफ

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2023 में एनसीपी से भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शिफ्ट हो गए.

मामला : ईडी का मामला महाराष्ट्र के कोल्हापुर में सर सेनापति संताजी घोरपड़े शुगर फैक्ट्री

(एसएसएसजीएसएफ) में कथित रुप से अनियमितताओं के साथ ही साथ मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित है. ईडी ने दावा किया था कि 40,000 किसानों से पूंजी एकत्र करने के बाद उन्हें शेयर प्रमाण पत्र नहीं दिया गया. इसमें आरोप लगाया गया था कि एकत्र किए गए धन को मुश्रीफ के परिवार और रिश्तेदारों से जुड़ी फर्जी कंपनियों में भेज दिया गया. अनियमितताओं और मनी लॉन्ड्रिंग के इस मामले को प्रवर्तन निदेशालय ने मामले की जांच के सिलसिले में छापेमारी की थी.

फरवरी-मार्च 2023 : ईडी ने मुश्रीफ के परिसरों पर तीन बार छापेमारी की
जुलाई 2023 : हसन मुश्रीफ अजित पवार के साथ ही एनडीए में शामिल हो गए.
वर्तमान स्थिति : मामला खुला, लेकिन आगे कोई छापेमारी या कार्रवाई नहीं हुई है.

भावना गवली

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2022 में शिवसेना से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हुई.

मामला : वर्ष 2020 में ईडी ने मनी लांड्रिंग में छापेमारी की थी. वह यवतमाल-वाशिम सांसद और उनके

सहयोगी कथित तौर पर एक ट्रस्ट से धन निकालने के आरोपी हैं. मामले में 17 करोड़ रु की अनियमितता पाई गई थी. ईडी ने मुंबई में उनके सहयोगी सईद खान से जुड़ी 3 .75 करोड़ रु की एक इमारत को भी जब्त किया था.

अगस्त 2021 : ईडी ने उनसे जुड़े परिसरों की तलाशी ली. सितंबर में ईडी ने उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया. नवंबर में ईडी ने ट्रस्ट और सहयोगी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया. जून 2022 : शिंदे के साथ एनडीए में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : कोई पूरक आरोप पत्र दायर नहीं हुआ.

यामिनी और यशवंत जाधव

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2022 में शिवसेना से बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हुए.

मामला : विधायक यामिनी और उनके पार्षद पति यशवंत के खिलाफ ईडी समेत कई एजेंसियां जांच कर रही हैं.

ईडी फेमा के कथित उल्लंघन के लिए उनसे और उनके परिवार के सदस्यों से जुड़ी छह कंपनियों की जांच कर रही है. एक मामला उन कंपनियों में से एक से जाधव, उनके परिवार के सदस्यों और उनके परिचित अन्य लोगों द्वारा प्राप्त असुरक्षित लोन से संबंधित है. आयकर विभाग ने उनसे जुड़ी 40 से अधिक संपत्तियों को कुर्क किया था.

फरवरी 2022 : आयकर विभाग ने उनके और उनके पति से जुड़े परिसरों पर छापे मारे. मई में ईडी ने पति को तलब किया. जून में शिंदे के साथ एनडीए में शामिल. **वर्तमान स्थिति** : मामले में कोई प्रगति नहीं.

सीएम रमेश

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2019 में टीडीपी से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए.

मामला : अक्टूबर 2018 में आयकर विभाग ने 100 करोड़ रुपये की अनियमितता का आरोप लगाते हुए

तत्कालीन टीडीपी सांसद सीएम रमेश की कंपनी से जुड़े परिसरों पर छापेमारी की थी. रमेश से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी के बाद द भाजपा सांसद जीवीएल नरसिम्हा राव ने संसद की आचार संहिता समिति को पत्र लिखकर सीएम रमेश को अयोग्य घोषित करने की मांग की थी. अब सीएम रमेश भाजपा में हैं. भाजपा में शामिल होने के बाद से उनके बारे में कोई चर्चा नहीं हो रही है.

अक्टूबर 2018 :आईटी छापे का सामना करना पड़ा.
जून 2019 : बीजेपी में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : तब से कोई कार्रवाई की सूचना नहीं है.

रणिन्दर सिंह

पार्टी शिफ्ट : कैप्टन अमरिन्दर सिंह के बेटे कांग्रेसी नेता वर्ष 2021 में भाजपा में शामिल हुए.

मामला : पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह के बेटे रणिन्दर सिंह की फेमा उल्लंघनों के लिए ईडी

द्वारा जांच की जा रही है. वह वर्ष 2016 में ईडी के सामने पेश हुए. मार्च 2018 में सीबीआई ने सिंभावली शुगर्स द्वारा लगभग 98 करोड़ रु के कथित लोन घोटाले पर अमरिंदर सिंह के दामाद गुरपाल सिंह से पूछताछ की थी. सीबीआई की एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया और जुलाई 2019 में मिल की 110 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की.

नवंबर 2020 : रणिन्दर से ईडी ने पूछताछ की.
नवंबर 2021 पिता अमरिंदर ने कांग्रेस छोड़ी.
सितंबर 2022 : अमरिंदर बीजेपी में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : मामले में कोई प्रगति नहीं.

संजय सेठ

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2019 में सपा से भाजपा में शामिल.

मामला : वर्ष 2015 में आयकर विभाग ने संजय सेठ से जुड़े शालीमार कॉर्प के कार्यालयों पर छापा मारा. एमएलसी चुनावों के लिए सेठ के नाम पर यूपी के

राज्यपाल की आपत्ति के बाद भी समाजवादी पार्टी ने वर्ष 2016 में उन्हें राज्यसभा भेजा. मुलायम सिंह यादव के परिवार के करीबी माने जाने वाले संजय सेठ ने वर्ष 2019 में एसपी-बीएसपी गठबंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. हाल ही में राज्यसभा के लिए सेठ भाजपा के लिए आश्चर्यजनक रूप से चुने गए व्यक्ति थे.

जून 2015 : आईटी ने सेठ की कंपनी पर छापा मारा.
अगस्त 2019 : बीजेपी में शामिल हुए. जुलाई 2023 : समूह के कार्यकारी से पूछताछ की गई. फरवरी 2024 : बीजेपी ने सेठ को यूपी से राज्यसभा के लिए मैदान में उतारा. **वर्तमान स्थिति :** जांच जारी,कोई कार्रवाई नहीं.

सुवेंदु अधिकारी

पार्टी शिफ्ट : टीमएमसी से बीजेपी में शामिल हुए

मामला : पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता समेत 11 अन्य टीएमसी नेताओं के साथ नारद स्टिंग ऑपरेशन मामले में आरोपी हैं. इस स्टिंग ऑपरेशन, जिसमें

टीएमसी नेताओं को कथित तौर पर एक काल्पनिक कंपनी का पक्ष लेने के लिए नकद डिलीवरी स्वीकार करते या बातचीत करते हुए कैमरे पर कैद किया गया था. वीडियो रिकॉर्डिंग वर्ष 2014 में की गयी थी और वर्ष 2016 में विधानसभा चुनावों से पहले प्रसारित किया गया था.

अप्रैल 2017 : रद स्टिंग मामले में सीबीआई की एफआईआर. अप्रैल 2019 : सीबीआई ने लोकसभा अध्यक्ष से अभियोजन की मंजूरी मांगी . दिसंबर 2020 : बीजेपी में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : स्पीकर से मंजूरी का इंतजार है.

के गीता

पार्टी शिफ्ट : वाईएसआरसीपी से बीजेपी में शामिल.

मामला : वाईएसआरसीपी सांसद के गीता और उनके पति पी रामकोटेश्वर राव पर वर्ष 2015 में सीबीआई द्वारा आरोप पत्र दायर किया गया था .तथ्यों की गलत प्रस्तुति के माध्यम

से 42 करोड़ का लोन लेकर पंजाब नेशनल बैंक को धोखा देने और डिफॉल्ट करने का आरोप लगाया गया था. 12 मार्च को तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सजा पर रोक लगा दी. 28 मार्च को भाजपा ने उन्हें अराकू से अपना उम्मीदवार बनाया.

जून 2015 गीता और पति पर बैंक धोखाधड़ी के लिए सीबीआई ने आरोप पत्र दाखिल किया. जुलाई 2019 :भाजपा में शामिल हुए. सितंबर 2022 :विशेष अदालत ने दोनों को पांच साल जेल की सजा सुनाई. सितंबर 2022 : तेलंगाना हाईकोर्ट ने सजा पर रोक लगाई, जमानत दी. सीबीआई ने चुनौती नहीं दी.

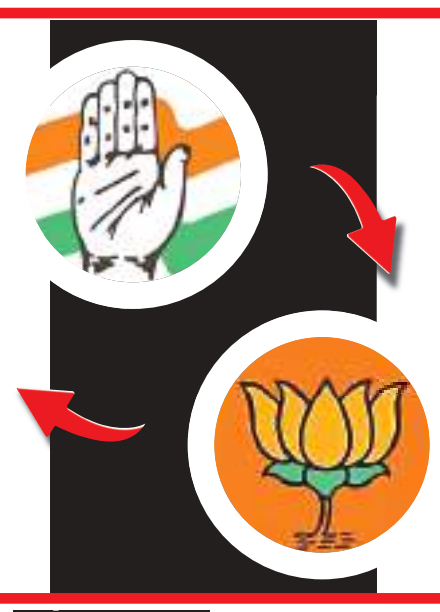

सोवन चटर्जी

पार्टी शिफ्ट : टीएमसी नेता वर्ष 2018 में भाजपा में शामिल हुए, वर्ष 2021 में छोड़ दी.

मामला : कोलकाता के पूर्व मेयर और लंबे समय तक टीएमसी नेता व विधायक रहे सोवन चटर्जी नारद स्टिंग

ऑपरेशन मामले में मुख्य आरोपी हैं और केंद्रीय एजेंसियों ने सारदा चिटफंड मामले में भी उनसे पूछताछ की है. वर्ष 2021 में अपनी पारंपरिक बेहाला पुरबा सीट से टिकट से इनकार किए जाने के बाद, चटर्जी ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया. मई 2021 में सीबीआई ने उन्हें नारद मामले में गिरफ्तार किया था. वह अब जमानत पर बाहर हैं.

अप्रैल 2017 : नारद स्टिंग मामले में सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की. नवंबर 2018 : कोलकाता मेयर पद से इस्तीफा. अगस्त 2019 : बीजेपी में शामिल हुए. मार्च 2021 : टिकट नहीं मिला, भाजपा छोड़ी.

छगन भुजबल

पार्टी शिफ्ट : एनसीपी से वर्ष 2023 में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो गए.

मामला : महाराष्ट्र के मंत्री छगन भुजबल पर वर्ष 2006 में 100 करोड़ से अधिक के ठेके देने में अनियमितता

के मामले में महाराष्ट्र के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने वर्ष 2015 में मामला दर्ज किया था. ईडी ने मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया. मार्च 2016 में भुजबल को गिरफ्तार कर लिया. मई 2018 में जमानत मिल गई.

मार्च 2016 : ईडी ने भ्रष्टाचार मामले में भुजबल को गिरफ्तार किया. अप्रैल 2016 : ईडी ने आरोप पत्र दाखिल किया. मई 2018 :दो साल की जेल के बाद जमानत मिल गई. सितंबर 2021 :विशेष अदालत में रिहाई मिली. जुलाई 2023 :अजीत पवार के साथ एनडीए में शामिल हुए.

कृपाशंकर सिंह

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2021 में कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हुए.

मामला : वर्ष 2012 में तत्कालीन मुंबई कांग्रेस प्रमुख कृपाशंकर सिंह पर पुलिस ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में मामला दर्ज किया था. एफआईआर के आधार पर ईडी ने मनी लांड्रिंग की जांच शुरू की और उनके बेटों से पूछताछ की.

फरवरी 2012 : महाराष्ट्र पुलिस ने सिंह पर आय से अधिक संपत्ति मामले में मामला दर्ज किया. इसके बाद ईडी का मामला दर्ज किया गया. दिसंबर 2013 : पुलिस ने विधानसभा अध्यक्ष से मुकदमा चलाने की मंजूरी मांगी. अप्रैल 2015 : बिना मंजूरी के आरोप पत्र दाखिल किया गया .फरवरी 2018 :मंजूरी के अभाव में अदालत ने उन्हें आरोपमुक्त कर दिया.

दिगंबर कामत

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2022 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल

मामला : गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर काम वर्ष 2015

से लुइस बर्जर घोटाले में ईडी जांच का सामना कर रहे हैं. ईडी ने कामत और एनसीपी नेता चर्चिल अलेमाओ की करीब दो करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है. सितंबर 2022 में वह आठ कांग्रेस विधायकों के एक समूह के साथ भाजपा में शामिल हो गए.

अगस्त 2015 : ईडी ने लुइस बर्जर मामले में घर की तलाशी ली. मार्च 2017 : ईडी ने संपत्ति कुर्क की. जुलाई 2021 : कोर्ट ने आरोप तय किए. अप्रैल 2022 :सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की कुर्की रद्द करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखा. सितंबर 2022 : कामत बीजेपी में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : ट्रायल जारी है.

अशोक चव्हाण

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2024 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हो गए.

मामला : महाराष्ट्र के पूर्व सीएम अशोक चव्हाण मुंबई के आदर्श सहकारी हाउसिंग सोसाइटी में फ्लैट आवंटन से

संबंधित मामले में मुख्य आरोपियों में से एक हैं. सीबीआई ने उन पर कथित तौर पर रिश्तेदारों के लिए दो फ्लैटों के बदले में ऊंचे फ्लोर स्पेस इंडेक्स को मंजूरी देने का आरोप लगाया. ईडी ने मनी लांड्रिंग की जांच शुरू की.

दिसंबर 2011 : आदर्श हाउसिंग मामले में सीबीआई ने चव्हाण पर मामला दर्ज किया.
जुलाई 2012 : सीबीआई ने चव्हाण पर आरोपपत्र दायर किया. जनवरी 2018 : सुप्रीम कोर्ट ने कार्यवाही पर रोक लगा दी. फरवरी 2024 : भाजपा में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : परीक्षण पर बने रहें.

नवीन जिंदल

पार्टी शिफ्ट : लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद वर्ष 2024 में कांग्रेस से बीजेपी में शामिल हो गए.

मामला : हरियाणा के उद्योगपति नवीन जिंदल पर वर्ष 2016 और वर्ष 2017 में दो अलग-अलग कोयला ब्लॉक आवंटन मामलों में

सीबीआई द्वारा आरोप पत्र दायर किया गया था. ईडी, जिसने उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच की थी, ने भी मामले में आरोप पत्र दायर किया था. एक मामले में आरोप तय हो चुका है. ईडी ने अप्रैल 2022 में कथित विदेशी मुद्रा उल्लंघन के एक ताजा मामले में जिंदल स्टील एंड पावर और नवीन जिंदल के परिसरों पर छापा मारा.

जून 2013 : सीबीआई ने कोयला ब्लॉक एफआईआर में जिंदल का नाम लिया. 2016/2017 :आरोप पत्र दाखिल. अप्रैल 2022 : नए मामले में ईडी की छापेमारी का सामना करना पड़ा. मार्च 2024 : भाजपा में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : ईडी की जांच जारी है.

तापस रॉय

पार्टी शिफ्ट : टीएमसी से वर्ष 2024 में भाजपा में शामिल हुए.

मामला : मनी लॉन्ड्रिंग मामला नागरिक निकाय भर्तियों में कथित

अनियमितताओं से संबंधित है. रॉय अब कोलकाता उत्तर से भाजपा के उम्मीदवार हैं.

जनवरी 2024 : ईडी ने आवास पर छापा मारा. मार्च 2024 :भाजपा में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : जांच जारी है.

अर्चना पाटिल

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2024 में भाजपा में शामिल हो गईं.

मामला : अप्रैल 2017 में आयकर विभाग ने एनवी ग्रुप के परिसरों पर छापा मारा, जहां उनके पति, पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता शिवराज पाटिल के बेटे शैलेश पाटिल

निदेशक हैं. शैलेश, महाराष्ट्र में कांग्रेस के राज्य सचिव हैं. इस साल फरवरी में आईटीएटी) ने पाया कि छापे के दौरान कुछ भी आपत्तिजनक नहीं पाया गया और इसलिए आयकर विभाग नई कर मांग नहीं कर सका. 30 मार्च को अर्चना भाजपा में शामिल हो गईं और उनके लातूर से चुनाव लड़ने की उम्मीद है.

अप्रैल 2017 : पति की कंपनी पर आयकर विभाग ने छापा मारा. मार्च 2024 : भाजपा में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : आईटी ट्रिब्यूनल का कहना है कि कोई मामला नहीं है.

गीता कोड़ा

पार्टी शिफ्ट : लोकसभा चुनाव से ठीक पहले वर्ष 2024 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हो गईं

मामला : झारखंड के पूर्व सीएम मधु कोड़ा केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं. जिनमें आय से अधिक संपत्ति और कोयला ब्लॉक आवंटन मामले प्रमुख हैं. कोड़ा के खिलाफ अन्य मामलों की जांच विभिन्न चरणों में है.

सितंबर 2012 : कोयला ब्लॉक मामले में सीबीआई ने गीता कोड़ा के पति मधु कोड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया. दिसंबर 2014 : सीबीआई ने कोड़ा पर आरोपपत्र दायर किया. दिसंबर 2017 : कोड़ा को सजा सुनाई गई. जनवरी 2018 :उन्हें सजा पर रोक लग गई. फरवरी 2024 :गीता कांग्रेस से भाजपा में चली गईं.
वर्तमान स्थिति : अन्य मामलों में अभी भी जांच जारी है.

बाबा सिद्दीकी

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2024 में कांग्रेस से एनसीपी और बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए में शामिल हो गई.

मामला : मई 2017 में ईडी ने शहर में एक झुग्गी पुनर्विकास परियोजना में

अनियमितताओं के मामले के संबंध में मुंबई कांग्रेस नेता बाबा सिद्दीकी से जुड़े परिसरों की तलाशी ली. वर्ष 2018 में ईडी ने मामले में शामिल एक डेवलपर की 450 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति भी कुर्क की थी.

मई 2017 : ईडी ने परिसरों की तलाशी ली.
फरवरी 2024 : अजित पवार की एनसीपी में शामिल हुए.
वर्तमान स्थिति : जांच जारी है.

ज्योति मिर्धा

पार्टी शिफ्ट : वर्ष 2023 में कांग्रेस से भाजपा में शामिल.

मामला : ईडी, यस बैंक मामले सहित कई मामलों में इंडियाबुल्स की जांच कर रही है. जिसमें शेयर की कीमतों में कथित कृत्रिम मुद्रास्फीति और शिप्रा समूह द्वारा उसकी संपत्तियों को हड़पने की शिकायत शामिल है. इंडियाबुल्स के प्रमोटर समीर गहलौत मिर्धा के पति नरेंद्र गहलौत के भाई हैं.

मार्च 2020 : ईडी ने यस बैंक मामले में रिश्तेदारों और इंडियाबुल्स के प्रमोटर समीर गहलोत को तलब किया. अप्रैल 2021 : ईडी ने शेयर कीमतों में कथित बढ़ोतरी के एक अन्य मामले में इंडियाबुल्स पर मामला दर्ज किया. फरवरी 2022 :ईडी ने इंडियाबुल्स के परिसरों पर छापा मारा. अक्टूबर 2022 : ईडी ने हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, राहत नहीं मिली. अप्रैल 2023 :ईडी ने ताजा मामले में इंडियाबुल्स पर मामला दर्ज किया. सितंबर 2023 :ज्योति मिर्धा भाजपा में शामिल हुईं. फरवरी 2024 : ईडी ने इंडियाबुल्स पर छापा मारा. **वर्तमान स्थिति :** जांच जारी है

सुजाना चौधरी

पार्टी शिफ्ट : टीडीपी से वर्ष 2019 में बीजेपी में शामिल

मामला : पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद पर तीन मामलों में जांच चल रही है. इससे जुड़ी प्राथमिकियों में आरोप

लगाया गया है कि बेस्ट एंड क्रॉम्पटन इंजीनियरिंग प्रोजेक्ट्स लिमिटेड (बीसीईपीएल) - जिसके बारे में एजेंसियों का दावा है कि यह चौधरी की है, ने धोखाधड़ी करके बैंकों के एक संघ से 360 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण प्राप्त किया और उसे चुकाया नहीं.

अप्रैल 2016 : ईडी बुक्स फर्म कथित तौर पर उनसे जुड़ी हुई थी. अक्टूबर 2018 : ईडी ने चौधरी पर छापा मारा. अप्रैल 2019 : ईडी ने 315 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की. जून 2019 : बीजेपी में शामिल हुए, लेकिन आरोप पत्र दाखिल.
वर्तमान स्थिति : मामला सुनवाई के लिए समर्पित.

तापमान
36.6° अधिकतम | 20.5° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | गुरुवार 04 अप्रैल 2024 ● चैत्र कृष्ण पक्ष 10 , संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 345 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

धनबाद लोकसभा चुनाव में मजदूर संगठनों की भूमिका अहम, पशोपेश में भाजपा प्रत्याशी

ढुल्लू के एक हाथ में भगवा, दूसरे हाथ में लाल झंडा

संवाददाता। रांची/धनबाद

धनबाद लोकसभा सीट पर वैसे तो भाजपा कई दशक से हावी है, लेकिन इस बार भाजपा प्रत्याशी के लिए चुनौतियों की लंबी फेहरिस्त है. धनबाद में पूर्व में करीब सात बार जीतने वाले सांसदों में पीएन सिंह और प्रो. रीता वर्मा का नाम आता है. इन दोनों नेताओं का अपना कोई मजदूर संगठन नहीं है. यानि कोल राजधानी में कोलियरी व आउटसोर्सिंग के मामलों में इन सांसदों का कोई विशेष लेना-देना नहीं था. लेकिन अब भाजपा प्रत्याशी के तौर पर ढुल्लू महतो मैदान में हैं और उनके पास एक मजदूर संगठन है यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन. वे खुद एटक के केंद्रीय सचिव भी हैं. ऐसे में कोल राजधानी की कोलियरी व आउटसोर्सिंग में किसी दूसरे यूनियन के नेता के बढ़ते रूतबा को अन्य मजदूर संगठन चलानेवाले कैसे बर्दाश्त करेंगे. यही सवाल कोलियरी व आउटसोर्सिंग क्षेत्र में तेजी से तैर रहा है.

अलग विचारधारा से मेल मिलाना ढुल्लू के लिए बड़ी चुनौती

आशनी सिंह | ढुल्लू महतो | रागिनी सिंह

- मजदूर संगठनों के लिए अपनी पहचान व ताकत बचाये रखने की चुनौती
- विधानसभा चुनाव के नतीजों में मजदूर संगठनों का रहता आया है अहम रोल

अपनी पहचान व दबदबा बचाए रखना भी चुनौती

धनबाद में कई मजदूर संगठन हैं, जो इलाकावार सक्रिय हैं. इनमें प्रमुख रूप से मासस, सीटू, जनता मजदूर संघ, जनता श्रमिक संघ, इंटक, एटक, भामसं आदि मुख्य रूप से सक्रिय हैं. इन लोगों ने दशकों से कोयलांचल की मजदूर राजनीति में अपना दबदबा बना रखा है.अपनी पहचान व दबदबा बनाये रखने के लिए इन संगठनों को चलाने वाले नेताओं ने कई दशक तक मेहनत की है. यहां तक कि विधानसभा चुनावों में ये मजदूर संगठन काफी हद तक अपनी भूमिका निभाते रहे हैं. असल में इन क्षेत्रों में मजदूरों के बीच पकड़ रखने वाले नेताओं को एकमुश्त वोट इन संगठनों के माध्यम से मिल जाते हैं. चूंकि प्रखंड स्तरीय चुनाव होने के कारण विधानसभा में नेताओं को बहुत जयादा दिक्कतों का सामना नहीं करता पड़ता है, लेकिन यह बात लोकसभा चुनाव में बहुत मायने रखती है. क्योंकि अब बात लगभग दो जिलों में मजदूरों के बीच अपना वर्चस्व कायम रखने की है. ऐसे में अन्य मजदूर संगठनों के सामने मजदूरों के बीच अपनी पहचान बचाये रखने की भी चुनौती होगी.

क्या वामपंथी देंगे ढुल्लू महतो का साथ ?

वामपंथी दलों व वाम विचारधारा वाले लोग ढुल्लू महतो को पचा पाएंगे या नहीं, ये तो समस्या है ही. लेकिन, असल टकराव की बात जनता मजदूर संघ, जनता श्रमिक संघ को लेकर है. झरिया, केंदुआ, भौंरा इलाके में इनकी मजबूत पकड़ है. एक तरफ रागिनी सिंह और दूसरी तरफ पूर्णिमा सिंह, इन संगठनों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुईं हैं. इनके अलावा राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के बैनर तले रामधीर सिंह की बहु आशनी भी मजदूर राजनीति में कूद पड़ी हैं. इनको साधना ढुल्लू के लिए मुश्किल बात है. भले ही रागिनी सिंह भाजपा की सिपाही हैं, लेकिन मजदूर राजनीति में ढुल्लू महतो के साथ नहीं खड़ी हो सकतीं. ढुल्लू भले ही यहां कामरेड होने का झंडा ढो रहे हैं, लेकिन वामपंथी इनके दूसरे हाथ में भगवा लहराता देख रहे हैं. ऐसे में लोकसभा चुनाव न सिर्फ रोमांचक होगा, बल्कि मजदूर राजनीति की दिशा मोड़नेवाला भी शामिल हो सकता है.

एनडीए प्रवेश परीक्षा में रांची का अनमोल बना कंट्री टॉपर

रांची। यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए प्रवेश परीक्षा-2023 में रांची के छात्र अनमोल कंट्री टॉपर बने हैं. उसने अखिल भारतीय स्तर पर रैंक वन हासिल किया है. कैडेट अनमोल राष्ट्रीय भारतीय सैन्य कॉलेज (आरआईएमसी), देहरादून के छात्र हैं और उनके पिता राजेश कुमार बीएसएफ में डिप्टी कमांडेंट और मां अनुपम आभा एक डेंटल सर्जन हैं. अनमोल ने यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर अपने परिवार, शहर समेत पूरे झारखंड को गौरवान्वित किया है. अनमोल का परिवार राजधानी रांची में रहता है. उसने अपनी प्रारंभिक शिक्षा रांची से प्राप्त करने के बाद आरआईएमसी, देहरादून में दाखिला लिया था.

गोशाला न्यास समिति : माननीयों की प्रताड़ना से त्रस्त हैं सदस्य

अब कोर्ट पर ही भरोसा

राजन बॉबी। रांची

गोशाला का आजीवन सदस्य बना कर भी मान्यता नहीं दिए जाने के कारण 110 सदस्य गोशाला न्यास समिति के पदाधिकारियों व ट्रस्टी चेयरमैन की मनमानी से खासा नाराज हैं. अब इन्हें 20 अप्रैल का इंतजार है. जिला न्यायालय में मामले की सुनवाई शुरू हो चुकी है. कोर्ट में दूसरी सुनवाई के दौरान पदाधिकारियों व ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैने को कोर्ट में हाजिर होकर जवाब देने के लिए नोटिस भेजा गया है. गोशाला के ट्रस्टी और पदाधिकारियों ने बकायदा नोटिस प्राप्त भी कर लिया है.

सदस्यता की मान्यता के लिए पिछले चार साल से 110 सदस्य छछन रहे हैं, लेकिन न गोशाला न्यास समिति के पदाधिकारियों ने उनकी सुनी और ना ही ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन ने. आखिर मामला कोर्ट में चला गया. अब तो उन्हें कोर्ट पर ही पूरा भरोसा है. सदस्यों का कहना है कि रतन जालान से कोई मुंह नहीं लगना चाहता, इसलिए वे मनमानी कर रहे हैं. लेकिन शायद उन्हें पता नहीं है कि सदस्यों ने भी उनकी नाकामियों को उजागर करने की ठान रखी है.

सदस्यता की मान्यता के लिए चार साल से छछन रहे 110 सदस्य

हक की लड़ाई में सफल होने का है भरोसा : पीड़ित सदस्यों का कहना है कि उन्हें आशंका है कि पदाधिकारी गोशाला पर अपना वर्चस्व बनाये रखना चाहेंगे. वे हर हाल में गोशाला पर एकाधिकार बनाये रखना चाहते हैं. एकाधिकार रहेगा, तभी तो उनकी मनमानी चलेगी और कोई चूं तक नहीं करेगा. सदस्यों का मुंह बंदा करा दिया जाएगा. सदस्यों का कहना है कि गोशाला न्यास के पदाधिकारी व ट्रस्टी चेयरमैन कानूनी दांव-पेच में मामले को उलझा कर लंबा खींचने की तैयारी में है. लेकिन अपनी सदस्यता की मान्यता के लिए आवाज बुलंद कर रहे सदस्यों का कहना है कि उनके पास लिखित रूप में पुख्ता सबूत हैं. इसलिए उन्हें उम्मीद है कि वे अपने हक की लड़ाई में सफल जरूर होंगे.

रतन जालान से कोई मुंह नहीं लगना चाहता, इसलिए कर रहे मनमानी

मामला उतना पेचीदा नहीं, जितना बना दिया : मोहक

मोहक जैन का कहना है कि मामला उतना पेचीदा नहीं है, जितना इसे बना दिया गया है. यदि नीयत साफ रहती, तो कब का मामला सलट गया होता. सारे प्रमाण रहने के बाद भी न्यायपूर्ण निर्णय नहीं लिया जाना दुखदायी है. हमारे लिए सदस्य बनना या बनाना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, पर ठगे जाने से आहत हैं. यदि मान्यता नहीं देनी थी, तो चार साल पहले ही स्पष्ट कर देना चाहिए था. सदस्यता शुल्क और डोनेशन का पैसा तत्काल लौटा दिये होते, तो बात इतनी बढ़ती भी नहीं. हम भी संतोष कर लेते. लेकिन अब तो हद हो गयी है. चाहे कुछ भी हो जाए, न्याय के लिए संघर्ष करते रहेंगे.

ट्रस्टी चेयरमैन ने बना रखी है मूंछ की लड़ाई

गोशाला न्यास के एक बुजुर्ग ट्रस्टी नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं कि अध्यक्ष पुनीत कुमार पोद्दार और ट्रस्टी चेयरमैन रतन जालान ने 110 लोगों की सदस्यता मामले को मूंछ की लड़ाई बना रखा है. दोनों का कहना है कि आम सदस्यों द्वारा लगातार सवाल उठाये जाने से वे आहत हैं. अब तो ट्रस्ट बोर्ड के चेयरमैन रतन जालान दो टूक कह रहे हैं कि चाहे कुछ भी हो जाए, किसी को भी मान्यता नहीं देंगे. ट्रस्टी बताते हैं कि गोशाला के इतिहास में पहली बार टोका-टोकी, रोका-रोकी हो रही है. पहले सब कुछ समान्य रूप से चलता था. किसी तरह का विवाद खड़ा नहीं होता था. गो-माता की सेवा भावना से सभी लोग मिलजुल कर काम करते थे, लेकिन अब यह सब देख-सुन कर दुःख हो रहा. वे बताते हैं कि उनकी तो कोई सुनता ही नहीं है. दो-चार ट्रस्टी की ही चलती है. अपने को असमर्थ-असहाय बताने वाले ट्रस्टी भी शहर के बड़े व्यवसायी हैं. बात करने पर गोशाला में अनिमितता व मनमानी से संबंधित बातें भी करते हैं. मगर, नाम नहीं छापने की शर्त पर ही कहते हैं कि उन्हें हड़काया भी जाता है.

आम सभा में ही हल हो जाता मामला : अनिल पोद्दार

अनिल पोद्दार बताते हैं कि सदस्यता का मामला बढ़ता ही नहीं. मान्या पैलेस, मोरहाबादी में 28 फरवरी को हुई आम सभा में ही मामले का पटाक्षेप हो जाता, लेकिन समय से पहले ही आनन-फानन में सभा समाप्त कर दी गयी, ताकि आम सदस्य न तो ज्यादा सवाल पूछ सकें और न उनकी करतूतों पर उंगली उठा सकें.ऐसा करना किसी भी तरह से ठीक न था. गोशाला न्यास समिति के सदस्यों की नेत-नीयत ठीक नहीं होने के कारण मारवाड़ी समाज की बदनामी हो रही है.

मुझे पॉलिटिक्स में नहीं पड़ना है : सुरेश कुमार जैन

गोशाला न्यास समिति के उपमंत्री सुरेश कुमार जैन ने साफ-साफ कह दिया कि उन्हें मामले से कुछ भी लेना-देना नहीं है. कहते हैं, मुझे पॉलिटिक्स में नहीं पड़ना है. गोशाला के कार्यों और गो-माता की सेवा से ही सरोकार रखता हूं. विवाद सलटाना ट्रस्टियों का काम है. सदस्य बना कर भी मान्यता नहीं दिए जाने के मामले में मैं कुछ नहीं कह सकता. जो करना है, जो फैसला लेना है, वो ट्रस्टियों को ही लेना है.

लेवी वसूली, अवैध खनन, जमीन हड़पने के मामले में ईडी का शिकंजा

योगेंद्र साव से साढ़े आठ घंटे पूछताछ

संवाददाता। रांची

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव बुधवार को एयरपोर्ट रोड स्थित ईडी ऑफिस पहुंचे. कागजी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ईडी के अधिकारियों ने उनसे पूछताछ शुरू की. इसके बाद उनसे जमीन पर अवैध कब्जा, अवैध खनन समेत मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अन्य मामलों पर पूछताछ की गई. करीब साढ़े आठ घंटे तक चली पूछताछ के बाद योगेंद्र साव ईडी कार्यालय से बाहर निकले.

बता दें कि योगेंद्र साव की बेटी और बड़कागांव से कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद से चार अप्रैल और उनके बेटे अंकित राज से पांच अप्रैल को इसी मामले में ईडी पूछताछ करेगी. उल्लेखनीय है कि ईडी ने 12 मार्च को योगेंद्र साव, उनकी बेटी विधायक अंबा प्रसाद और उनके अन्य परिवार के सदस्यों व सहयोगियों के रांची और हजारीबाग में 20 स्थानों पर छापेमारी की थी. ईडी ने आपराधिक गतिविधियों जैसे जबरन वसूली, लेवी का संग्रह, अवैध बालू खनन और जमीन हड़पने आदि से संबंधित मामलों में तलाशी अभियान चलाया था. इस दौरान ईडी ने 35 लाख नकद, डिजिटल डिवाइस, सर्किल कार्यालय, बैंकों के नकली टिकट, रसीदें और डायरी के रूप में विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और झारखंड में अवैध रेत खनन से संबंधित सबूत बरामद किए थे.

सीओ शशिभूषण के साथ मिलीभगत की चल रही जांच : सीओ शशिभूषण का कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद के पूरे परिवार से अच्छा संबंध रहा है. शशि भूषण ने कई जमीनों पर कब्जे के लिए अंबा प्रसाद और उनके पिता योगेंद्र प्रसाद की मदद की थी. इसी वजह से अंबा के करीबी शशिभूषण के साथ-साथ दूसरे करीबियों के यहां भी ईडी ने रेड मारी थी. ईडी को शशिभूषण की भी 100 से अधिक संपत्तियों की जानकारी मिली है. हजारीबाग में खासमहल की जमीन कब्जाने में तत्कालीन सीओ शशिभूषण सिंह के साथ अंबा प्रसाद और उनके पिता योगेंद्र साव की मिलीभगत की भी जांच ईडी कर रही है.

सेक्स रैकेट का सरगना एनएसयूआई का राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर अमरजीत गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

होटल तक लड़कियों को अमरजीत ही पहुंचाता था

सेक्स रैकेट चलाने वाले पहले से होटल का कमरा बुक करा कर रखा करते थे. इसके बाद जिन ग्राहकों को लड़कियों की जरूरत होती थी, उन तक लड़कियों को अमरजीत गाड़ी की व्यवस्था कर पहुंचा दिया करता था. पुलिस ने बताया कि अमरजीत से पूछताछ में कई जानकारियां मिली हैं और कुछ अहम सुराग भी मिले हैं, जिनकी जांच कर पुलिस कार्रवाई कर रही है.

राजधानी के विभिन्न होटलों में सेक्स रैकेट चलाने की सूचना के बाद रांची के सीनियर एसपी चंदन कुमार सिन्हा के निर्देश पर पुलिस ने एकसाथ

अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी की थी. इस दौरान डेली मार्केट थाना पुलिस ने होटल लेक व्यू में छापेमारी कर सेक्स रैकेट में शामिल तीन युवतियों और एक युवक अमरजीत कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. बाद में पुलिस की पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार युवक एनएसयूआई का राष्ट्रीय को-ऑर्डिनेटर और प्रदेश सचिव अमरजीत कुमार है. पुलिस ने बताया कि अमरजीत ही सेक्स रैकेट का सरगना है. उसके मोबाइल से लड़कियों की अश्लील तस्वीरें सहित ग्राहकों से किए गए चैट, पुलिस को मिले हैं. साथ ही छापेमारी के दौरान कुछ आपत्तिजनक सामान भी मिले हैं. होटल में सेक्स रैकेट चलाने के आरोप में होटल के मालिक मनसून पॉल को भी गिरफ्तार किया गया है. सेक्स रैकेट में नेता से लेकर व्यवसायी तक शामिल हैं, जो बंगाल से युवतियों को बुला कर रांची के होटलों और घरों में रखते थे. फिर ग्राहक सेट कर उनकी डिमांड पर उनकी पसंदीदा युवतियों को होटल में पहुंचा दिया करते थे.

कई सफेदपोशों से भी हैं अमरजीत के नजदीकी संबंध : पुलिस को कई अहम सुराग मिले हैं, जिसकी जांच की जा रही है. शहर के कई सफेदपोशों ने अमरजीत को छोड़ने के लिए पैरवी की, पर पुलिस ने एक न सुनी. पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया. पुलिस ने बताया कि अमरजीत के मोबाइल से कई ग्राहकों के नाम मिले हैं, जिनके बारे में पता लगाया जा रहा है. पुलिस ने उसके मोबाइल के वाट्सऐप चैट का भी ब्यौरा निकाला है. उसके मोबाइल में कई ऐसे सफेदपोशों के नाम भी मिले हैं, जो अमरजीत के ग्राहक रहे हैं.

सनसनी : डैम से कोलकर्मी और उसके दो बच्चों का बाइक से बंधा शव बरामद

बालूमाथ में ट्रिपल मर्डर से हड़कंप मचा

संवाददाता। रांची/लातेहर

लातेहार जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत तिलैयाटांड़ गांव में ट्रिपल मर्डर की घटना से सनसनी फैल गई है. बुधवार को कोलियरी कर्मी और उसके बेटे-बेटी का शव बाइक में बंधा हुआ बरामद हुआ है. मृतकों की पहचान तिलैयाटांड़ निवासी विनोद उरांव और उसके दो मासूम बच्चों के रूप में हुई है. घटना की सूचना पर पुलिस ने तीनों मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया.

वहीं, घटना की पड़ताल में जुट गई है. जानकारी

- दो दिन पूर्व बच्चों को हॉस्टल छोड़ने निकला था पिता, तीनों का नहीं मिल पा रहा था कोई सुराग

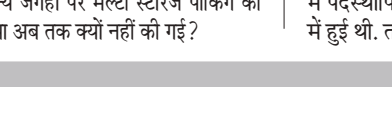

के मुताबिक, चमातू कोलियरी में कार्यरत विनोद उरांव बीते रविवार को अपने दो बच्चों को हॉस्टल में छोड़ने के लिए बाइक पर सवार होकर घर से निकला था. इसके बाद वह घर नहीं लौटा और उसके दोनों बच्चे भी हॉस्टल नहीं पहुंचे थे. परिजनों ने काफी खोजबीन की, पर तीनों का कुछ पता नहीं चल पा रहा था. इस बीच बुधवार को कुछ लोगों ने गांव के डैम के पास कपड़ा देखा. फिर बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां जुट गए और डैम के पानी में छानबीन की गई. वहां बाइक में बंधा तीनों का शव बरामद हुआ. स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना बालूमाथ पुलिस को दी. मामले में पुलिस का कहना है कि छानबीन की जा रही है. जल्द ही घटना का उद्भेदन कर दिया जाएगा. वहीं, परिजन व ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे हैं.

खुले में मांस की बिक्री पर हाईकोर्ट सख्त

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में बुधवार को खुले में मांस की बिक्री के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई. न्यायमूर्ति एसएन प्रसाद व जस्टिस एके राय की खंडपीठ में सुनवाई के दौरान अदालत ने राजधानी सहित सभी जिलों के एसपी से मांस की बिक्री को लेकर की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी है. अदालत ने पूछा है कि अवैध रूप से संचालित और बिना नियमों का पालन कर मांस की बिक्री करने वाले दुकानदारों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई है? मामले में अगली सुनवाई 23 अप्रैल को निर्धारित की गई है.

सख्त रुख — शहर की लचर ट्रैफिक व्यवस्था पर हाईकोर्ट नाराज, ट्रैफिक एसपी को निर्देश

कागज पर नहीं, धरातल पर सुधारें ट्रैफिक व्यवस्था

संवाददाता। रांची

शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर बुधवार को रांची के ट्रैफिक एसपी अदालत के समक्ष उपस्थित हुए. सुनवाई के दौरान ट्रैफिक एसपी ने अदालत को बताया कि शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर जाम का सबसे बड़ा कारण ऑटो के लिए पार्किंग की व्यवस्था नहीं होना है. शहर में लगभग 30 से ज्यादा ऑटो चलते हैं, जिनकी पार्किंग के लिए कुछ जगहों को चिह्नित किया गया है.

इसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई में विस्तृत जानकारी देने का निर्देश दिया. साथ ही सख्त रूख अपनाते हुए मौखिक रूप से निर्देश दिया कि ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार दिखना चाहिए, सिर्फ कागजों पर व्यवस्था नहीं सुधरनी चाहिए. हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस रंगोन मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रौशन की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई. नगर निगम की ओर से अधिवक्ता प्रशांत सिंह ने पक्ष रखा. अदालत ने ट्रैफिक एसपी को अगली सुनवाई में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है. बता दें कि बीते मंगलवार को शहर में लगने वाले जाम को लेकर सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से पूछा था कि शहर के कई ट्रैफिक सिग्नल खराब क्यों हैं? सुजाता चौक, कोकर एवं अन्य जगहों पर मल्टी स्टोरेज पार्किंग की व्यवस्था अब तक क्यों नहीं की गई?

कोर्ट निर्देश

- शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर जाम को लेकर हुई सुनवाई
- कोर्ट ने ट्रैफिक एसपी को अगली सुनवाई के दिन फिर से बुलाया

हाईकोर्ट का मनरेगा आयुक्त को निर्देश

कर्मियों के बकाया मानदेय का भुगतान करें

रांची। झारखंड हाईकोर्ट ने विजयेता तिवारी और अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए मनरेगा आयुक्त को सभी 11 प्रार्थियों का बकाया मानदेय भुगतान कर प्रति शपथ पत्र दायर करने का निर्देश दिया है. इस मामले की सुनवाई हाईकोर्ट की न्यायाधीश जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की बेंच में हुई. सुनवाई के दौरान अदालत ने मौखिक रूप से कहा कि जब सभी प्रार्थी कार्य कर रहे हैं, विभाग द्वारा उनसे कार्य लिया जा रहा है, तो जून 2022 के उपरांत उनके मानदेय का भुगतान क्यों नहीं किया गया है?

दरअसल, चतरा जिले में ग्रामीण विकास विभाग में पदस्थापित कंप्यूटर ऑपरेटर की नियुक्ति 2007 में हुई थी. तब से सभी कंप्यूटर ऑपरेटर अपनी सेवा

विभाग को दे रहे थे, लेकिन जून 2022 के बाद उन्हें मानदेय भुगतान बंद कर दिया गया था. इसके बाद 11 प्रार्थियों ने मानदेय भुगतान सहित अपनी सेवा नियमित कराने के लिए हाई कोर्ट में गुहार लगायी थी. प्रार्थियों की ओर से अधिवक्ता अवनीश रंजन मिश्र ने पक्ष रखा.

आम्रपाली परियोजना के डिस्पैच अफसर को सीबीआई ने दबोचा

रांची। सीबीआई ने भ्रष्टाचार के खिलाफ चतरा में चल रहे आम्रपाली परियोजना में 15 दिनों के भीतर दो बड़ी कार्रवाई की है. सिविल विभाग के पर्यवेक्षक रामभज्जु और उसके सहयोगी अशोक राम को रिश्वत लेते गिरफ्तार करने के बाद आम्रपाली कोल परियोजना के डिस्पैच ऑफिसर सुधांशु शर्मा को बुधवार को गिरफ्तार किया है. सीबीआई की एसीबी रांची टीम ने यह कार्रवाई की है. सीबीआई की टीम गिरफ्तारी के बाद डिस्पैच ऑफिसर को अपने साथ रांची ले गई है. बताया जा रहा है कि परियोजना क्षेत्र में कोयला डिस्पैच करने के नाम पर कोयला कारोबारी से घूस की मांग की गई थी. जिसके बाद इसे लेकर सीबीआई की एसीबी ब्रांच से इसकी शिकायत की गई थी.

टेक्सटाइल शॉप में लगी आग धू-धू कर जल गए सारे सामान

संवाददाता। रांची

भारी नुकसान

- दुकान मालिक ने लाखों के नुकसान की कही बात
- सूचना देने के 45 मिनट बाद पहुंचा दमकल वाहन

डोरंडा थाना क्षेत्र के डीबडीह पुल स्थित कपड़ा दुकान में आग लगने से पूरा दुकान और अंदर रखे कपड़े जल कर राख हो गए. घटना बुधवार सुबह की बताई जा रही है. जिस दुकान में आग लगी, उसका नाम क्लच लाइफ स्टाइल टेक्सटाइल शॉप बताया जा रहा है. अगलगी की इस घटना में लाखों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है. जानकारी के मुताबिक, बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने दुकान से धुंआ निकलते देखा. इसके बाग दुकान के मालिक को जानकारी दी. दुकान मालिक ने मौके पर पहुंच कर देखा कि दुकान में भीषण आग लगी हुई है. इसके बाद अग्निशमन विभाग को सूचना दी. हालांकि, सूचना के करीब 45 मिनट बाद दमकल घटनास्थल पर पहुंची, तब तक दुकान में रखे सारे सामान जल कर राख हो गए थे. इसके बाद घंटों कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया. दुकान मालिक और स्थानीय लोगों ने अग्निशमन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन :	डॉ. मनोज कुमार प्रसाद
सर्जरी :	डॉ. पंकज बोदरा
ऑर्थोपेडिक :	डॉ. जीके गुप्ता
न्यूरोसर्जरी :	डॉ. आनंद प्रकाश
गायनी :	डॉ. नीलम नलिनी
टीबी एवं चेस्ट :	डॉ. ब्रजेश मिश्रा
रेडिएशन आंकोलॉजी :	डॉ. रश्मि सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजी :	डॉ. रोहित कुमार झा
नेत्र :	डॉ. सुनील कुमार
स्किन :	डॉ. प्रभात कुमार
ईएनटी :	डॉ. बिनोद कुमार सिन्हा
न्यूरोलॉजी :	डॉ. रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिन : डॉ. अरुणोदय, डॉ. बीएन पोद्दार और डॉ. सत्येंद्र
- सर्जरी : डॉ. अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनी : डॉ. मुस्सरत यामिनी और डॉ. श्रुति प्रभा
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग) : डॉ. सूर्या
- हेमाटोलॉजी : डॉ. अभिषेक रंजन
- सर्जीकल आंकोलॉजी : डॉ. प्रकाश भगत
- नेफ्रोलॉजी: डॉ. नवीन कुमार

ब्रीफ खबरें

आज पूर्व मंत्री देवकुमार धान जेल से होंगे रिहा

रांची। पूर्व मंत्री देवकुमार धान चार अप्रैल को जेल से रिहा होंगे.सामाजिक कार्यकर्ता कृष्णा लकड़ा ने बुधवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि शहीद बुधु भगत के स्मारक स्थल को बंदोबस्त करने, पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने तथा मसमानो जतरा स्थल को बचाने की मांग को लेकर देवकुमार धान पर प्राथमिकी दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया था.वे 62 दिनों तक जेल में रहे.

धुर्वा में मृतक के परिजनों से मिले संजय सेठ

रांची। धुर्वा थाना क्षेत्र के सेक्टर-3 में मंगलवार की रात सड़क दुर्घटना में मृत मोहन महली के परिजनों से उनके नर्स कॉलोनी स्थित आवास पर भाजपा प्रत्याशी संजय सेठ, खिजरी के पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, भाजपा मंडल अध्यक्ष उमेश यादव, सरना समिति के मेघा उरांव सहित अन्य लोग पहुंचे. सेठ सहित अन्य नेताओं ने मृतक के परिजनों से मिलकर दुख जताया. कहा कि भाजपा के नेता-कार्यकर्ता हर वक्त उनके परिवार के साथ खड़े रहेंगे.

अगले तीन दिनों तक तपेगा झारखंड

रांची। राजनीतिक तपिश के साथ अगले तीन दिनों तक झारखंड भी तपेगा. चार, पांच और छह अप्रैल को राज्य के कई जिलों में हीट वेब का असर दिखेगा. इन तीन दिनों में तापमान में भी वृद्धि होगी. इसको लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है. हीट वेब का असर पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला खरसावां, देवघर, दुमका, धनबाद, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में दिखेगा. मौसम विभाग के अनुसार छह, सात और आठ अप्रैल को राज्य के कई हिस्सों में कहीं-कहीं हल्की बारिश भी हो सकती है. इसके बाद तापमान में कमी की संभावना भी जताई गई है. लेकिन राज्य में इन तीन दिनों तक अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है. अगले दो दिनों तक तापमान में तीन डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है.

गोड्डा से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी निशिकांत दुबे बोले

नामांकन दाखिल करने के बाद सीधे जीत का सर्टिफिकेट लेने जाऊंगा

प्रमुख संवाददाता। रांची/ दुमका

- झामुमो प्रत्याशी देगा तो चुनाव प्रचार नहीं करेंगे, कांग्रेस ने प्रदीप को उतारा, तब भी प्रचार नहीं करेंगे
- इलेक्शन कैंपेनिंग सिर्फ टाइम पास के लिए ही, चुनाव के दौरान मैं कहीं चाय पीता या कहीं क्रिकेट खेलता नजर आऊंगा

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे गोड्डा से तीन बार लोकसभा चुनाव जीतने के बाद चौथी बार ओवर कॉन्फिडेंट हैं. कहा कि इलेक्शन कैंपेनिंग सिर्फ टाइम पास के लिए है. चुनाव के दौरान मैं कहीं चाय पीता या कहीं क्रिकेट खेलता नजर आऊंगा. इसकी वजह है कि विपक्ष के पास कोई दमदार नेता ही नहीं है. झामुमो कोई भी प्रत्याशी देगा तो वो चुनाव प्रचार नहीं करेंगे. कांग्रेस अगर प्रदीप यादव को उम्मीदवार बनाती है, तब भी वो प्रचार नहीं करूंगा. पर्चा दाखिल करने के बाद सीधे चुनाव परिणाम के दिन जीत का सर्टिफिकेट लेने जाऊंगा. दुमका के एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट में तीन मामलों में पेशी के लिए पहुंचे निशिकांत ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि उनके खिलाफ विपक्ष के पास कोई दमदार नेता नहीं है. कहा कि अगर झामुमो गोड्डा में कोई प्रत्याशी देगा, तो वो चुनाव प्रचार नहीं करेंगे. अगर कांग्रेस प्रदीप यादव को उम्मीदवार बनाती है, तब भी वो प्रचार करने नहीं जाएंगे, बल्कि सीधे जीत का सर्टिफिकेट लेने ही जाएंगे.उन्होंने कहा कि मुझे यह जानकारी मिल रही है कि गोड्डा से झामुमो प्रत्याशी दे सकता है.

प्रदीप को छोड़ कांग्रेस ने कोई दूसरा नेता उतरा तो करूंगा प्रचार

दुबे ने कहा कि अगर उनके सामने प्रदीप यादव होंगे, तो वे अपनी जीत के प्रति पूरे तरह से आश्वस्त हैं. कहते हैं, मुझे चुनाव प्रचार करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी. मैं कई बार प्रदीप यादव को हरा चुका हूं. उन्हें फिर से हराने के लिए मेहनत करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी. अगर कांग्रेस से कोई दूसरा प्रत्याशी आता है, तो चुनाव प्रचार करने के बारे में सोचूंगा. दूसरे प्रत्याशी से दो-दो हाथ करने को तैयार रहूंगा.

दुमका लोकसभा क्षेत्र से सीता सोरेन के सामने जो भी प्रत्याशी खड़ा होगा, उसकी जमानत जब्त हो जाएगी

निशिकांत दुबे ने दुमका लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी सीता सोरेन को लेकर कहा कि झामुमो के पास सीता के खिलाफ कोई प्रत्याशी ही नहीं है. जहां तक मुझे पता है प्रो स्टीफन मरांडी और नलिन सोरेन ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है. हेमंत सोरेन के भी चुनाव नहीं लड़ने की बात उनकी ही पार्टी के नेता कर रहे हैं. वहीं कल्पना सोरेन गांडेय विधानसभा से उपचुनाव लड़ेंगी. ऐसे में सीता सोरेन के खिलाफ कोई उम्मीदवार नजर नहीं आ रहा है. सीता सोरेन के सामने जो भी प्रत्याशी खड़ा होगा, उसकी जमानत जब्त हो जाएगी.

बाबा मंदिर मामले में समझौता हुआ, केस से बरी हुए

दुबे दुमका के एमपी एमएलए स्पेशल कोर्ट में तीन मामलों में पेश हुए. इसमें एक मामला देवघर के बाबा मंदिर थाना का था. इसमें उनकी पत्नी भी आरोपी थी. उनपर बाबा मंदिर में पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री के साथ विवाद का आरोप था. इस केस में दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो गया और वे केस से बरी हो गए. दूसरा मामला मधुपुर थाना क्षेत्र का था, जहां मधुपुर विधानसभा उपचुनाव में झंडा बांधने को लेकर विवाद हुआ था. इस मामले में कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए छह अप्रैल की तारीख तय कर दी है. एक अन्य मामला भी चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन से ही संबंधित है.

केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा, निर्वाचन आयोग की साख पर उठने लगे हैं सवाल

अब निर्वाचन आयोग के प्रवक्ता बन गए हैं निशिकांत दुबे : झामुमो

संवाददाता। रांची

- निर्वाचन आयोग ने चुनाव को लेकर झामुमो से राय तक नहीं ली
- सभी राज्यों में आयोग की टीम गई, झारखंड को छोड़ दिया गया

झामुमो के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे पर निशाना साधा है। बुधवार को सुप्रियो ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे अब निर्वाचन आयोग के भी प्रवक्ता बन गए हैं। कहा कि मंगलवार को चुनाव आयोग का निर्देश आया कि देवघर एसपी को बदला जाए। देवघर के कुछ फर्जी मामले में शिवदत्त शर्मा ने जसीडीह थाने में सांसद निशिकांत दुबे के खिलाफ कई गंभीर आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है. क्या एसएसपी को हटा कर जांच बंद कराई जा सकती है. पुलिस अधीक्षक एक पद है जो जिले में विधि व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने का काम करता है. कोई घोषित उम्मीदवार किसी अधिकारी के खिलाफ शिकायत करता है, तो उसे सीधे हटा दिया जा रहा है.

पहले निशिकांत ईडी और सीबीआई के प्रवक्ता बने फिरते थे : सुप्रियो ने कहा कि पहले निशिकांत दुबे ईडी और सीबीआइ के ह प्रवक्ता बनाते फिरते थे. अब निर्वाचन आयोग के भी प्रवक्ता बन गए हैं. राज्य में चुनाव कैसे हो इसको लेकर झामुमो से निर्वाचन आयोग ने राय तक नहीं ली. देश के सभी राज्यों में निर्वाचन आयोग की टीम गई. लेकिन झारखंड को छोड़ दिया गया. हमें निर्वाचन आयोग से बात करने के लिए मिलता तो हम भी राज्य की वस्तु स्थिति से अवगत कराते. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. सुप्रियो ने कहा कि अब निर्वाचन आयोग की साख पर भी सवाल उठने लगे हैं.

ईवीएम और चुनाव आयोग के घोषित परिणाम पर ही सत्ता सुख भोग रहा झामुमो : अरुण उरांव

संवाददाता। रांची

- झामुमो की बौखलाहट खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी है
- भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई ने झामुमो को भयभीत कर दिया, इसलिए उठा रहे सवाल

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अरुण उरांव ने झामुमो प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के बयान पर पलटवार किया. कहा कि देश में चुनाव आयोग के निर्देश पर अबतक 5 राज्यों के 8 डीएम और 12 एसपी बदले गए हैं. जिनमें देवघर के एसपी भी शामिल हैं, लेकिन झामुमो की बौखलाहट यह बता रही कि देवघर एसपी राज्य के पुलिस अधिकारी नहीं, बल्कि झामुमो के कार्यकर्ता हैं. कहा कि झामुमो अपनी हार की छाया से ही डर गया है. अभी तो हार का सामना करना बाकी है. चुनाव आयोग एक निष्पक्ष संवैधानिक संस्था है, जो देश में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन झामुमो खुद को इन सभी संस्थाओं से ऊपर मानता है. जो संस्था इनके अनुकूल नहीं वह भाजपा का समर्थक हो जाता है. जिस ईवीएम मशीन और चुनाव आयोग को झामुमो पानी पीकर गाली दे रहा उसी के द्वारा घोषित परिणाम पर झामुमो गठबंधन राज्य में सत्ता सुख भोग रहा है. अरूण उरांव ने कहा कि अधिकारियों का ट्रांसफर-पोस्टिंग करना आयोग का अधिकार है. शिकायत मिलने पर कार्रवाई करना उनका कर्तव्य है. झामुमो की बौखलाहट खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे जैसी है. झामुमो अपनी सरकार के कारनामों को याद करे. कैसे लोहरदगा में स्लीपर सेल की रिपोर्ट करने वाले डीएसपी का रातोंरात ट्रांसफर कर दिया गया था. कैसे तमाड़ चुनाव में एक पुलिस अधिकारी को उग्रवादी के खिलाफ कार्रवाई की सजा भुगतनी पड़ी थी. उन्होंने कहा कि दरअसल, झामुमो चौतरफा संकट से घिरा है. भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई ने उन्हें भयभीत कर दिया है. इसलिए उसके नेता संवैधानिक संस्थाओं पर भी सवाल उठाने लगे हैं.

रांची विवि के अतिथि शिक्षक गए अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय के अतिथि शिक्षक बुधवार 3 अप्रैल से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं. रांची विवि के अंदर आने वाले सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालय विभाग मिलाकर इनकी संख्या 123 है. 10 महीने से मानदेय नहीं मिलने और 57 हजार 700 रुपये मानदेय करने की मांग को लेकर वे हड़ताल पर गए हैं. बीते मंगलवार को अतिथि शिक्षकों ने रांची विवि के एफओ का घेराव किया था. देर शाम तक अपनी बात पर अड़े रहे, जब इनकी मांगें पूरी नहीं हुई तो बुधवार से हड़ताल पर चले गए. हड़ताल से सबसे अधिक महिला कॉलेज सिमडेगा, महिला कॉलेज लोहरदगा, मॉडल डिग्री कॉलेज बानो, मॉडल डिग्री कॉलेज घाघरा और मारवाड़ी कॉलेज के उर्दू विभाग पर असर पडेगा. इन चारों कॉलेजों और मारवाड़ी कॉलेज का उर्दू विभाग अतिथि शिक्षकों के भरोसे ही चलता है.

क्यों गये हड़ताल पर : दुर्गा पूजा, दिवाली, छठ और होली में भी मानदेय का भुगतान नहीं हुआ. अब इसी महीने सरहुल और ईद है. पर्व को देखते हुए अतिथि शिक्षकों में मानदेय को लेकर मांग तेज हो गई है. इसके अलावा वे अपनी मानदेय की भुगतान को लेकर समय-समय पर विरोध करते रहे हैं. अतिथि शिक्षकों ने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी कही हुई बातों पर भी अडिग नहीं है. जो पहले से कार्यरत हैं, उनका मानदेय समय पर भुगतान करें, फिर नई बहाली करें. हमारा भविष्य बर्बाद तो कर ही रहे हैं, अब आगे के लोगों का भविष्य विश्वविद्यालय क्यों बर्बाद करना चाहता है.

जानिए,किन कॉलेजों में कितने अतिथि शिक्षक हैं

महिला कॉलेज, सिमडेगा	05
महिला कॉलेज, लोहरदगा	04
मॉडल डिग्री कॉलेज, बानो	05
मारवाड़ी कॉलेज	
कॉमर्स विभाग में	10
सोसलॉजी विभाग में	01
उर्दू विभाग में	04
जोग्राफि विभाग में	03

मुख्य मांगें

सामान्य कार्य सामान्य वेतन
10 महीने के मानदेय का भुगतान
57 हजार 700 मानदेय मिले
अतिथि शिक्षक नहीं बोला जाए

शीतल राजपाल ने फैशन इंस्टा का खिताब जीतकर झारखंड का नाम रौशन किया

रांची । गुड़गांव में आयोजित मिसेज इंडिया 2024-25 प्रतियोगिता में देश भर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया. इसमें रांची की शीतल राजपाल द्वितीय रनरअप रहीं और फैशन इंस्टा का खिताब जीतकर झारखंड का नाम रौशन किया. शीतल पेशे से प्राणिक उपचारक और अहर्टिक योगी हैं. शीतल ने कहा कि आज के समय में महिलाएं भी शिखर पर पहुंच सकती हैं. शादी या बच्चों की मां बनने के बाद महिला का करियर कमजोर नहीं होता है. महिलाएं अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर करियर बनाये रखने में सक्षम हैं. शीतल ने सफलता का सारा श्रेय अपने पति रणजीत सिंह राजपाल को दिया.

खास दुकानों से किताबें व ड्रेस खरीदने को मजबूर अभिभावक

संवाददाता। रांची

खास बातें

- निजी स्कूलों के कारनामों के खिलाफ उतरा छात्र संघ
- मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और शिक्षा सचिव को भेजा मांग पत्र

निजी स्कूल द्वारा री-एडमिशन, विकास शुल्क और खास दुकानदारों से पुस्तक व ड्रेस लेने के लिए बाध्य किए जाने के खिलाफ रोक व नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग को लेकर झारखंड छात्र संघ ने शिक्षा सचिव को मांग पत्र भेजा है. उसकी प्रतिलिपि मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को भी भेजी गई है. झारखंड छात्र संघ के केंद्रीय अध्यक्ष एस अली ने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित सीबीएसई, आईसीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूल एवं बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों द्वारा आरटीई एक्ट 13 (1) (2) का खुलेआम उल्लंघन कर री-एडमिशन, विकास शुल्क, वार्षिक व बिल्डिंग शुल्क, वार्षिक कार्यक्रम आदि के नाम पर छात्रों के अभिभावकों से मोटा शुल्क वसूला जा रहा है. यही नहीं एनसीआरटी की किताबों का संचालन करने के बजाए निजी प्रकाशकों कि महंगी किताबें जो हर वर्ष बदल दी जाती हैं, खास दुकानदारों से लेने के लिए बाध्य किया जाता है. यही स्थिति छात्रों के ड्रेस के साथ लेने के लिए भी है. निजी स्कूलों की इस मनमानी और तानाशाही के कारण अभिभावक हताश एवं निराश हैं. वे बच्चों के नामांकन नहीं होने के डर से बोल भी नहीं पाते, जिसका लाभ लगातार निजी विद्यालयों द्वारा उठाया जा रहा है. निजी विद्यालयों की मनमानी पर रोक एवं कार्रवाई के लिए वर्ष 2015 एवं 2018 में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव के निर्देश पर सभी जिला के उपायुक्तों ने जिला शिक्षा अधीक्षक व अन्य जिला अधिकारियों की कमेटी गठन कर निजी स्कूलों के प्राचार्य व प्रबंधक के साथ बैठ कर री-एडमिशन, विकास शुल्क, वार्षिक शुल्क लेने पर रोक लगायी थी. साथ ही स्कूल परिसर से या खास दुकानदार से किताब, ड्रेस, स्टेशनरी आदि खरीदने के लिए बाध्य नहीं करने का निर्देश दिया गया था.

14 लोकसभा क्षेत्रों में 400 सामाजिक सम्मेलन करेगा भाजपा ओबीसी मोर्चा

रांची । भाजपा ओबीसी मोर्चा झारखंड के 14 लोकसभा क्षेत्र में 400 सामाजिक सम्मेलन करेगा. मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत हर विधानसभा क्षेत्र में पांच सामाजिक सम्मेलन, युवा संवाद और छात्रावास जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा. अब तक लगभग 38 कार्यक्रम हो चुके हैं. रांची स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में ओबीसी मोर्चा की प्रदेश स्तरीय बैठक और सोशल मीडिया कार्यशाला में सामाजिक सम्मेलन को लेकर रणनीति तैयार की गई. बैठक में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी भी मौजूद थे. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मरांडी ने कहा कि भाजपा जो कहती है, उसे पूरा करती है. भाजपा की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है. लोकसभा चुनाव में भाजपा ने झारखंड में ओबीसी समाज को उचित प्रतिनिधित्व दिया है, जिससे पिछड़ा वर्ग में सकारात्मक प्रभाव पड़ा है. प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं से अपने शक्ति केंद्रों और अपने बूथ को सबसे मजबूत बनाने का आग्रह किया. कहा कि सभी नेता अपने बूथ पर 370 से ज्यादा वोट प्राप्त करने का प्रयास करें.

कैश सीजर मामलों में व्यापारियों को राहत मिले : चैंबर ऑफ कॉमर्स

संवाददाता । रांची

चुनाव के दौरान कैश सीजर मामलों में व्यापारियों को राहत देने के लिए झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार को पत्राचार किया. चैंबर के को-ऑर्डिनेशन विद एडमिनिस्ट्रेशन उप समिति के चेयरमैन और कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया ने कहा कि चुनाव के दौरान होनेवाली परेशानी को देखते हुए झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा कुछ जरूरी निर्देश जारी किये गये थे, जिसके आलोक में झारखंड चैंबर कैश सीजर मामलों में व्यापारी वर्ग को रियायत देने की मांग करता है और आग्रह करता है कि कैश की बरामदगी होने पर उचित दस्तावेज पेश किये जाने पर संबंधित लोगों की रकम वापस लौटा दी जाय.

पत्र में यह भी कहा गया है कि उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार कैश सीजर मामले में वीडियोग्राफी भी कराये जाने का प्रावधान है. उम्मीद है कि आयोग द्वारा इसका अनुपालन जरूर किया जा रहा होगा. यह भी कहा गया है कि फिलहाल ईद, सरहुल, रामनवमी तथा सभी समुदाय में शादी-विवाह का सीजन भी है, जिससे लोग पूरे राज्य से अपनी जरूरत के सामान की खरीदारी करने के लिए निकलते हैं. ऐसे में आवश्यक है कि उचित दस्तावेज पेश करने पर लोगों को रियायत दी जाय. चैंबर महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि दस्तावेज के साथ दो लाख रुपये तक आपसी लेन-देन करनेवाले व्यापारियों को पूर्व की व्यवस्था में छूट दी गई थी. चुनाव के कारण आर्थिक गतिविधियां प्रभावित न हों, इसके लिए निर्वाचन आयोग को इस मामले में उचित कार्रवाई करनी चाहिए. चैंबर द्वारा पत्र के माध्यम से यह भी आग्रह किया गया कि निर्वाचन आयोग द्वारा तय निर्देशों से हमें अवगत भी कराया जाये, ताकि व्यापारियों व उद्यमियों के बीच आयोग के निर्देश के प्रति जागरूक किया जा सके.

चैंबर ने एयरपोर्ट निदेशक से किया पत्राचार

रांची। रांची एयरपोर्ट पर पार्किंग शुल्क के नाम पर नियमित रूप से की जा रही अनियमितताओं की सूचना प्राप्ति पर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने एयरपोर्ट निदेशक को पत्राचार कर कार्रवाई की मांग की है. चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा ने कहा कि प्रबंधन के हस्तक्षेप से स्थितियों में कुछ सुधार हुआ था, किंतु फिर से यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें और मनमाना वसूली जैसी खबरें मिल रही हैं. उन्होंने कहा कि विमानपत्तन सलाहकार समिति की बैठकों में भी पार्किंग स्थल पर होनेवाले विवाद के समाधान के लिये निर्देशित किया गया है किंतु अभी भी ठेकेदार/संबंधित एजेंसी द्वारा यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं होना चिंतनीय है तथा इसकी त्वरित समीक्षा होनी चाहिए. आग्रह किया गया कि एयरपोर्ट प्रबंधन द्वारा मामले की समीक्षा करते हुए संबंधित ठेकेदार को जरूरी निर्देश दिये जायें, ताकि एयरपोर्ट स्थल पर यात्रियों के साथ दुर्व्यवहार जैसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं हो. कहा गया कि पार्किंग स्थल के पास तय पार्किंग शुल्क व अवधि का उल्लेख करते हुए साइनेज बोर्ड का अधिष्ठापन किया जाय. इससे यात्रियों से होनेवाली मनमाना वसूली पर नियंत्रण लगे.

त्योहार ईद को लेकर दिन रात हो रहे काम, शहर के टेलर के पास एक मिनट की भी फुर्सत नहीं

लेडिज -जेंट्स टेलर नहीं ले रहे सिलाई का ऑर्डर, शिफ्ट में काम

रेहान अहमद। रांची

ईद को लेकर लेडिज-जेंट्स टेलर्स के पास कपड़े सिलवाने वालों की काफी भीड़ है. शहर के विभिन्न टेलरिंग शॉपों में एक्सट्रा कारीगरों के जरिये काम लिया जा रहा है. राजधानी एवं आसपास के लोग अपने पसंदीदा टेलरों के पास एक माह पहले कपड़े की नापी दे चुके हैं. इसके बाद भी तगादा किया जा रहा है. शिफ्टों में काम हो रहा है. सिलाई करने वालों के यहां बहुत भीड़ हो गई है. लेडिज जेन्ट्स दोनों टेलर्स को एक मिनट की भी फुर्सत नहीं है. जेन्स टेलर्स बिग शॉट के मो. निशाद ने कहा कि समय बहुत कम रह गया है. बस एक सप्ताह का ही समय बचा है. इसलिए अब कपड़े लेना बंद कर दिया है. कुर्ता पायजामा, खान ड्रेस, कुर्ता पैंट, शेरवानी, कुर्ता बंडी की मांग अधिक हो रही है. सिर्फ कपड़े लेने से काम नहीं चलेगा, उसे समय पर देना भी तो है और लोग ईद से पहले मांग रहे हैं. इसलिए अब आर्डर लेना बंद कर दिया है.

पठान सूट, शेरवानी, बंडी कुर्ता की मांग ज्यादा : निशाद

लहंगा, शरारा और पाकिस्तानी सूट की मांग अधिक : मोबिन

रोशनी टेलर्स के मो मोबिन अंसारी ने कहा कि ईद को लेकर लोग तरह तरह के कपड़े सिलवा रहे हैं. इस बार लहंगा, शरारा व पाकिस्तानी सूट डिमांड पर है. अधिक ऑर्डर आने की वजह से दिन रात काम करना पड़ रहा है. इसलिए कि ईद से पहले सभी को कपड़े तैयार कर देना भी है. ऐसे अब कपड़े नहीं लिये जा रहे हैं. यदि ले भी रहे हैं तो ईद के बाद कपड़े देने के वादे के साथ.

लेडिज कपड़े	दर
प्लेन सूट	300/600 रु.
प्लाजो	400/700 रु.
पैंट सूट	550/1000 रु.
लहंगा	2000/3500 रु.
शरारा सूट	800/1500 रु.
पाकिस्तानी सूट	500/1500 रु.
प्लेन ब्लाउज	200/300 रु.
डिजाइन ब्लाउज	400/1500 रु.
बच्चों के कपड़े	300/500 रु.

जेंट्स कपड़े	दर
कुर्ता पयजामा	650/900 रु.
पठान सूट	800/1000 रु.
शेरवानी	2500/4000 रु.
शर्ट पैंट	650/750 रु.
कोट पैंट	3000/4000 रु.
फ्री पीस	3500/5000 रु.
सफारी सूट	900/1100 रु.
बंडी	900/1500 रु.
बच्चों के खान ड्रेस	500/600 रु.

यहां भी हैं लेडिज-जेंट्स टेलर की दुकानें : मेन रोड क्यूबा टेलर्स, शिकागो टेलर्स, एडी पाल टेलर्स, क्अलीन स्पटीच लेडिज टेलर्रस समेत अपर बाजार, चर्च रोड, हरमू बाजार, पुंदाग, आजाद बस्ती, कर्बला चौक, डोरंडा, कडरु, हिंदपीढ़ी, लालपुर, थड़पखना, पत्थलकुदवा, बरियातु, कोकर, कांटा टोली, हिटया, धुर्वा इरबा, इटकी, नयासराय, इलाहीनगर, ढीपा टोली, पिस्का मोड़ आदि शामिल हैं.

झारखंड के जिलों में यूनिसेफ संग काम करेगा एक्सआईएसएस

संवाददाता । रांची

जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस) ने यूनिसेफ झारखंड के साथ पार्टनरशिप की शुरुआत की है. इस पार्टनरशिप के तहत बाल विवाह और बच्चों के खिलाफ हिंसा पर अंकुश लगाने के लिए काम किया जाएगा. बाल संरक्षण तंत्र में सहयोग और बढ़ोतरी पर काम होगा. इसके लिए जिला प्रशासन को तकनीकी सहायता दी जाएगी. कार्यक्रम को 'संपर्क'' नाम दिया गया है. कार्यक्रम देवघर, दुमका, गढ़वा, गिरिडीह, गोड्डा, हजारीबाग, जामताड़ा, कोडरमा, पाकुड़, पलामू, पश्चिम सिंहभूम, और साहिबगंज जिले में किया जाएगा. एक्सआईएसएस ने पिछले तीन वर्षों में राज्य भर में विभिन्न प्रशासनिक प्रयासों का समर्थन दिया है. इसका योगदान कोविड-19 महामारी, स्वास्थ्य देखभाल पहल, जल जीवन मिशन कार्यक्रम और खसरा और रूबेला अभियान में भी शामिल रही है. एक्सआईएसएस के निदेशक, डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि यूनिसेफ झारखंड के साथ हमारी साझेदारी बच्चों के अधिकारों की रक्षा और हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है.

आंधी-पानी से हुए नुकसान के बाद दुकानदारों ने फिर से सजाये स्टॉल, जुटने लगी भीड़, खरीदारी शुरू

ईद एक्सपो मेले में एक बार फिर लौटी रौनक

संवाददाता।रांची

रिसालदार बाबा उर्स मैदान में आयोजित ईद एक्सपो मेले में बुधवार को तब रौनक वापस लौट गयी, जब नये सिरे से सहेज कर मेले का पुनः उद्घाटन किया गया. यह मेला रिसालदार शाह बाबा दरगाह कमेटी एवं पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के संयुक्त तत्वावधान में लगाया गया है. इसका उद्घाटन 28 मार्च को हुआ था और 7 अप्रैल तक जारी रहेगा, लेकिन गत 31 मार्च को अचानक आयी आंधी पानी से मेले की व्यवस्था तहस-नहस हो गयी थी. मेले में सजे दुकानदारों के स्टॉल बर्बाद हो गये थे. उससे उन दुकानदारों का लाखों का नुकसान हुआ था.

बुधवार को फिर से दरगाह कमेटी के सदर अय्यूब गद्दी, संरक्षक शाहरुख खान, मजार मस्जिद के इमाम अब्दुल मोबिन, उपाध्यक्ष रिजवान हुसैन, बेलाल अहमद, उप सचिव जुल्फिकार अली भुट्टो, सदस्य नज्जू अंसारी, पुलिस पब्लिक रिपोर्टर के शाहिद खान, समीर हेजाजी, इबरार गद्दी ने संयुक्त रूप से ईद एक्सपो मेले का फीता काटकर उद्घाटन किया. दुकानदारों ने फिर से हिम्मत जुटा कर नये सिरे से अपनी दुकानों को ईद एक्सपो में सजा कर नया रूप दिया है, जो देखते बन रहा है. अब ईद में बहुत कम दिन रह गये हैं. इसलिए ईद एक्सपो में खरीदारों की अच्छी भीड़ उमड़ी है.

ईद क्सपो में खास : यहां बड़े, बच्चे, लेडीज जेंट्स सभी के कपड़े, कुर्ता पायजामा, नकाब-हिजाब, बनारसी साड़ी, लखनवी, कश्मीरी शूट, कुर्ती से लेकर हर तरह के कपड़े, क्रॉकरी आइटम, चूड़ी, कालीन, फूड स्टॉल, जूते, चप्पल, सैंडल, कॉस्मेटिक, चश्मा, बर्तन, खिलौना, कई स्कूटी, टू व्हीलर की कई कंपनी, आर्ट एंड क्राफ्ट, ज्वेलरी, लेडीज कॉर्नर, नमकीन खाद्य सामग्री, ड्राई फ्रूट, सेवई, बेड, दस्तरखान, आयुर्वेद, लोहे, स्टील, अल्युमिनियम के बर्तन, क्रॉकरी आइटम समेत ईद की संबंधित सामग्री मिल रही है. खरीदारी के लिए लोगों की अच्छी भीड़ उमड़ रही है.

यहां के स्टाल सजे : ईद एक्सपो में झारखंड समेत महाराष्ट्र, बनारस, दिल्ली, कोलकाता, छत्तीसगढ़, बंगाल, मध्य प्रदेश आदि देश के अलग अलग राज्यों से विभिन्न सामग्री का समूह जुटा कर सजाया गया है.

उर्दू लाइब्रेरी के समीप सजा ईद का बाजार

रांची । मोहब्बत और खुशियां बांटने का त्योहार ईद आने में कुछ ही दिन रह गए हैं. जिसे लेकर रांची के ईद के बाजारों में लोगों ने खरीदारी शुरू कर दी हैं. वही बुधवार को रांची ऊर्दू लाइब्रेरी चौक के समक्ष लोगों ने सेवइयां खरीदीं, लच्छा, खजूर, किशमिश व विभिन्न प्रकार के फल भी खरीदते दिखे. ईद बाजार में लच्छे विभिन्न प्रकार के रंगों में नजर आये. विक्रेता अरशद में बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ईद में सेवई ओर लच्छों की दुकान लगायी है, पहले दिन से ही लच्छों की बिक्री अच्छी है. उन्होंने कहा कि ईद आपसी प्रेम और खुशियां बांटने का त्योहार है. वहीं ईद से पहले फलों की बिक्री में वृद्धि हुई है. शाम में इफ्तार के वक्त लोग सबसे पहले खजूर खा कर रोजा खोलते हैं.वहीं तरबूज खरबूज जैसे अन्य प्रकार के फल भी खाते हैं. बता दें कि पूरे 30 रमजान के बाद ईद आता है. बाजारों में हर जगह चहल-पहल नजर आने लगी है.

लच्छों व फलों की कीमत

- मुम्बई लच्छा 160 रुपये केजी
- हाथ लच्छा 160 रुपये केजी
- बड़ा लच्छा 140 रुपये केजी
- नैनो लच्छा 100 रुपये केजी
- रंगीन लच्छा 140 रु से 160 रु केजी
- खजूर 400 रुपये केजी
- किशमिश 40 रुपये 100 ग्राम
- काजू 80 रुपये 100 ग्राम
- मिक्स ड्रा फ्रूट 30 रुपये 50 ग्राम
- तरबूज 30 रुपये केजी
- खरबूज 80 रुपये केजी

माह-ए-रमजान

रोजा तकवा, ईमानदारी और सब्र का सीधा जरिया : अकिलुर्रहमान

रांची । सामाजिक कार्यकर्ता अकिलुर्रहमान ने कहा कि रमजान के महीने में रोजे रखने की बहुत बड़ी फजीलत है रोजा. आपके अंदर तकवा, ईमानदारी, सब्र करने का सीधा संबंध स्थापित करने का जरिया है. रोजा गुनाहों को मिटा देता है. रोजा महज खाने पीने से परहेज करने का नाम नहीं है, बल्कि रोजेदार का रोजा तमाम जिस्म के अज़ा का रोजा होता है. इस महीने में इबादत करने से लोगों के सारे गुनाह माफ हो जाते हैं. रमजान का महीना सभी महीनों से अफजल है. इस महीने में हमें तकवा और परहेजगारी के साथ-साथ गरीबों, मजबूरों, बेसहारों को मदद करनी चाहिए. रमजान में नफिल नमाज का सबब फर्ज के बराबर मिलता है और फर्ज का सवाब 70 गुना बढ़ जाता है. रमजान इंसान के लिए उस नजरिये के अनुसार है, जो अपनी कमजोरियों और जुनून के खिलाफ लड़ने की ताकत और एक इंसान को अपने जीवन में लगातार सुधार करने की तालीम देता है.

रमजान इंसान के अंदर की बुराई को मिटाता है. रमजान महीने का आखिरी अशरा नेमतों, मगफिरत का महीना ही नहीं, बल्कि इस आखिरी अशरे में जो शख्स अपने करीब की मस्जिद में एतेकाफ करता है, उसे दो उमरे और हज का सवाब मिलता है. साथ ही उस मुहल्ले में आने वाली बला और मुसीबतों से निजात मिल जाती है. इस आखरी महीने में हमें ज्यादा से ज्यादा लोगों की मदद करनी चाहिए. साथ ही आस पड़ोस रिश्तेदार गरीबों की दिल खोलकर मदद करनी चाहिए.

नन्हे रोजेदार

सात साल की जैनब ने रखे पांच रोजे

रांची। डोरंडा निवासी मो. भोला की सात साल की बेटी जैनब फातिमा इस सख्त गर्मी में भी रोजा रख रही है. जैनब हुदैबिया इंटरनेशनल स्कूल डोरंडा में कक्षा दो में पढ़ती है. बच्ची ने बुधवार को अपने पांच रोजे पूरे किये हैं. वह हर रोज सेहरी में उठ कर अपनी अम्मी-अब्बू के साथ सेहरी कर रोजा रखती है. रोजा रखने के साथ बच्ची नमाज भी पढ़ती है. बच्ची के इस जज्बे से घर परिवार में खुशी की लहर है. सभी लोग उसकी खूब तारीफ कर रहे हैं.

सरहुल की तैयारी में जुटा सरना समाज

संवाददाता ।रांची

प्रकृति पर्व सरहुल की तैयारी में आदिवासी समुदाय जुट गया है. सरहुल का उपवास 10 अप्रैल को शोभायात्रा .11 अप्रैल को निकाली जाएगी. शोभायात्रा हातमा सरना स्थल से शुरू होगी तथा सिरमटोली सरना स्थल पर संपन्न होगी. शोभायात्रा में 10 लाख सरना धर्मावलंबी शामिल होने की संभावना है. अखिल भारतीय विकास परिषद के अध्यक्ष कुंदरसी मुंडा ने बताया की सरहुल जुलुस कचहरी से शुरू होगा.मेनरोड होते हुए सिरमटोला सरना स्थल पहुचेगी.अलबर्ट एक्का चौक के सामने विशाल स्टेज बनाया जाएगा.जहां पर आदिवासी समुदाय के अगुवा को सम्मानित किया जाएगा. जय आदिवासी केंद्रीय परिषद के अध्यक्ष निरंजना हेरेज ने बताया कि सरना धर्मावलंबियों के बीच गुड़ चना का वितरण होगा. सिरमटोली के सामने स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा. पाहनो के बीच सरना अंग वस्त्र का वितरण होगा. सरहुल की शोभायात्रा में हजारों की संख्या में पारंपरिक वेशभूषा, वाद्ययंत्र के साथ शामिल होंगे. सरहुल शोभायात्रा की तैयारी में पाहन महासंघ जुट गया है.रांची शहर में विभिन्न मौजा के 51 पाहन, महतो कोटवार, पईनभोरा समेत पहनाइन पारंपरिक वेश भूषा में 11 कलश और 11 सूप के साथ शोभायात्रा में शामिल होंगे.

सरहुल में दो दिनों के राजकीय अवकाश की मांग

रांची। केंद्रीय सरना समिति का प्रतिनिधि मंडल बुधवार को धुर्वा स्थित प्रोजेक्ट भवन के कला संस्कृति विभाग के सचिव से मिला .इस दौरान

प्रतिनिधिमंडल ने सरहुल में दो दिनों का राज्यकीय अवकाश घोषित करने की मांग की. इस मौके पर अध्यक्ष फूलचंद तिर्की ने कहा कि सरहुल पूजा महोत्सव तीन दिनों का होता है. प्रत्येक वर्ष चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है .पूजा और शोभा यात्रा के बाद गांव शहर में 12 अप्रैल को फूलखोंसी कार्यक्रम होगा. सरहुल पर्व में देश विदेश के लोग शामिल होते है .परंतु छुट्टी कम होने के कारण लोग ठीक ढंग से पर्व नहीं मना पाते है. इसलिए सरहुल में दो दिवसीय राजकीय अवकाश घोषित करें. ताकि लोग हर्षोल्लास के साथ सरहुल मना सके.

श्रीश्याम मंडल के संरक्षक सुरेशचंद्र पोद्दार नहीं रहे

रांची। श्रीश्याम मंडल के संरक्षक और व्यवसायी सुरेशचंद्र पोद्दार नहीं रहे. बुधवार को आ क स्मि क उनका निधन हो गया. कुछ दिन पूर्व तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. वे अपने पीछे दो पुत्र समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं. उनकी अंतिम गुरुवार को दिन के साढ़े दस बजे उनके निवास स्थान से हरमू मुक्तिधाम के लिए प्रस्थान करेगी. उनके निधन की सूचना से श्याम भक्त और मंडल के सदस्यों के बीच शोक की लहर है. श्रीश्याम मंडल, टिम्बर एसोसिएशन के सदस्यगण और समाज के लोग बड़ी संख्या में उनके जतिन चंद्र लेन स्थित आवास में जमा हुए और परिवार के लोगों को सांत्वना दी. मंडल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बागला, उपाध्यक्ष मनोज सिंघानिया और मंत्री धीरज बंका ने उनके निधन को बड़ी क्षति बताया. स्व. पोद्दार झारखंड टिम्बर सेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी और झारखंड टिम्बर्स ट्रेडर्स के अध्यक्ष थे. टिम्बर व्यवसाय हित के लिए सदैव प्रयत्नशील रहते थे.

रांची विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड डेवलपमेंट काउंसिल की बैठक में कई निर्णयों पर सहमति

प्रयोगशालाओं के लॉग बुक चेक करते रहें : कुलपति

संवाददाता ।रांची

रांची विश्वविद्यालय में अपनी रिसर्च पॉलिसी बनाई जाएगी. इसकी सहमति बुधवार को रिसर्च एंड डेवलपमेंट काउंसिल की बैठक में ली गयी. दरअसल बुधवार को रांची विश्वविद्यालय के रिसर्च एंड, डेवलपमेंट काउंसिल (आरएंडडी) की बैठक में काउंसिल के संयोजक के रूप में डॉ. अरुण कुमार को चुना गया. डॉ. अरुण कुमार विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष हैं.

बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजीत कुमार सिन्हा ने कई निर्देश दिए और कहा कि प्रयोगशालाओं को आधुनिक बनाने के साथ ही शिक्षक और विभाग इस बात का विशेष ख्याल रखें कि उपकरणों का हमारे छात्र उपयोग भी करें. उन्होंने समय-समय पर प्रयोगशालाओं के लॉग बुक चेक करने की भी बात कही. विश्वविद्यालय के लॉ के छात्रों की संसद में तीन नये कानून बनाने में कार्य करने की सराहना भी की.

बैठक में ये थे मौजूद

डीएसडब्ल्यू डॉ. एसके साहु डिप्टी डायरेक्टर वोकेशनल सह आइक्यूएसी डॉ. स्मृति सिंह, डॉ अर्चना दूबे, डॉ. आरके शर्मा, डॉ. नीरज, डॉ. राजकुमार सिंह, डॉ. जीएस झा, डॉ. ज्योति प्रकाश, डॉ. बीके सिन्हा, डॉ. अमर कुमार चौधरी, डॉ. कंजीव लोचन, डॉ पंकज चतुर्वेदी, डॉ. अरुण कुमार, डॉ. ऐके डेल्टा, डॉ. नयनी सक्सेना, डॉ. सुजाता सिंह शामिल रहे.

इन मुद्दों पर बनी सहमति

- रिसर्च एंड डेवलपमेंट काउंसिल केवल विज्ञान संकाय ही नहीं, बल्कि सभी संकायों के लिए काम करेगी.
- सभी संकायों के लिए भविष्य के महत्वपूर्ण कार्यक्रम तय किये गये.
- रांची विश्वविद्यालय के सभी पीजी संकायों के लैब को आधुनिक बनाया जायेगा, जिसमें साईंस, साइकोलॉजी, भूगोल, एंथ्रोपोलॉजी, होम साईंस विभाग शामिल हैं.
- राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय उद्योगों के साथ सहयोगात्मक अनुबंध और बौद्धिक अधिकार पर विशेष कार्य किया जायेगा.

एसआर डीएवी पुंदाग स्कूल में सेवानिवृत्त कर्मी की विदाई

संवाददाता ।रांची

एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल, पुंदाग में शिक्षकेतर कर्मचारी ग्लोरिया तिर्की के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया. बत्तीस वर्षों का सेवा काल पूर्ण कर उन्होंने अवकाश प्राप्त किया. प्राचार्य एसके मिश्र ने शॉल तथा उपहार देकर उन्हें सम्मानित किया. साथ ही उन्होंने ग्लोरिया तिर्की को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं. इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों ने बारी-बारी से ग्लोरिया तिर्की के साथ अपने कार्य अनुभव साझा किए. वहीं ग्लोरिया तिर्की ने भी इस शानदार विदाई के लिए विद्यालय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की.

डीएवी गांधीनगर में शिक्षकों ने पुष्प वर्षा कर किया छात्रों का उत्साहवर्धन

नए सत्र के प्रारंभ में वैदिक यज्ञ का आयोजन

खास बातें

- सांध्य मंत्रों के साथ ऋग्वेद के ज्ञान सूक्त का भी पाठ
- विद्यार्थियों ने यज्ञ में हिस्सा लेकर किया हवन

संवाददाता ।रांची

डीएवी पब्लिक स्कूल गांधीनगर में नए सत्र का प्रारंभ वैदिक यज्ञ के साथ किया गया. इस अवसर पर पूर्णचंद्र आर्य ने दैनिक सांध्य मंत्रों के साथ ऋग्वेद के ज्ञान सूक्त के विशेष मंत्रों का पाठ किया. जबकि विद्यार्थियों ने यज्ञ में हिस्सा लेकर हवन किया. इस अवसर पर संगीत शिक्षिका लक्ष्मी कुमारी ने छात्र दल के साथ मनमोहक भजन प्रस्तुत किए. इसके अलावा जूनियर विंग से आए छात्रों का स्वागत किया गया.

प्राचार्य एसके सिन्हा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने माता, पिता और गुरुजनों के प्रति श्रद्धा भाव रखना चाहिए. ईमानदारी और निष्ठा से किए गए प्रयास का फल सदैव मीठा होता है. एक विद्यार्थी को मन की चंचलता पर नियंत्रण कर एकनिष्ठ भाव से अध्ययन के प्रति समर्पित होना चाहिए. वहीं शिक्षकों ने पुष्प वर्षा कर छात्रों का उत्साहवर्धन दिया. सत्रारंभ के मौके पर निराकार आचार्य, ब्रजेशजी सिन्हा, के नलिनी, जया जायसवाल, गोविंद झा, के के प्रसाद, पुष्प कुमार झा, ए के सिंह उपस्थित थे.

शिव मंडा केंद्रीय पूजा समिति का गठन शीघ्र, सात को होगी बैठक

संवाददाता ।रांची

शिव मंडा पूजा समिति, चुटिया की बैठक सुशीला पैलेस में समिति के संरक्षक राम लखन महतो की अध्यक्षता में हुई. इस में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि केंद्रीय समिति का गठन झारखंड की सभी शिव मंडा पूजा समिति को मिलाकर किया जाए. केंद्रीय समिति के गठन को लेकर अगली बैठक रविवार 7 अप्रैल को प्रातः 10 बजे से सुशीला पैलेस, प्रगति पथ, लोअर चुटिया, रांची (ऑक्सफोर्ड स्कूल) के बगल में होगी. बैठक में मुख्य रूप से शिव मंडा पूजा समिति, चुटिया के अध्यक्ष राजकुमार महतो, रवि गोप, उदय कुमार, भोला केसरी, पिठोरिया से जितेंद्र साहू, सरवन गोप, चकमे (बुढ़मू) से दिवाकर प्रसाद, जेडया (नामकुम) से अरविंद स्वांसी, गाड़ी गांव से विश्वजीत गोप, अरगोड़ा से मुनेश्वर साहू, नरेंद्र प्रसाद साहू, प्रमोद गोप, चुन्नू गोप, रणजीत राम, धनंजय सिंह, तपन कुमार महतो, रामदेव लोहरा, नवीन महतो उपस्थित हुए.

आयोजन

जेवीएम श्यामली में ग्रेजुएशन डे सेलिब्रेशन, नयी कक्षा में आने वाले छात्रों का स्वागत

ग्रेजुएशन हैट व सर्टिफिकेट से स्टूडेंट सम्मानित किये गए

खास बातें

- साइबर सुरक्षा और विसंगतियों पर आधारित वीडियो का प्रदर्शन
- बच्चों को हर बात माता-पिता से शेयर करने की नसीहत दी गयी

संवाददाता।रांची

सत्र 2024-25 में पांचवीं से छठी कक्षा में आने वाले छात्रों का स्वागत करने व अध्ययन के प्रति उत्साहित करने के उद्देश्य से जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली में ग्रेजुएशन डे समारोह का आयोजन हुआ. सभी सफल छात्रों को ग्रेजुएशन हैट और सर्टिफिकेट ऑफ ग्रेजुएशन ऑफ प्राइमरी विंग देकर सम्मानित किया गया. वहीं साइबर सुरक्षा और इसकी विसंगतियों व उपयोगिता पर आधारित वीडियो द्वारा छात्रों और अभिभावकों को वर्तमान समय की वास्तविकता से साक्षात्कार कराया गया, जिसमें बच्चों को हर बात माता-पिता से साझा करने की नसीहत दी गई. मुख्य अतिथि संदीप सिन्हा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह कर्तव्य बोध का अवसर है. आप जो कुछ भी करेंगे, वह सोच समझ कर करेंगे. आपका कॉम्पिटिशन केवल आपके साथ है.

प्राथमिक कक्षा में बच्चों ने सीखा जीवन का ककहरा

प्राचार्य समरजीत जाना ने कहा कि प्राथमिक कक्षा में बच्चों ने सात साल गुजारा, जहां इन्होंने जीवन का ककहरा सीखा. कई सपने संजोए और किलकारियां भरीं. अब ये बच्चे किशोरावस्था में जा रहे हैं, जहां उनमें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, बौद्धिक स्तर पर अनेक परिवर्तनों से गुजरना होगा. यह उत्सव प्राथमिक कक्षाओं में बिताए तमाम सुखद पल, पाठ्यगत व खेल-कूद की उपलब्धियों और जीवन के नए क्षेत्र में प्रवेश कर विजयी बनने के लिए है. कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ. मौके पर मुख्य अतिथि ज्योति सिन्हा, छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष अमित रॉय, विद्यालय प्रशिक्षण नोडल अधिकारी एल एन पटनायक, कार्यक्रम समन्वयिका सुष्मिता मिश्रा, वरीय शिक्षक डॉ. मोती प्रसाद उपस्थित थे.

मारवाड़ी समाज का गणगौर पर्व 11 अप्रैल को अखंड सौभाग्य के लिए महिलाएं रखेंगी व्रत

संवाददाता ।रांची

गणगौर पर्व 11 अप्रैल को मनाया जाएगा. रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह अग्रवाल सभा के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि गणगौर पर्व मारवाड़ी समाज का प्रमुख त्योहारों में से एक है. गणगौर पूजा हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष तृतीया तिथि को होती है इस दिन कुंवारी कन्या और सुहागन महिलाएं व्रत रखती है. माता पार्वती और साथ भगवान शिव की पूजा करती है. गणगौर दो शब्दों से बना है गण का अर्थ भगवान शिव और गौर का अर्थ पार्वती से है. वास्तव में गणगौर पूजन मां पार्वती और भगवान शिव की पूजा का दिन नवरात्रि के तीसरे दिन यानी चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाने वाला गणगौर का त्योहार स्त्रियों के लिए अखंड सौभाग्य प्राप्ति का पर्व है.

गौरी और ईसर की रंग बिरंगी मूर्ति : गणगौर का पहला और सबसे महत्वपूर्ण परंपरा मिट्टी के बर्तनों कुंडा में पवित्र अग्नि से राख इकट्ठा करना और उनमें गेहूं और जौ के बीज बोना है. सात दिनों के बाद महिलाएं राजस्थानी लोकगीतों को मंत्रमुग्ध करते हुए गौरी और ईसर की रंग बिरंगी मूर्ति बनाती है. मान्यता है कि कामदेव की पत्नी रति ने भगवान शंकर की तपस्या कर उन्हें प्रसन्न कर लिया तथा उन्हीं के तीसरे नेत्र से भस्म हुए अपने पति को पुनः जीवन देने की प्रार्थना की रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो भगवान शिव ने कामदेव को पुनः जीवित कर दिया था तथा विष्णु लोक जाने का वरदान दिया उसी के स्मृति में प्रतिवर्ष गणगौर का उत्सव मनाया जाता है. होली के दूसरे दिन से प्रारंभ होकर 16 दिनों तक गणगौर पर्व चलता है. 26 मार्च से शुरू हुई गणगौर पर्व 11 अप्रैल को गणगौर विसर्जन के साथ संपन्न होगी.

रांची डीसी राहुल कुमार और एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

मतदान केंद्रों पर की जा रही हर तरह की व्यवस्था

संवाददाता । रांची

राजधानी के सुदूर ग्रामीण इलाकों के कई स्कूलों में मतदान केंद्र बनाये गये हैं. वोट डालने के लिए मतदान केंद्रों पर हर तरह की व्यवस्था की जा रही है. अधिक से अधिक वोट डलवाने के लिए डीसी और एसएसपी लगातार वहां का दौरा कर रहे हैं. रांची के लाखो इलाके के कई स्कूलों में बुधवार को डीसी और एसएसपी खुद पहुंचे और मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया. इस दौरान वहां कई बच्चे मिले, जिनसे एसएसपी ने पढ़ाई को लेकर कई सवाल पूछे, जिसका बच्चों ने सही जवाब दिया. इसके बाद एसएससी की ओर से बच्चों को पुरस्कार के रूप में चॉकलेट दी गई. एसएसपी ने बच्चों से यह भी आग्रह किया कि वे अपने माता-पिता को बताएं कि वे मतदान अवश्य करें, वे निर्भय होकर मतदान करें.

लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के संबंध में एसएसपी ने कहा कि राजधानी में अब नक्सल प्रभावित इलाके नहीं के बराबर हैं. कुछ जगहों पर उग्रवादियों के टूटे हुए गुटों का प्रभाव जरूर है लेकिन वे किसी भी तरह से चुनाव को प्रभावित नहीं कर पाएंगे. इनके खिलाफ जोरदार अभियान चलाया जा रहा है. लापुंग, बेड़ो, बुढ़मू और

एसएसपी ने बच्चों से पूछा सवाल, मिला सही जवाब, खुश होकर दिया चॉकलेट

चान्हो जैसे इलाकों में सक्रिय कुछ उग्रवादियों को हाल ही में गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया है. रांची पुलिस हर दिन किसी सुदूर ग्रामीण इलाके को चिन्हित कर वहां का दौरा कर रही है. इस दौरान उन इलाकों में सुरक्षा में तैनात जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया जा रहा है. साथ ही ग्रामीणों से संवाद कर उन्हें वोट डालने के लिए किसी भी तरह का भय या प्रलोभन तो नहीं दिया जा रहा है इसका भी पता लगाया जा रहा है.

ओरमांझी में अमन साहू गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, हो रही पूछताछ

ओरमांझी। रांची पुलिस की टीम ने ओरमांझी में कुख्यात अमन साहू गिरोह के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधी प्रमोद सिंह और अमजद अंसारी से पुलिस टीम गुप्त स्थान पर पूछताछ कर रही है. रांची के एसएसपी को अमन साह गिरोह के दोनों अपराधियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी. एसएसपी को सूचना मिली थी कि दोनों अपराधी अपराधी ओरमांझी में किसी कारोबारी के रंगदारी के पैसे वसूलने के लिए पहुंचे हैं. सूचना पर एसएसपी ने पुलिस टीम का गठन कर बताये गये स्थान पर छोपेमारी कर दोनों को दबोचने का निदेर्श दिया गया. ओरमांझी पुलिस ने एसएसपी के निदेर्श पर तत्काल कार्रवाई करते हुए दोनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है.

जीआरपी मुरी ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

संवाददाता । सिल्ली /मुरी

राजकीय रेल थाना मुरी ने चोरी के आरोप में दिवाकर महतो (21), पिता चमन महतो को कांड संख्या 2/2024 धारा 379 भादवि के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया. गिरफ्तार अभियुक्त के निशानदेही पर पुलिस ने उपरोक्त कांड में चोरी किया गया एक एप्पल कंपनी का आईफोन, एक वनप्लस आईफोन, एक एयरफोन, एक लेडिस हैंडबैग, दो मोबाइल चार्जर, वीलपेपर, एक कुमकुम बातिली, हाथ से बजाने वाला झाल, एक चश्मा डब्बा सहित, वादिनी का आधार कार्ड एवं मंगलसूत्र को बरामद कर लिया. बताते चले की 19 -20 फरवरी 2024 को रात्रि में उक्त अभियुक्त के द्वारा रामगढ़ रेलवे स्टेशन पर खड़ी ट्रेन बनारस विशाखापट्टनम एक्सप्रेस में चढ़कर पीड़ित का हैंडबैग चुरा कर भाग गया था.

ब्रीफ खबरें

मुखिया ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

पिपरवार । सीसीएल पिपरवार क्षेत्र में स्थानीय पुलिस प्रशासन के द्वारा लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाए जाने से आम नागरिकों की परेशानी को देखते हुए बचरा दक्षिणी पंचायत की मुखिया रीना देवी ने पिपरवार थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा. जिसमें पिपरवार थाना द्वारा किए जा रहे दो पहिया वाहन चेकिंग में आम नागरिकों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया. इधर, ज्ञापन बचरा दक्षिणी पंचायत मुखिया द्वारा ज्ञापन सौंपे जाने के दौरान पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने आम नागरिकों की परेशानी को देखते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया कि वाहन चेकिंग में नरमी बरती जाएगी.

सड़क हादसे में दो युवक घायल हो गए

लापुंग । लापुंग थाना क्षेत्र के जातालोया गांव में बुधवार देर शाम सरहुल पर्व के शुभ अवसर पर सरई का फूल खोसी करने के क्रम में सड़क में गिरने से पाहन सहित दो लोग घायल हो गए हैं. गांव के पाहन पुसे मुंडा पिता सैनिक मुंडा व सुले मुंडा पिता सोमा मुंडा जतालोया में सरहुल फूलखोंसी करने जा रहे था. पुसे मुंडा सखूआ का फूल सूप में लेकर पैदल ही जा रहा था, जबकि सुले बाइक पर था. अ संतुलन खोने के कारण पीछे से टक्कर मार दिया, जिसमें दोनों सड़क पर गिर कर लहूलुहान हो गए. मौके पर स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से दोनों को प्राइवेट वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लापुंग में भर्ती किया गया है.

शराब के साथ एक आरोपी हुआ गिरफ्तार

रांची । रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन सतर्क के तहत हटिया स्टेशन से शराब जब्त किया है. मामले में आरोपित उमेश सिंह को गिरफ्तार किया गया है. वह उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद का रहने वाला है. इसके बैग से 64 शराब की बोतल बरामद की गई है. बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार रांची मंडल में आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर स्टेशनों और ट्रेनों में विशेष चौकसी बरती जा रही है. इसी क्रम में ऑपरेशन सतर्क के तहत आरपीएफ हटिया और फ्लाइंग टीम रांची ने संयुक्त रूप से हटिया रेलवे स्टेशन पर जांच अभियान चलाया. इसी दौरान ट्रेन संख्या 18623 में एक व्यक्ति को बड़े बैग के साथ संदेहास्पद अवस्था में देखा गया.

डिवाइडर से टकरायी बाइक, एक की मौत

बुढ़मू । ठाकुरगांव-पिठोरिया मार्ग पर तेज रफ्तार से जा रही बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकरायी. इस हादसे में ठाकुरगांव के चापाटोली निवासी विनोद महतो के पुत्र शंकर महतो (25) की मौत हो गयी, जबकि उसका साथी शनि मुंडा गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार शंकर महतो रात्रि में किसी काम से मोहनपुर की ओर से लौट रहा था. इसी दौरान उसकी बाइक एक अन्य वाहन से बचने के प्रयास में डिवाइडर से जा टकरायी. ग्रामीणों व पुलिस के सहयोग से प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गयी. बताया जाता है कि डिवाइडर में लगी प्लेट से शंकर के गले में गंभीर चोट आयी. इस कारण उसकी जान चली गयी. वहीं शनि का रिम्स में इलाज चल रहा है. वहीं हादसे की जानकारी होने पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है.

हत्या के मामले में एक गिरफ्तार, जेल भेजा गया

मांडर । पिछले एक अप्रैल की रात को हुए हत्या में शामिल अपराधी तालिब अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. उन्नीस वर्षीय तालिब अंसारी इटकी का रहनेवाला है. ज्ञात हो कि सकरपदा में अज्ञात अपराधकर्मी के द्वारा चाकू मार कर दो व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल किया गया था. इलाज के दौरान एक व्यक्ति की मृत्यु हो गयी, इस संबंध में मांडर थाना में कांड दर्ज किया गया था. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक खेलारी के नेतृत्व में एक छापेमारी दल 48 घंटे के भीतर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया.

800 लीटर महुआ शराब जब्त 1500 किलो जावा किया नष्ट

संवाददाता । राहे

रांची एसएसपी और ग्रामीण एसपी के निर्देश पर बुंडू डीएसपी रीतभान सिंह के देखरेख में राहे थाना अंतर्गत सिरिडीह, कापीडीह, उरांवडीह और फुलवार गांव में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी किया गया है, जिसमें 80 लीटर देसी शराब को जब्त किया गया है वहीं 1500 किलो जावा महुआ को नष्ट किया गया है. इस क्रम में शराब बनाने बाला उपकरण को भी जब्त किया गया है. अवैध दारू बनाने के नौ व्यक्ति के विरुद्ध प्राथमिक की दर्ज की गई है. छापेमारी दल में शामिल थाना प्रभारी फैज रब्बानी, एसआई पिंटू कुमार, सैफ एसआई उमाकांत सिंह, अजय सिंह सहित सैफ के जवान मौजूद थे.

लापुंग के बिरमकेल नावाटोली में निकली सरहुल की शोभायात्रा

आदिवासियों की संस्कृति ही सरना की मूल पहचान : सन्नी

▪ अपने पूर्वजों की सांस्कृतिक विरासत को हमें सहेजना है

संवाददाता । लापुंग

हमारी जनसंख्या में कमी आयी है

सरना आदिवासियों के खिलाफ गहरा षड्यंत्र के कारण और खासकर धर्मांतरण के कारण हमारी संख्या में कमी आई है. हमें हमारी रुढ़ीवादी परम्परा, हमारी मूल संस्कृति, पुराने रीति-रिवाज, भाषा, वेश-भूषा ही हमारी रक्षा कर सकती है. बतौर विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला परिषद सदस्य हिंदिया टोप्पो ने भी अपनी बातें रखीं. इस मौके पर सरना परंपरा के अनुसार अतिथियों का पैर धोकर, आम्रपल्लव से पवित्र जल से छिड़काव कर तथा सरई फूल भेंट कर सम्मानित किया. गुलाल लगाकर एक दूसरे को सरहुल की शुभकामनाएं दी.

मांदर की थाप पर हर कोई थिरक उठा

इस मौके पर मांदर की थाप पर हर कोई थिरक उठा. बतौर अतिथि के रूप में जितेंद्र पाल सिंह, रोहित कुमार सिंह, रंजन गुप्ता तथा पवन साहु ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया. कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं नेतृत्व सरहुल पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष संजय लकड़ा तथा संचालन सचिव बंधना भगत ने किया. इसके पूर्व गांव के अखाड़ा से भव्य शोभायात्रा निकाली गई. शोभायात्रा की अगुवाई पहान जयमसीह मुंडा, कोषाध्यक्ष रतन मुंडा, पईनभरा चारो उरांव, सुरेंद्र उरांव, अजय लकड़ा, राजेश टोप्पो, संदीप उरांव, बुधनाथ मुंडा, सोमरा मुंडा, जीदन बरला, आदित्य उरांव,जौनी धान, अनिता उराईन, सुशीला उरांव, रुथ बरला, दशमी मुंडाईन आदि मौजूद थे.

प्रकृति पर्व सरहुल के मौके पर उत्साह और उल्लास के बीच लापुंग प्रखंड के बिरमकेल नावाटोली और ककरिया अंबा टोली में सरहुल का भव्य शोभा यात्रा निकाली गई. बिरमकेल अखड़ा से निकाली गई भव्य शोभायात्रा में बतौर मुख्य अतिथि लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सह संयोजक सन्नी टोप्पो ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया.

मांदर टांगकर सन्नी टोप्पो खुद मांदर की थाप पर झूमे और लोगों को भी झुमाया. इस मौके पर युवक-युवतियों का समूह मांदर की थाप पर खूब थिरके. इस मौके पर सन्नी टोप्पो ने कहा कि सदियों से सरना आदिवासी प्रकृति पूजक रहे हैं और आज भी हम प्रकृति की पूजा करते हैं. उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वजों ने धार्मिक और सांस्कृतिक सहित सामाजिक रीति-रिवाज, परंपरा एवं संस्कृति के रूप में हमें बहुमूल्य धरोहर सौंपा है. उनके सभी धरोहरों को हमें सहेजना और बचाना है. उन्होंने कहा कि हमारी रुढ़ीवादी परंपरा ही हमारी असली पहचान है. उन्होंने कहा कि सरना आदिवासियों की जनसंख्या में गिरावट आ रही है. पहले हमारी संख्या झारखंड में 32 प्रतिशत थी धीरे-धीरे वह घटकर 26 प्रतिशत हो गई है.

मतदाता जागरुकता कार्यक्रम के तहत चला हस्ताक्षर अभियान

पहले मतदान, फिर जलपान करेंगे : बीडीओ

संवाददाता । इटकी

आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर प्रखंड कार्यालय में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी शशि नीलिमा डुंगडुंग के नेतृत्व में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत स्वीप एक्टिविटी कार्यक्रम में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया. मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा की इस बार सबसे पहले आप सभी अपने-अपने बूथों पर जाकर सबसे पहले मतदान करेंगे तब फिर जलपान करेंगे, साथ ही साथ उन्होंने ग्रामीणों से अनुरोध भी किया वोट के प्रति आप सभी लोगों की भी जिम्मेदारी बनती है कि आम जनों को जागरूक करें. मौके पर अंचलाधिकारी विजय कुमार, हेमंत एक्का, किरण देवी, धीरज लकड़ा, चंदन तिवारी, नाथूराम उरांव, रईस मलिक, सन्नी बाखला, मेरी प्रतिभा टुडू, सहित प्रखण्ड अंचल के कर्मी एवं ग्रामीण मौजूद थे.

ग्रामीणों के साथ हुई बैठक, मिला आश्वासन

आम लोगों की समस्याओं का होगा जल्द समाधान

संवाददाता । लापुंग

लापुंग प्रखंड के विभिन्न गांवों सहित क्षेत्र भ्रमण के दौरान लापुंग प्रखण्ड के ग्राम झिकी गुजरु टोली और मालगो में ग्रामीणों के साथ बैठक करते हुए आम लोगों की समस्याओं को सुना और समाधान का आश्वासन दिया. श्रीमती तिर्की ने विशेष रूप से अबुआ आवास, विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, पेयजल जैसी विभिन्न समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया. उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के कारण विकास की अनेक योजनाओं और कार्यों पर कुछ असर पड़ा है, लेकिन चुनाव के बाद सभी लाभकारी योजनाओं के कार्यान्वयन में गति आयेगी. इस मौके पर कांग्रेस पार्टी के प्रखंड अध्यक्ष जयंत बारला, कांग्रेस पार्टी के युवा प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष जन्मेंजय पाठक, गांगी उरांव, चरकु भगत एवं अन्य लोगों उपस्थित थे.

डॉ अंबेडकर की जयंती मनाने को लेकर हुई बैठक

संवाददाता । पिपरवार

सीसीएल पिपरवार स्थित बचरा में 14 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाने को लेकर बचरा बसंत विहार कॉलोनी स्थित पिपरवार विकास समिति के क्षेत्रीय कार्यालय में कोल इंडिया एससी/एसटी इम्प्लाइज एसोसिएशन सिस्टा की एक बैठक बुधवार को संपन्न हुई.

इस बैठक की अध्यक्षता रमेश राम एवं संचालन क्षेत्रीय सचिव कामेश्वर राम ने किया. बैठक में सर्वप्रथम सिस्टा के पूर्व संस्थापक राजमुनि राम के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख प्रकट कर दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई.

इसके पश्चात बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 14 अप्रैल को बचरा में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की जयंती धूमधाम के साथ मनाने का निर्णय लिया गया. इस मौके पर बचरा नंबर स्थित अंबेडकर चौक में जयंती समारोह का आयोजन करने पर सहमति बनी. जयंती समारोह को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेवारी सौंपी गई. इस बैठक में सिस्टा के कार्यकर्ताओं के विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई एवं सिस्टा को मजबूत बनाने एवं सदस्यता बढ़ाने सहित अन्य बातों पर चर्चा की गई. इस बैठक में मुख्य रूप से कामेश्वर राम, बाबूलाल राम, रामजीत राम, बसंत कुमार, रमेश राम, ललिंद्र कुमार, संतोष राम, श्रीवास्तव पासवान, बासुदेव प्रजापति, उमेश कुमार मेहता, जेम्स उरांव,अनिल कुमार, रविंद्र महतो, देवनाथ राम, अगनू देशवाली, लाकेश्वर लाल, हिमांशु चाटर, कुलु राम सहित सिस्टा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता बैठक में शामिल थे.

सुरक्षा बलों को सफलता तीन आईईडी डिफ्यूज किए

संवाददाता । किरीबुरु/चक्रधरपुर

पश्चिम सिंहभूम जिला पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सलियों के खिलाफ टोंटो थाना क्षेत्र के जंगलों में चलाये जा रहे ऑपरेशन के क्रम में बड़ी सफलता मिली है. पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर ने बुधवार को बताया कि बुधवार को टोंटो और गोईलकेरा थाना क्षेत्र के सरजोमबुरू और मारादिरी के बीच जंगली पहाड़ी क्षेत्र में सुरक्षाबलों को टारगेट करने के उद्देश्य से नक्सलियों ने पहले से ही तीन आइईडी बम लगा रखे थे, जिसे सुरक्षा की दृष्टिकोण से उसी स्थान पर बम निरोधक दस्ते ने डिफ्यूज कर दिया. एसपी ने बताया कि सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित भाकपा माओवादी के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू, चमन, कांडे, अजय महतो, सागेन अंगारिया, अश्विन अपने दस्ता के सदस्यों के साथ कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधियों के लिए भ्रमणशील है. उन्होंने बताया कि 10 अक्टूबर 2023 से एक संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है.

राजधानी एक्स. में कुरकुरे कंपनी के मैनेजर की रहस्यमय मौत

संवाददाता । धनबाद

नई दिल्ली-कोलकाता राजधानी एक्सप्रेस में बुधवार को कुरकुरे कंपनी के मैनेजर अमित गुप्ता (27) की मौत हो गई. वे गया से हावड़ा जा रहे थे. बुधवार को उन्हें कंपनी में ड्यूटी ज्वाइन करना था. रेल पुलिस के अनुसार, अमित गुप्ता गया स्टेशन पर सुबह चार बजे ट्रेन पर सवार हुए थे. गया से ट्रेन खुलने के बाद वे अपने बर्थ पर जाकर लेट गए. कुछ देर के बाद जब टीटीई ने टिकट चेकिंग शुरू की, तो पता चला कि अमित गुप्ता कुछ भी नहीं बोल पा रहे थे. हिलाने-डुलाने और काफी आवाज लगाने के बावजूद शरीर में कोई हलचल नहीं दिखी. फिर टीटीई ने धनबाद कंट्रोल रूम को जानकारी दी कि संभवतः एक यात्री की मौत हो गई. जब ट्रेन सुबह 6:40 बजे धनबाद स्टेशन पहुंची, तो रेलवे चिकित्सक ने जांच की. उसके बाद चिकित्सक ने कहा कि यात्री की मौत हो चुकी है. फिर शव को उतार कर धनबाद रेल थाना पुलिस के हवाले किया गया. रेल पुलिस ने पंचनामा कर शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया. पोस्टमार्टम के दौरान चिकित्सक ने बिसरा प्रिजर्व रख लिया है, ताकि फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री रांची में उसकी जांच से मौत के कारण का पता चल सके.

धनबाद रेल थाना पुलिस ने किया यूडी केस दर्ज : रेल पुलिस ने अनुसार मृतक के मौत के कारण का पता नहीं चल सका है. मौत की खबर पाकर घरवाले व रिश्तेदार रोहतास जिला के डेहरी ऑन सोन से धनबाद पहुंचे. घरवालों का कहना था कि अमित की मां का पिछले साल ही देहांत हुआ था. पिता का रो-रो कर बुरा हाल था. अमित तीन भाईयों में बड़ा था और घर चलाने की पूरी जिम्मेदारी उसपर थी. घरवालों को आशंका है कि किसी ने नाश्ता या खाना में जहर दे दिया है. अमित को कोई बीमारी नहीं थी. अगले साल उसकी शादी भी होनेवाली थी.

खास बातें

- पोस्टमार्टम के बाद बिसरा प्रिजर्व मौत का कारण स्पष्ट नहीं
- घरवालों का रो-रो कर बुरा हाल, जहर देने की आशंका

सिल्ली में एकदिवसीय करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आज

संवाददाता । सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड में गुरुवार को मारवाड़ी सम्मेलन की सिल्ली शाखा के सौजन्य से मैट्रिक पास छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के लिए उच्च शिक्षा के लिए एकदिवसीय करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन सिल्ली पॉलिटेक्निक कॉलेज रामडेरा के सभागार में किया गया है. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एचआर हेड अरुण राय उपस्थित रहेंगे. कार्यक्रम में छात्र एवं छात्राओं को बेहतर से बेहतर मार्गदर्शन देने के लिए रांची से मनीष सिन्हा, निदेशक एवं उनकी टीम मौजूद रहेगी साथ ही सीए रोहित हेतमसरिया बच्चों के बीच उनके कैरियर से संबंधित जानकारी भी देंगे.

दुर्घटना | मांडर बाजारटांड़ के पास एनएच-39 पर हुआ हादसा

अलग-अलग सड़क हादसे में सात घायल

संवाददाता । चान्हो/मांडर

प्रखंड क्षेत्र के कई स्थानों पर बुधवार को हुई सड़क हादसे में चार लोग घायल हो गए. प्राथमिक उपचार के बाद सभी को रिम्स रेफर कर दिया गया है. जानकारी के अनुसार पहली घटना एन-एच 39 मुख्य पथ पर स्थित मांडर बाजारटांड़ के निकट मिट्टी की बर्तन की दुकान के पास हुई. इस हादसे में कुडू बरवा टोली निवासी उपेंद्र प्रसाद के परिवार के पांच लोग घायल हो गए. बताया जाता है कि उपेंद्र प्रसाद अपने परिजनों के साथ रांची से वापस अपने घर लौट रहे थे. अपनी बोलरो से कुछ लोग उतरकर सड़क के किनारे ही घड़ा खरीद रहे थे जबकि परिवार के कुछ लोग गाड़ी में ही बैठे थे. इसी बीच पीछे से तेज गति से आ रहे एक ट्रक के चेचिस ने इनकी बोलेरो को अपनी चपेट में ले लिया. इस हादसे में बाइस वर्षीय पल्लवी कुमारी और छत्तीस वर्षीय लूसी देवी को गंभीर चोटें आई, जबकि परिवार के तीन अन्य सदस्यों को हल्की चोटें लगी.

बेहतर इलाज के लिए दो को रिम्स भेजा : रेफरल अस्पताल मांडर में प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु पल्लवी व लूसी को रिम्स रेफर किया गया जबकि मामूली रूप से घायल लोगों को मांडर रेफरल अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई. यह परिवार रेलवे का स्टाफ बताया जा रहा है. घटना के बाद दोनों वाहनों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया. वहीं चेचिस का ड्राइवर मौके से भागने में सफल रहा. दूसरी घटना मांडर टांगरबसली पथ पर नारे पेट्रोल पंप के निकट की है. सुबह लगभग 7:00 बजे रातू थाना के मुर्चो निवासी उन्नीस वर्षीय राम उरांव असंतुलित होकर बाइक से गिर गया. इस हादसे में उसके बाएं पैर की हड्डी टूट गई है. प्राथमिक उपचार के बाद उसे भी चिकित्सकों ने रिम्स रेफर कर दिया. तीसरी घटना चान्हो थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर के निकट की है. नरकोपी थाना क्षेत्र निवासी 42 वर्षीय इरफान अंसारी अपनी बाइक से जा रहा था तभी एक अज्ञात वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया. इस हादसे में उसके भी पैर की हड्डी टूट गई है और उसे भी प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय बहुत ही उत्तम है. लाभ का मौका मिलेगा. पिता से लाभ होगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी. निवेश शुभ रहेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. विवाह के लिए किए प्रयास सफल रहेंगे. संतान की चिंता रहेगी. शनि को बल दें.

वृषभ धर्म में मन लगेगा. निवेश शुभ रहेगा. शुभ समाचार मिलेंगे. विवाद न करें. किसी की जमानत देने का जोखिम न लें. भविष्य की चिंता रहेगी. कोई बाधा उत्पन्न होगी और स्वत: समाप्त भी हो जाएगा. मंदिर में सेवा के लिए झाड़ू का दान करें.

मिथुन किसी से मज़ाक करने के पहले विचार कर लें. किसी से विवाद होगा, पर मिजाज खुशनुमा रहेगा. बेरोजगारी दूर होगी. विरोधी परास्त होंगे. जीवन आध्यात्म की तरफ मुड सकता है. बोलने से पहले विचार करें.

कर्क कार्य का लाभ मिलेगा. कोई बड़ा कार्य होगा. कर्म और व्यापार से लाभ होगा. समय रहते अपने कार्यों का विभाजन कर लें. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी. विवाद से बचते हुए फालतू खर्च से बचें. माता दुर्गा का पूजन करें.

सिंह रुका हुआ धन मिलने की संभावना के बीच यात्रा से लाभ होगा. अपनी आदतों को बदलें और प्रयास करें कि जो भी फैसला लें, उस पर कायम रहें. निर्णय से पहले विचार करें. सन्तान से मतभेद होगा. चीनी और सत्तू का दान करें.

कन्या आपके कार्य और व्यवसाय में नई योजना लागू होगी. कार्यस्थल में बदलाव संभव है. हो सकता है तो अनाज तिलहन के निवेश, नौकरी व यात्रा से लाभ होगा. अपनों से मन की बात कहने का अवसर मिलेगा. फल का दान करें.

तुला सोचे कार्य समय पर होने से मन प्रफुल्लित रहेगा. रचनात्मक कार्यों में रुचि रहेगी. नौकरी में भागदौड़ रहेगी. घर-परिवार में चल रहे विवादों के कारण चिंतित रहेंगे. किसी से कहासुनी हो सकती है. दूध का दान करें.

वृश्चिक भाई बहन का सुख बढ़ेगा. पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. नया वाहन, मशीनरी पर धन खर्च होगा. पारिवारिक कार्यक्रमोंमें भागदौड़ अधिक होगी. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

धनु पिता के धन का लाभ मिलेगा. नेत्र रोग से बचना चाहिए. आपके या परिवार में परिणय कार्य की रुकावटें दूर होंगी. संतान सुख मिलेगा. अपने हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा. किसी की सुनी सुनाई बातों से दूर रहें.

मकर प्रयास करने से रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल होंगे. निवेश शुभ रहेगा. दिनचर्या व्यस्त रहेगी. संपत्ति के कार्य लाभ देंगे. पेट सम्बंधित रोग सम्भव है. प्रियजन को मन की बात बताने का अवसर मिलेगा. फल का दान करें.

कुंभ ख़र्च पर नियंत्रण आवश्यक है. आपके परिवार या दिखावा में खर्च अधिक होगा. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा. यात्रा मनोनुकूल रहेंगी. परिवार में बुजुर्गो का साथ मिलेगा. अन्न दान करें.

मीन आय के लिए दिन अच्छा है. दिल के बदले दिमाग का प्रयोग करें. नौकरी में परिश्रम अधिक होगा. कार्यस्थल पर विवाद से बचें. चोरी आदि से हानि हो सकती है. सावधानी बरतें. आलस का त्याग करें. मंदिर में झाड़ू का दान करें.

पूर्व डीआरएम नीरज कुमार ने रांची सिविल कोर्ट में कर दिया सरेंडर

रांची। रांची रेलवे हटिया मंडल के पूर्व डीआरएम नीरज कुमार ने बुधवार को रांची सिविल कोर्ट में सरेंडर किया. उन्होंने एसीजेएम (एडिशनल चीफ ज्यूडीशियल मजिस्ट्रेट) की कोर्ट में सरेंडर करने के बाद 1000 रुपये का जुर्माना भरा. कोर्ट में जुर्माना भरने के बाद उनका केस निष्पादित हो गया. दरअसल नीरज कुमार पर कॉन्ट्रैक्ट लेबर एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ था, जो मजदूरों के वेतन भुगतान नहीं किए जाने से जुड़ा था. इसके बाद कोर्ट से उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ था, जिससे उनके ऊपर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी.

सचिवालय घेराव केस में भाजपा नेताओं को हाईकोर्ट से मिली राहत

रांची। झारखंड हाई कोर्ट से पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद संजय सेठ, सांसद दीपक प्रकाश, विधायक सीपी सिंह, दुल्लू महतो, कुशवाहा शशि भूषण, समरी लाल, नवीन जायसवाल के अलावा बीरची नारायण सिंह, सांसद प्रदीप कुमार वर्मा, रविंद्र कुमार राय, यदुनाथ पांडेय, शिवशंकर उरांव, अमित कुमार, कृष्ण कुमार गुप्ता, ललित ओझा, रमेश कुमार सिंह, कामेश्वर सिंह, उमेश कुमार, नीलम चौधरी, अमित कुमार मंडल, अशोक कुमार बड़ाईक, आरती कुजूर आदित्य प्रसाद, सिद्धू माझी, शत्रुघ्न सिंह को बड़ी राहत मिली है. अदालत ने उक्त सभी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक लगा दी है. दरअसल पिछले वर्ष भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुए उपद्रव के बाद तीन पूर्व सीएम, आधा दर्जन सांसद समेत 41 लोगों पर धुर्वा थाने में केस दर्ज किया गया है. आरोपियों पर उपद्रव करने, दंगा भड़काने, सरकार के निर्देशों का उल्लंघन करने, सरकारी कार्य में बाधा डालने, अपराध के लिए उकसाने और दूसरे व्यक्ति को नुकसान पहुंचाने से संबंधित धाराएं लगायी गयी हैं.

730 दिन का मातृत्व अवकाश मिलेगा. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा आदेश जारी किया गया है

18 वर्ष शिशु देखभाल अवकाश से कम आयु के केवल दो संतानों के लिए अनुमान्य होगा.

पुलिस मुख्यालय से आदेश जारी निशक्त बच्चों के मामलों में उम्र सीमा लागू नहीं

महिला पुलिसकर्मियों को 730 दिन का मिलेगा मातृत्व अवकाश

रांची। महिला पुलिसकर्मियों को अपनी पूरी नौकरी के दौरान 730 दिन का मातृत्व अवकाश मिलेगा. इसको लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा आदेश जारी किया गया है. जारी आदेश के मुताबिक, 18 वर्ष से कम आयु की संतान वाली महिला पुलिसकर्मी को उनकी समस्त सेवा अवधि के दौरान केवल दो संतान तक, उनकी परीक्षा, बीमारी की हालत में पालन पोषण या देखभाल करने के लिए 730 दिन की छुट्टी स्वीकृत करने वाले सक्षम प्राधिकारी द्वारा दी जा सकेगी.

शिशु देखभाल अवकाश अर्जित अवकाश के समान मानी जाएगी

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी किए गए संकल्प पत्र के मुताबिक, शिशु देखभाल अवकाश अर्जित अवकाश के समान मानी जाएगी और उसी प्रकार से मंजूर की जाएगी. पुरुष अभिभावक जैसे अविवाहित विधुर या तलाकशुदा के लिए यह सुविधा नहीं होगी. शिशु देखभाल अवकाश का अधिकार पूर्वक दावा नहीं किया जायेगा. किसी भी परिस्थिति में मंजूर करने वाले प्राधिकारी की अनुमति और उचित मंजूरी के बिना कोई कर्मचारी इस छुट्टी पर नहीं जा सकता है.

शिशु देखभाल अवकाश के साथ अन्य देय छुट्टी मंजूर की जा सकेगी

शिशु देखभाल अवकाश 18 वर्ष से कम आयु के केवल दो संतानों के लिए अनुमान्य होगा. यह अवकाश कैलेंडर वर्ष के दौरान तीन बार से अधिक मंजूर नहीं की जाएगी, जो प्रत्येक बार 15 दिन से कम के लिए मंजूर नहीं की जाएगी. इस छुट्टी के दौरान पड़ने वाले शनिवार, रविवार और सरकारी छुट्टियां भी शिशु देखभाल अवकाश में शामिल की जाएगी. शिशु देखभाल अवकाश के साथ कोई भी अन्य देय छुट्टी मंजूर की जा सकेगी.

शुभम संदेश व लगातार.इन की पहल : क्या कहते हैं फर्स्ट टाइम वोटर

लोकतंत्र की रक्षा के लिए करेंगे मतदान

झारखंड में 22,33,738 युवा पहली बार वोट करेंगे. वोटर्स में 10,93,718 पुरुष व 11,39,960 महिला शामिल हैं. 60 ट्रांसजेंडर भी हैं. चुनाव में 14 लोकसभा क्षेत्रों में आपकी बड़ी भूमिका है. आप भाग्य विधाता की बड़ी भूमिका में होंगे. आप क्या सोचते हैं?

राजेश कुमार रोशन : आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन विपक्षी गठबंधन से आगे हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्पष्ट दृष्टिकोण के कारण सभी क्षेत्रों में विकास हो रहा है. पूरी दुनिया में देश का सम्मान बढ़ा है. देश की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गई है. प्रधानमंत्री मोदी देश को विकसित बनाने की दिशा में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं. ऐसे में फर्स्ट टाइम वोटरों को नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए.

निर्देश कुमार पांडेय : देखिए जहां तक जनता के हितों की बात है तो कोई भी सरकार मजबूती से कार्य नहीं कर पाई है. चाहे वह बीजेपी हो, या कांग्रेस हो, या क्षेत्रीय दल. सवाल सबसे बड़ा यह है कि कोई भी नेता मध्यमवर्गीय नहीं है. सब अमीर होते जा रहे हैं और जनता की स्थिति वैसी की वैसी ही है. आखिर जब पैसे की कमी है तो नेता लोग इतने अमीर क्यों? रही बात मेरे लोकसभा क्षेत्र में तो हिंदुत्व के कारण बीजेपी को वोट पड़ जाए लेकिन इसके अलावा अन्नपूर्णा देवी में कोई और गुण है ही नहीं. सबसे बेकार सांसद हैं.

उमेश सिंह समाजसेवी पंचायत मकरी : आगामी लोकसभा चुनाव में शिक्षा एक बड़ी चुनौती है. हमारे क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालय और मध्य विद्यालय का हाल बहुत खराब है. आने वाली सरकार को इस विषय पर विशेष ध्यान देना होगा. इसके अलावा बेरोजगारी और महंगाई की समस्या ने विकराल रूप धारण कर लिया है. नई सरकार को युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए काम करना होगा. इसके साथ ही महंगाई पर अंकुश लगाकर गृहणियों को राहत पहुंचाने का काम करना होगा. सामाजिक सौहार्द बनाना होगा.

राज किशोर राम : आगामी सरकार को लोगों को रोजगार देने के लिए ठोस नीति बनानी होगी. रेल कनेक्टिविटी पर ध्यान देना होगा. फर्स्ट टाइम वोटरों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल सोच समझ कर करना चाहिए. शिक्षा और रोजगार पर काम करने वाली सरकार को चुनना होगा. सामाजिक सौहार्द कायम करने वाली सरकार समय की मांग है. विभाजन की राजनीति करने पार्टियों और नेताओं से सवाल पूछने होंगे. अपने हितों की पूर्ति के लिए युवाओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल जरूर करना चाहिए.

प्रेम कुमार : रांची रिम्स में अव्यवस्था का बोलबाला है. विधि व्यवस्था और इलाज में भारी लापरवाही बरती जा रही है. इसको लेकर किसी तरह की पहल नहीं की जा रही है. जिम्मेदार अधिकारियों का सिर्फ पैसे पर ध्यान है. उचित व्यवस्था के अभाव में मरीज मर रहे हैं. विडंबना है कि आए दिन घटना होती रहती है, लेकिन जिम्मेदार उदासीन बने हुए हैं. मरीज को बेड नहीं मिलती. डॉक्टर और दवा भी उपलब्ध भी नहीं होती. इसी तरह रांची नगर निगम में भी भ्रष्टाचार फैला हुआ है. कोई काम सही से नहीं हो रहा है.

शशि रंजन : लोकसभा चुनाव के लिए हम पहली बार वोट करंगे। आजकल की राजनीति में आज़ादी और लोकतंत्र की महता को लेकर चर्चा हो रही है. आगामी लोकसभा चुनाव में, यह मुद्दा हम सब युवाओं के लिए महत्वपूर्ण होना चाहिए. देश में बढ़ती तानाशाही के बीच, नागरिकों की आजादी और मौलिक अधिकारों की सुरक्षा, मीडिया की खरीदारी, और अन्य प्रयासों के चलते, नागरिकों का आत्मविश्वास और आजादी के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है. उसे इस बार लोकसभा चुनाव में में यह अहम मुद्दा रहेगा.

पानी के अत्यधिक दोहन पर लगे लगाम : शिवम राज

कुछ वर्ष पहले धरती का जल स्तर सामान्य हुआ करता था, लेकिन अधिक दोहन से जल स्तर में अब तेजी से गिरावट आ रही है. पानी के अत्यधिक दोहन और बर्बादी पर लगाम लगनी चाहिए ताकि भविष्य में जल संकट जैसी स्थिति उत्पन्न होने से रोका जा सके. आगामी सरकार को इस दिशा में ठोस नीति बनाने के साथ ही उसके क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान देना होगा. लोकसभा चुनाव में इस मुद्दे को लेकर युवा वोटरों को मुखर होकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए.

गांव में हो हाईटेक चिकित्सकीय सुविधा : आलोक राज तिग्गा

गंभीर रोगों के इलाज के लिए गांवों में भी हाईटेक चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि गांव के लोगों को इलाज के लिए बड़े–बड़े शहरों के चक्कर न काटना पड़े. इससे लोगों का समय और धन दोनों खर्च होता है. आगामी लोकसभा चुनाव में इस मुद्दे पर मतदान होना चाहिए. इसके साथ ही फर्स्ट टाइम मतदाताओं को इसके साथ ही बेरोजगारी और महंगाई जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए अपने मताधिकार का इस्तेमाल करते हुए अपनी पसंद की सरकार चुननी चाहिए.

पेपर तैयार करने वाली एजेंसी पर हो सख्ती : करूणा करन

आने वाली सरकार से अपेक्षा है कि वह समय पर व कदाचार मुक्त परीक्षा संपन्न कराने के लिए कड़ा कानून बनाएगी. इसके साथ ही नई सरकार चुनने समय युवा मतदाता यह उम्मीद भी रखेंगे कि परीक्षा का पेपर तैयार करने वाली एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. परीक्षा पेपर लीक का सबसे बड़ा कारण एजेंसी स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार है. बिचौलियों के साथ मिलीभगत कर कर्मचारी पेपर लीक करते हैं. परीक्षा एजेंसियों के लिए सख्त नियम लागू होने चाहिए.

सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ हो न्याय : अनिकेत कच्छप

किसी भी प्रतियोगी परीक्षा के परिणामों में सामान्य वर्ग के छात्रों का कट ऑफ बहुत अधिक होता है. इसके अलावा परीक्षा शुल्क भी अन्य वर्ग के छात्रों की तुलना में अधिक ली जाती है. इसमें बदलाव कर सामान्य वर्ग के छात्रों के साथ न्याय होनी चाहिए. आगामी सरकार से इस दिशा में कदम उठाने की अपेक्षा रहेगी. इसके साथ ही पेपर लीक की समस्या पर रोक लगाने की भी आवश्यकता है. इन मुद्दों पर लोकसभा चुनाव में युवा वोटरों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए.

हर एक वोट कीमती है, इसे व्यर्थ न जाने दें: पदाधिकारी

संवाददाता। गढ़वा

झारखंड राज्य आजीविका मिशन की दीदियों एवं एसएचजी की महिलाओं ने बुधवार को रमना प्रखंड में कार्यशाला का आयोजन किया. इसका आयोजन स्वीप के तहत मतददाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से किया गया. साथ ही भगत सिंह चौक से रैली भी निकाली गई. आमजनों के बीच लोकसभा चुनाव को लेकर मतदाता जागरुकता कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए स्वीप कोषांग के तहत नैतिक मतदान एवं इवीएम वीवीपैट के संबंध में जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान रंगोली, मेहंदी एवं रैली जैसे कार्यक्रमों को आयोजित कर लोगों को जागरूक किया गया. ईवीएम वीवीपीएटी की पारदर्शिता के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई. बारी-बारी कर उक्त विषयों पर चर्चा करते हुए सभी को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया. डमी ईवीएम एवं वीवीपीएटी के माध्यम से इसके कार्य प्रणाली की जानकारी दी गई. बताया गया कि कोई भी मतदाता ईवीएम के माध्यम से मतदान करते समय वीवीपीएटी मशीन पर रियल टाइम में दबाए गए बटन के सामने छपे चुनाव चिन्ह का मिलान कर सकता है. मतदान का यह प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी है. इसलिए किसी भी प्रकार की अफवाहों पर मतदाता ध्यान ना दें. स्वीप के पदाधिकारियों द्वारा एथिकल वोटिंग यानी नैतिक मतदान को लेकर बताया गया कि हमें अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल देश के विकास के लिए अवश्य करना चाहिए. हर एक वोट कीमती है. इसलिए मतदान दिवस के दिन अपने घरों से बाहर आयें और अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें. अन्य मतदाताओं को भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें. अमीर हो या गरीब सभी वर्ग के पास मतदान करने का अधिकार है. हर एक वोट कीमती है. इसे व्यर्थ न जाने दें. इस दौरान नैतिक मतदान को लेकर उपस्थित लोगों के बीच अपनी बातों को रखा गया. उनसे अपील किया कि सभी अपने मताधिकार का प्रयोग कर देश एवं राज्य के सर्वांगीण विकास में भागीदारी बने. किसी भी प्रकार के प्रलोभन में ना आए ना ही किसी के दबाव में आकर वोट करें. अपनी मर्जी से पूरी सूझबूझ के साथ मतदान करें. इस दौरान सी-विजिल एप, सक्षम एप और वोटर हेल्पिंग एप की भी जानकारी दी गई. बताया गया कि नए मतदाता वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से मतदाता सूची में नाम दर्ज कर सकते हैं. साथ ही किसी भी प्रकार के सुधार या सहायता के लिए भी इस एप का इस्तेमाल कर सकते हैं.

सी-विजिल एप के माध्यम से आप चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी पर गोपनीय तरीके से शिकायत दर्ज कर सकते हैं. सी-विजिल एप के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि चुनाव के दौरान किये जा रहे गड़बड़ी/धांधली आदि की शिकायत सरल तरीके से की जा सकती है. जिसमें शिकायतकर्ता की गोपनीयता भी भंग नहीं होती एवं त्वरित कार्रवाई की जाती है. सरकारी सेवक जो मतदान कार्य मे संलग्न हैं.

पंजाब फोक आर्केस्ट्रा में लातेहार के आयुष ने जीता स्वर्ण पदक

संवाददाता। लातेहार

सदर प्रखंड के होटवाग ग्राम निवासी ध्रुव कुमार पांडेय के पुत्र आयुष कुमार पांडेय ने पंजाब फोक आरकेस्ट्रा को प्रतिनिधित्व कर प्रथम पुरूस्कार प्राप्त किया है. पंजाब के पीएयू (पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी) में एक कार्यक्रम का आयोजन 28 मार्च से एक अप्रैल तक किया गया था. इसमें लातेहार के आयुष कुमार पांडेय ने अपनी टीम के साथ भाग लिया था. आयुष कुमार ने बताया कि एआईयू (एसोसिएशन का ऑल इंडियन यूनिवर्सिटी) में म्यूजिक कैटेगरी के फॉक आर्केस्ट्रा में लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी पंजाब के तरफ से फोक आर्केस्ट्रा में बांसुरी और बीन बजा कर पंजाब फोक आरकेस्ट्रा को रिप्रेजेंट किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया. उन्होंने बताया कि करीब 130 यूनिवर्सिटी ने पूरे देश से इस 37वां इंटर यूनिवर्सिटी यूथ फेस्टिवल में भाग लिया था. जिसमें आयुष और उनके टीम ने स्वर्ण पदक जीता.

छात्र विद्युत महतो हुए सम्मानित

राजेश चौबे। घाटशिला

घाटशिला कॉलेज के छात्र विद्युत महतो को प्राचार्य डॉ आरके चौधरी ने अपने प्राचार्य कक्ष में बुधवार को आमंत्रित कर सम्मानित किया. प्राचार्य ने बताया कि विद्युत महतो आईआईटी जैम 2024 की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 103 लाकर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है. साथ ही उन्होंने बताया कि महतो इस महाविद्यालय से वर्ष 2018 में 71 प्रतिशत अंकों के साथ आईएससी परीक्षा तथा वर्ष 2023 में 76 प्रतिशत अंकों के साथ भौतिक विज्ञान प्रतिष्ठा के साथ बीएससी उत्तीर्ण किये था. इस मौके पर छात्र विद्युत महतो ने बताया कि अब वे अपना नामांकन आईआईटी, मुंबई में पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड पीएचडी कोर्स में लेंगे. चाकुलिया के सिमदी गांव के निवासी महतो के पिता ऋषिकेश महतो मजदूर सुपरवाइजर हैं. इस मौके पर डॉ एसके सिंह, डॉ डीसी राम, प्रो. इंदल पासवान, डॉ. संदीप चंद्र, प्रो. महेश्वर प्रमाणिक, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. संजेश तिवारी, प्रो. अर्चना सुरीन, डा. कुमार विशाल, प्रो विकास मुंडा, प्रो. राम विनय श्याम, प्रो. सोमा सिंह, डॉ कन्हाई बारिक, मल्लिका शर्मा, प्रधान सहायक हीरालाल शीट, प्रसेनजीत मंडल आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

धनबाद में सिविल कोर्ट के बिजली पोल में लगी आग

संवाददाता। धनबाद

पटना सिविल कोर्ट अग्निकांड की पुनरावृत्ति बुधवार को धनबाद सिविल कोर्ट में होते-होते बच गई. जेल गेट स्थित सिविल कोर्ट के ब्लॉक चार में शाम करीब चार बजे बिजली के पोल में लगे डीपी बॉक्स में आग लग गई. डीपी बॉक्स धू-धू कर जलने लगा. आग की लपटें इतनी तेज थी कि पोल में लगे केबल के प्लास्टिक को चपेट में ले लिया लिया. ब्लॉक चार की सभी अदालतों में धुआं भर गया. मौके पर मौजूद फायर ब्रिगेड की टीम ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पा लिया. इससे तरह बड़ी घटना होने से बच गई. पोल में आग लगने की सूचना मिलते ही नजारत में मौजूद कोर्ट के कर्मी पोर्टेबल अग्निरोधी यंत्र लेकर घटनास्थल की ओर दौड़े. कोर्ट में तैनात अग्निशमन टीम तुरंत मौके पर पहुंची और अग्निरोधी यंत्रों की मदद से आग पर काबू पा लिया.

अपराध साइबर अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने में मददगार साबित हो रहा है प्रतिबिंब ऐप

झारखंड के 16 जिलों में 899 साइबर अपराधी किए गए गिरफ्तार

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड के 16 जिलों की पुलिस ने मिल कर प्रतिबिंब ऐप के सहारे कुल 899 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. यह गिरफ्तारी 20 नवंबर 2023 से लेकर दो अप्रैल 2024 के बीच हुई है. गिरफ्तार साइबर अपराधियों के खिलाफ कुल 185 केस दर्ज किए गए. वहीं इनके पास से 2934 सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं. साइबर अपराधी ठगी के लिए इन सिम कार्डों का इस्तेमाल करते थे.

इसके अलावा गिरफ्तार अपराधियों के पास से 1955 मोबाइल बरामद किए गए हैं. इन मोबाइलों का उपयोग भी ठगी के लिए फोन करने में किया जाता था. जानकारी के मुताबिक, सबसे अधिक 430 साइबर अपराधी देवघर जिले से गिरफ्तार किए गए हैं. वहीं, गिरिडीह जिला दूसरे नंबर पर है. गिरिडीह पुलिस ने कुल 179 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है. तीसरे स्थान पर रहे जामताड़ा जिले की पुलिस ने कुल 120 साइबर अपराधियों को दबोचने में सफलता पायी है.

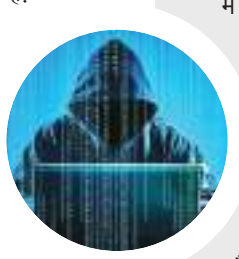

क्या है प्रतिबिंब ऐप

सीआईडी डीजी अनुराग गुप्ता ने साइबर अपराधियों को ट्रैक करने के लिए प्रतिबिंब ऐप तैयार कराया था. इसके जरिये ठगी में प्रयुक्त मोबाइल नंबर के आधार पर साइबर अपराधियों की ट्रैकिंग की जाती है. यह सुविधा सीआईडी द्वारा सभी जिलों की पुलिस को प्रदान किया गया है. सीआईडी मोबाइल नंबर को ट्रैक कर साइबर अपराधियों के बारे में संबंधित जिला की पुलिस को जानकारी देती है. इसके बाद जिला पुलिस छापेमारी कर साइबर अपराधियों को गिरफ्तार करती है. सीआईडी मुख्यालय के अधिकारियों के अनुसार, झारखंड पुलिस के इस प्रयास से न सिर्फ साइबर अपराधी पकड़े जा रहे हैं, बल्कि साइबर फ्रॉड को लेकर दूसरे राज्य जैसे बंगाल, बिहार, दिल्ली सहित अन्य राज्यों में दर्ज साइबर ठगी के कांडों का का भी खुलासा हो रहा है.

किस जिले से कितने साइबर अपराधी गिरफ्तार

जिला	सक्रिय सिम	गिरफ्तारी
देवघर	10000	430
जामताड़ा	3016	120
दुमका	1915	14
धनबाद	691	23
गिरिडीह	557	179
रांची	556	06
बोकारो	166	20
गोड्डा	85	11
पाकुड़	29	05
हजारीबाग	254	47
कोडरमा	60	21
रामगढ़	40	00
चतरा	22	07
जमशेदपुर	155	11
गढ़वा	30	01
लातेहार	17	04

CLASSIFIED

अग्निपरीक्षा का समय

पहले कांग्रेस को टैक्स राहत, फिर आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह को जमानत और रामदेव को सख्त फटकार के साथ माफी नाकबूल. सर्वोच्च अदालत के इन फैसलों से क्या पारदर्शी चुनाव की प्रक्रिया की दिशा प्रशस्त हो गयी है? यह बड़ा सवाल है, जिसका जवाब जरूरी है. अभी भी देश की दो चुनी हुई सरकारों के मुख्यमंत्री जेल में हैं. इनमें एक ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन दूसरे ने नहीं. सर्वोच्च अदालत ने संजय सिंह की जमानत की सुनवाई करते हुए जिस तरह के सवाल और टिप्पणी ईडी से की है, उसके गहरे निहितार्थ हैं. इसी के साथ सरकारी एजेंसियों और चुनाव आयोग को ले कर विपक्षी दलों के संजीदा सवाल भी हैं. सर्वोच्च अदालत के इन तीनों फैसलों ने विपक्ष के आरोप को एक तरह से धार ही प्रदान किया है. भाजपा भ्रष्टाचार को मुद्दा बना रही है, लेकिन इलेक्टोरल बॉण्ड्स के मामले पर उसकी चुप्पी बनी हुई है. इलेक्टोरल बॉण्ड्स मामले में न केवल चुनावों में सभी दलों के लिए समतल जमीन की अवधारणा प्रभावित हुई है, बल्कि एजेंसियों की भूमिका को ले कर भी गहरे सवाल उठे हैं. बेहतर होता कि देश में चुनाव जरूरी मुद्दों पर केंद्रित होता. लेकिन भ्रष्टाचार एक ऐसा सवाल है, जिसमें दूसरे की कमीज पर दाग और अपनी कमीज को बेदाग बताने की प्रवृत्ति ने राजनीतिक दलों की साख को प्रभावित किया है. इस प्रवृत्ति ने इतना तो जाहिर कर ही दिया है कि राजनीतिक दलों के पास विपक्षियों पर प्रहार करने के लिए जिन शब्दों का प्रयोग होता है, उसमें ज्यादातर शब्द अपनी मानी खो चुके हैं. यानी शब्दों और राजनीतिक मुहावरों के फर्जीपन के आरोप से बचना किसी भी राजनीतिक समूह के लिए असान नहीं है. किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि राष्ट्रीय चुनावों में विपक्षी दलों को मुकाबले में चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता के साथ कितने समान अवसर मिलते हैं. निश्चित रूप से ऐसे मामलों में निष्पक्ष रूप से निर्णय लेने में न्यायपालिका की भूमिका कानून के शासन को स्थापित करने की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाती है. आरोप-प्रत्यारोप वाले राजनीतिक परिदृश्य में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ रैली' लोकतांत्रिक संस्थानों के सामने आने वाली विभिन्न चुनौतियों को देश के जनमानस के सामने रखती है. इन चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है. दूसरी ओर विपक्षी गठबंधन के सहयोगियों ने चुनाव आयोग से मांग की है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई पर रोक लगे. वहीं विपक्ष की मांग है कि कथित चुनावी कदाचार की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में की जाए. यानी चुनाव प्रक्रिया के दौरान संस्थागत निष्पक्षता से ही लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी. निश्चित रूप से देश के लोकतांत्रिक ढांचे में जनता का भरोसा तभी कायम रह पाएगा, जब चुनावी प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे. चुनावी प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डालने का कोई प्रयास व किसी भी तरह की ऊंच-नीच की कोई धारणा लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर ही करती है.

> बेहतर होता कि देश में चुनाव जरूरी मुद्दों पर केंद्रित होता. लेकिन भ्रष्टाचार एक ऐसा सवाल है, जिसमें दूसरे की कमीज पर दाग और अपनी कमीज को बेदाग बताने की प्रवृत्ति ने राजनीतिक दलों की साख को प्रभावित किया है.

सुभाषित

आहारनिद्राभयमैथुनं च
सामान्यमेतत्पशुभिर्नराणाम्।
धर्मो हि तेषामधिको विशेषो
धर्मेण हीनाः पशुभिः समानाः।।

भोजन,निद्रा,डर और वासना, पशु और आदमी दोनों में सामान्य है. आदमी का विशेष गुण धर्म है; धर्म के बिना वह एक पशु के समान है. वह धर्म ही है, जो मनुष्य को पशुओं से अलग करता है.

क्या चुनाव को लेकर उदासीन है मध्यवर्ग

हमारा लोकतंत्र बहुत पुराना नहीं है. आज़ादी के पचहत्तर साल पूरे हुए हैं और बालिग मतदान पर प्रथम चुनाव के उससे भी कम. आज़ादी के बाद राष्ट्र निर्माण के दौर में राष्ट्रीय आंदोलन के वैचारिक मूल्य हमारी राजनीति के केन्द्रक थे. समानता, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता आदि के सवाल पर कोई बहस नहीं थी. दक्षिणपंथी राजनीतिक सोच के जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी वाले भी इन मूल्यों पर यकीन करते थे.

• देश-काल

प्रेमकुमार मणि

लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय मध्यवर्ग इस बार जितना उदासीन है, इसके पूर्व के चुनावों में कभी नहीं था. 2019 में भी थोड़ा जोश दीखता था, लेकिन इस बार उतना भी नहीं है. उदासीनता के कारण तत्व छुपे नहीं हैं. लोग मान कर चल रहे हैं कि बड़े बदलाव की कोई उम्मीद नहीं है. चुनाव के केंद्र में आज भी मोदी हैं. कुल मिला कर मोदी ने ही एक शिगूफा छोड़ दिया है चार सौ पार का. बहस इस पर छिड़ी हुई है कि क्या मोदी यह जादुई आंकड़ा छू सकेंगे? इस तरह पूरा देश एक जुमले का शिकार हो कर रह गया है. मुल्क की स्थिति ऐसी नहीं है कि मोदी और उनकी राजनीति को लेकर बहस नहीं हो. रोजगार से लेकर भ्रष्टाचार तक के सवाल भरे हैं. चुनावी बॉन्ड वाले मामले पर विपक्ष मोदी को घेर सकता था, लेकिन वह कोई प्रभावी बहस नहीं उठा सका. इसका कारण केवल यह है कि जिस राजनीतिक ताकत और नैतिकता की जरूरत विपक्ष के पास होनी चाहिए, वह उसके पास नहीं है. क्यों नहीं है यही मूलप्रश्न है, लेकिन इस प्रश्न का जवाब बहुतों केलिए अप्रिय हो सकता है. हमारा लोकतंत्र बहुत पुराना नहीं है. आज़ादी के पचहत्तर साल पूरे हुए हैं और बालिग मतदान पर प्रथम चुनाव के उससे भी कम. आज़ादी के बाद राष्ट्र निर्माण के दौर में राष्ट्रीय आंदोलन के वैचारिक मूल्य हमारी राजनीति के केन्द्रक थे. समानता, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता आदि के सवाल पर कोई बहस नहीं थी. दक्षिणपंथी राजनीतिक सोच के जनसंघ और स्वतंत्र पार्टी वाले भी इन मूल्यों पर यकीन करते थे.

400 पार जाने के लिए उसे कम से कम 66 सीटें और चाहिए. इतनी सीटें उसे कहां से मिल सकती हैं. उत्तर भारत के अधिकांश प्रांतों में वह सांद्र स्वरूप में है, जहां बढ़ने की कोई गुंजायश नहीं है. मसलन बिहार, उत्तरप्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात, राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और यहां तक कि असम में वह अपने महत्तम रूप में है. कर्णाटक के 28 में से 25 पर वह काबिज है. उत्तरप्रदेश के 80 में से 64 और बिहार के 40 में से 39 पर वह और उसके सहयोगी दल हैं. 400 का आंकड़ा पार करने के लिए उसे तमिलनाडु, केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र और बंगाल में हाथ-पांव मारने होंगे. इन प्रांतों में उनकी बढ़ोत्तरी के तो कोई चिह्न नजर नहीं आ रहे, हाँ, कर्णाटक, बंगाल, बिहार ,उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान आदि में उसकी सीटें घट सकती हैं. ऐसे में भाजपा का चार सौ का लक्ष्य एक जुमले से अधिक कुछ और नहीं है.

हाँ, यह जरूर दिख रहा है कि प्रतिपक्षी दल 2019 से भी अधिक हताश स्थिति में है. लेकिन जनता में मोदी का वह आकर्षण नहीं है जो 2019 के पूर्व था. इसका कारण कोई जरूरी नहीं कि उनकी विफलताएं ही हों. जनता एक ही व्यक्ति और शासक को देखते-देखते ऊब महसूस करने लगती है. यह भी एक कारण हो सकता है. इलेक्टोरल बॉण्ड वाले मामले में जनता को पहली बार यह सोचने का अवसर मिला कि मोदी भी आर्थिक भ्रष्टाचार में शामिल हो सकता है. लेकिन वह इस मामले में खुशकिस्मत हैं कि प्रतिपक्षी नेताओं ने इसे कायदे से नहीं उठाया. आज यदि लोहिया, इंदिरा गांधी, अटलबिहारी या जॉर्ज फर्नांडिस जैसे नेता होते तो इसे चुनावी मुद्दा बना देते और सरकार को जवाब देते नहीं बनता. लेकिन राहुल, लालू, अखिलेश जैसे नेताओं की बातों पर जनता को यकीन नहीं होता. दरअसल प्रतिपक्ष की भूमिका सोशल मीडिया निभा रहा है. यह प्रतिपक्ष कोई जरूरी नहीं कि कांग्रेस या इंडिया ब्लाक के दलों का समर्थन करती हो.

आमतौर पर भारतीय मतदाता यह मान कर चल रहा है कि मोदी अपनी ताकत से नहीं, विपक्षी दलों की कमजोरी से आगे है. भाजपा ने बार-बार अपने को जरूरतों के मुताबिक बदला है और आंतरिक लोकतंत्र को कुछ बचा कर रखा है. वहां भी नेतापुत्रों को टिकट देकर पुरस्कृत किया जाता रहा है, बावजूद इसके कोई यह नहीं कह सकता कि पार्टी परिवारवाद की गिरफ्त में है. विपक्षी दलों में शायद ही कोई दल हो जो सुप्रीमोवाद और परिवारवाद से ग्रस्त नहीं हो. ऐसे दलों में राजनीतिक कवायद ख़त्म हो जाती है और वह दल सिकुड़ने लगता है.

विपक्षी दलों की दूसरी कमजोरी उनके आंतरिक बदलावों को ख़ारिज करना है. कांग्रेस, राजद, सपा जैसी पार्टियां बीसवीं सदी में उभरी विचारधारा पर केंद्रित हैं. नये वैचारिक परिवर्तनों को आत्मसात करने में ये अक्षम रही हैं. जनसंघ ने कई बार अपने को बदला. 1977 में जेपी के निर्देश पर जनता पार्टी में अपना विलय कर लिया. तीन साल बाद 1980 में वहां के खट्टे-मीठे अनुभव लेकर बाहर आई और भारतीय जनता पार्टी के रूप में स्वयं को संगठित किया. इसी समय उसने अपना आर्थिक प्रोग्राम गांधीवादी समाजवाद घोषित किया. गांधी और समाजवाद जनसंघ के ज़माने में नहीं था. यह शायद अटल जी का प्रभाव था, लेकिन 1984 के चुनाव में जब उसे केवल दो सीटें मिलीं, तब गांधी और समाजवाद के साथ अटल जी भी पीछे चले गए और आडवाणी सामने आए. उनके नेतृत्व में भाजपा ने मंदिर आंदोलन में अपने को झोंक दिया. इस आंदोलन के बूते भाजपा ने धीरे-धीरे उत्तर भारतीय द्विज मतदाताओं को कांग्रेस के साये से निकाल कर अपने साथ कर लिया.

कहने का अर्थ यह कि भाजपा ने अपने को लगातार बदला, किन्तु कांग्रेस और दूसरे समाजवादी सोच वाले दल अपने में इस तरह का बदलाव नहीं कर पाए. मध्यवर्ग की सोच का इन लोगों ने कोई ख्याल नहीं किया. नतीजा है यह मध्यवर्ग आज प्रतिपक्ष की राजनीति से अलग-थलग है. यह मध्यवर्ग 1970 या 80 के ज़माने का नहीं है. आज इसकी संरचना में पिछड़े और दलित तबके का भी बड़ा हिस्सा है. यह वर्ग यदि प्रतिपक्ष से उदासीन है, तब इसके कारण हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

सामर्थ्य का दुरुपयोग

किसी व्यक्ति में शक्ति और सामर्थ्य का होना परम पिता परमेश्वर का दिया हुआ वरदान है. यह कभी न कभी जाने-अनजाने में किये गये अच्छे कर्मों का ही प्रतिफल है. इसलिए आवश्यकता इस बात की है कि उस शक्ति और सामर्थ्य का सदुपयोग किया जाये. उससे अच्छे कर्म किये जायें, ताकि उसमें और वृद्धि हो तथा भविष्य में भी वह कायम रहे. यदि शक्ति और सामर्थ्य का दुरुपयोग होता है तो वह क्षीण होने लगता है. ऐसा नीतिकारों का कहना है. इस बात को सहज और सुगम्य बनाने के उद्देश्य से नीतिकारों ने एक ऐसी कहानी की रचना की है, जो बड़ों को ही नहीं, बल्कि बच्चों को भी समझ में आसानी से आ जाये और लोग नीति का पालन कर सकें. वह कहानी इस प्रकार है. बहुत समय पहले की बात है. एक था चूहा, एक थी गिलहरी. चूहा अपने स्वभाव के अनुरूप नटखट था, शरारती था. दिन भर 'चीं-चीं' करता हुआ मौज उड़ाता था. गिलहरी भोली थी.'टी-टी' करती हुई इधर-उधर घूमा करती थी. संयोग से चलते-फिरते एक बार दोनों का आमना-सामना हो गया. अपनी प्रशंसा करते हुए चूहे ने कहा, "मुझे लोग मूषकराज कहते हैं और गणेशजी की सवारी के रूप में मुझे पूरे संसार के लोग जानते हैं. मेरे पैने-पैने हथियार सरीखे दांत लोहे के पिंजरे तो क्या, किसी भी चीज को काट सकते हैं." मासूम-सी गिलहरी को यह सुनकर बुरा सा लगा. बोली, "भाई, तुम दूसरों का नुकसान करते हो, फायदा नहीं. यदि अपने दांतों पर तुम्हें इतना गर्व है तो इनसे कोई नक्काशी क्यों नहीं करते? इनका उपयोग करो, तो जानूं! जहां तक मेरा सवाल है, दांत तो मेरे भी तेज है,कितना भी कठोर बीज हो तोड़, साफ करके संतोष से खा लेती हूं. पर मनमर्जी दुरुपयोग नहीं करती. मुझ में कोई खास गुण तो नहीं पर मेरे बदन पर तीन धारियां देख रहे हो न, बस यही मेरा संदेश है." चूहा बोला, "तुम्हारी तीन धारियों की विशेषता क्या है?" गिलहरी बोली, "वाह! तुम्हें पता नहीं? चलो बता देती हूं. दो काली धारियों के बीच एक सफेद धारी है. यह तमस के मध्य आशाओँ का प्रकाश है. दो काली अंधेरी रातों के बीच ही एक सुनहरा दिन छिपा रहता है, भरोसा रखो. यह प्रतीक है कि कठिनाइयों की परतों के बीच में ही असली सुख बसता है." संदेश सुनकर चूहा लज्जित हो गया. सामर्थ्य का उपयोग दूसरों को हानि पहुंचाने में नहीं, उनके मार्ग में आशा दीप जगाने में होना चाहिए.

संविधान की रक्षा हर नागरिक का कर्तव्य

• कानून

जेपी सिंह

हरीश साल्वे, मनन कुमार मिश्र सहित 600 वकीलों द्वारा चीफ जस्टिस को लिखे गये पत्र पर तीखी प्रतिक्रिया हुई है! वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने अपने ट्वीट में कहा है कि सरकार के पसंदीदा वकील साल्वे ने चुनावी बॉण्ड की रिश्वतखोरी और जबरन वसूली के विवरण को उजागर होने से रोकने की बहुत कोशिश की. टैक्स हैवेन में उनके खातों का खुलासा पनामा और पेंडोरा पेपर्स से हुआ था. अब वह 600 गैर-वर्णित वकीलों के एक समूह का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसके जरिये सीजेआई को सख्त आदेशों से पीछे हटने के लिए प्रभावित करने की कोशिश कर रहे हैं. इनमें से कितने बॉण्डदाता साल्वे के ग्राहक हैं? आश्चर्य की बात है कि प्रधानमन्त्री मोदी ने इस पत्र के समर्थन में ट्वीट किया है! वरिष्ठ वकील इंदिरा जयसिंह लिखती हैं कि हाल ही में बार के 600 सदस्यों द्वारा लिखा गया पत्र कोई आश्चर्य की बात नहीं है. "यह वास्तव में प्रतिरोध की प्रतिक्रिया और यथास्थिति की रक्षा है." इंदिरा जयसिंह ने कहा है कि वकील न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच अंतिम सीमा पर हैं और या तो न्यायपालिका की स्वतंत्रता की रक्षा कर सकते हैं या दोनों के बीच शक्तियों के पृथक्करण के पतन की सुविधा प्रदान कर सकते हैं.

आख़िरकार, न्यायाधीश वकीलों के समुदाय से आते हैं और उनके बीच का जैविक संबंध कभी नहीं टूटता. समस्या नई नहीं है. हाल ही में 2018 में, सुप्रीम कोर्ट के चार वरिष्ठ न्यायाधीशों ने इस मुद्दे को सार्वजनिक डोमेन में उठाया था, जब दीपक मिश्रा सीजेआई थे. इसके बावजूद समस्या का कोई समाधान नहीं खोजा जा सका है, हाल के दिनों में यह फिर से सामने आ गई है. इस मुद्दे को अदालत में दिवंगत शांति भूषण ने उठाया था जब उन्होंने 'मास्टर ऑफ रोस्टर' की शक्ति को अनियंत्रित और मनमाना बताते हुए चुनौती देते हुए एक याचिका दायर की थी. एक अवसर पर जब प्रशांत भूषण इस मामले में पेश होने के लिए अदालत में प्रवेश कर रहे थे, तो उन्हें बार के एक मुखर वर्ग ने प्रवेश करने से रोक दिया, जिन्होंने उनके प्रवेश को अवरुद्ध कर दिया और उन्हें आगे की पंक्ति तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की. इस प्रकरण ने गैर-संवैधानिक तरीकों से बार में ध्रुवीकरण के खुले प्रदर्शन की प्रवृत्ति स्थापित की. ध्यान देने वाली बात यह है कि रोस्टर के मास्टर की शक्तियों के मुद्दे को कानूनी चैनलों के माध्यम से उठाने का हर संभव प्रयास किया गया था. यह मुद्दा लंबित है और चूंकि यह न्यायपालिका की कार्यप्रणाली से संबंधित है, जिस पर स्वयं राज्य बनाम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने का कर्तव्य है, इसलिए सार्वजनिक क्षेत्र में इस पर बहस जारी रहेगी. शुरुआत करने के लिए, जैसा कि कई लोगों ने बताया है, यह पत्र चुनावी बॉण्ड मामले में फैसले के तुरंत बाद आया है और इसमें उन लोगों का संदर्भ है जो इस मामले में पेश हुए थे. यह कोई रहस्य नहीं है कि साल्वे, जो अब लंदन में हैं, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की ओर से पेश हुए और उन्हें बिना किसी अनिश्चित शब्दों के बताया गया कि आदेश में कोई अस्पष्टता नहीं थी जैसा कि एसबीआई ने दावा किया था और अदालत के फैसले में कोई अस्पष्टता नहीं थी.

> एक अवसर पर जब प्रशांत भूषण इस मामले में पेश होने के लिए अदालत में प्रवेश कर रहे थे, तो उन्हें बार के एक मुखर वर्ग ने प्रवेश करने से रोक दिया, जिन्होंने उनके प्रवेश को अवरुद्ध कर दिया और उन्हें आगे की पंक्ति तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की. इस प्रकरण ने गैर–संवैधानिक तरीकों से बार में ध्रुवीकरण के खुले प्रदर्शन की प्रवृत्ति स्थापित की.

इस पत्र में, वह अब सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के साथ अपना स्थान पाते हैं, जो कुछ भी हो, उसके लिए दोनों "प्रधानमंत्री को धन्यवाद" दिए बिना एक वाक्य भी नहीं खोल सकते हैं. यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अब कांग्रेस पर आरोप लगाने वाले एक ट्वीट के माध्यम से पत्र को भारत के प्रधान मंत्री की मंजूरी मिल गई है. यह इस मामले में पेश हुए वकीलों का एक और संदर्भ है, जिनमें से कुछ किसी समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य थे. जब हम देखते हैं कि विशेष मामले से निपटने के लिए विशेष रोस्टर स्थापित किए गए हैं, तो हमें बोलने की जरूरत है. जब चुनाव आयोग की स्वतंत्रता जैसी लोकतंत्र की आवश्यक संस्थाओं की रक्षा नहीं की जाती है, तो हमें बोलने की जरूरत है. यह व्यक्तिगत मामलों को चुनने के बारे में नहीं है, बल्कि उन मामलों के प्रति हमारे दृष्टिकोण के बारे में है जो अपने स्वभाव से संवैधानिक मूल्यों को कमजोर करने का समर्थन करते हैं.

चुनावों में गायब है पर्यावरण का सवाल

• जलवायु

डॉ. ओपी जोशी

बहुत अधिक पीछे न जाकर पिछले 11-12 वर्षों में घटी प्रमुख त्रासदियों (केदारनाथ, जोशीमठ एवं सिक्किम) तथा मौसम की चरम घटनाओं को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि सभी राजनैतिक दल आगामी लोकसभा चुनाव (2024) में पर्यावरण को महत्व दें. पर्यावरण के मुद्दों को अपने घोषणा पत्रों या संकल्प-पत्रों में शामिल कर उनके समाधान हेतु प्रतिबद्धता दर्शायें. पर्यावरण से जुड़े कई लोगों एवं संगठनों की सलाह-सुझाव एवं मांगों के बावजूद राजनैतिक दलों ने पर्यावरण से दूरी ही बनाकर रखी है.प्रसिद्ध वकील, पर्यावरणविद् एवं 'मेगसेसे पुरस्कार' प्राप्त एमसी मेहता ने बम्बई (अब मुम्बई) में आयोजित एक समारोह (1988) में कहा था कि पर्यावरण से जुड़े लोग चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों पर इस बात का दबाव बनायें कि वे अपने घोषणापत्रों में पर्यावरण से जुड़े मुद्दों को शामिल करें. इसके साथ ही यह भी कहा था कि पर्यावरण क्षरण के कारणों में राजनैतिक नेताओं तथा सरकारी अफसरों की जिम्मेदारी तय होना चाहिये, भले ही वे पद पर हों या नहीं.

दिल्ली स्थित 'विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र' (सीएसई) के संस्थापक स्व. अनिल अग्रवाल ने दिल्ली दूरदर्शन के एक कार्यक्रम में कहा था कि देश को ऐसे जिम्मेदार एवं संवेदनशील राजनेताओं को जरूरत है जो अन्य समस्याओं के साथ न केवल पर्यावरण की समस्याओं को समझें, अपितु उनके समाधान में भी अग्रणी रहें. मार्च 2005 में 'आजादी बचाओ आंदोलन' के एक कार्यक्रम में 'विश्वविद्यालय अनुदान आयोग' के तत्कालीन अध्यक्ष एवं वैज्ञानिक स्व. प्रो. यशपाल ने कहा था कि राजनैतिक दलों ने चुनाव में हमेशा आम जनजीवन से जुड़े मुद्दों की अनदेखी की है, जिनमें पर्यावरण की समस्याएं प्रमुख हैं.'चिपको आंदोलन' के प्रमुख, पद्मभूषण श्री चंडीप्रसाद भट्ट का कहना है कि मानव अस्तित्व की रक्षा के लिए पर्यावरण के बारे में राजनैतिक दलों ने कभी गंभीरता से नहीं सोचा. विभिन्न दलों के नेता सामाजिक संगठनों के मंचों से तो पर्यावरण बचाने की बात करते हैं, परतु चुनाव के समय अपने घोषणा पत्रों में उसे जगह नहीं देते. 'चिपको आंदोलन' को वैश्विक ख्याति दिलवाने वाले स्व. सुंदरलाल बहुगुणा ने 'नदी-जोड़ योजना' की एक बैठक में मई 2009 में गुस्से से कहा था कि सभी राजनैतिक दलों द्वारा पर्यावरण को चुनावी मुद्दा नहीं बनाना एक अपराध है, क्योंकि इस सदी की शुरुआत ही जल संकट एवं 'ग्लोबल वार्मिंग' जैसी वैश्विक समस्याओं से हुई है.

> वर्ष 1998 में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान वहां के निवासियों को वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभावों के बारे में 'विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र' द्वारा बताया गया था. चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से कहा जाना चाहिए कि वे वादा करें कि पर्यावरण के मामले में आम लोगों के साथ हैं. इस सिलसिले में प्रत्याशियों के प्रयासों की जानकारी घोषणा पत्रों के अलावा विज्ञापनों में भी दी जानी चाहिए.

लगभग 50 वर्ष पूर्व 'विश्व प्रकृति निधि' (वर्ल्ड फंड फॉर नेचर, डब्ल्यूएफएन जिसका पूर्व नाम 'विश्व्र वन्य जीव कोष' था.) ने एक 'ग्रीन-चार्टर' बनाकर विभिन्न राजनैतिक दलों के पास इस अनुरोध के साथ भेजा था कि इसकी बातें वे अपने चुनावी घोषणापत्रों में शामिल करें. इसमें पांच प्रमुख बात कही गयीं थीं - 'केन्द्रीय पर्यावरण व वन मंत्रालय' का नाम 'पर्यावरण संरक्षण मंत्रालय' हो, पर्यावरण संरक्षण में जनता की भागीदारी की योजना बनाई जाए, उद्योग, कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में पर्यावरण सरक्षण पर ध्यान दें, शहरों की संतुलित एवं पर्यावरण अनुकूल विकास योजनाएं बने, शिक्षा व्यवस्था में पर्यावरण के महत्व को समझाया जाए. इसी समय 'जन आंदोलनों के राष्ट्रीय समन्वय' (एनएपीएम) में दस सूत्रीय जनता के मुद्दे सुझाये थे, जिनमें एक जल, जंगल, जमीन, खनिज एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रबंधन से जुड़ा था. प्रसिद्ध पत्रकार प्रफुल्ल बिडवई से जुड़े नागरिकों के संगठन ने भी एक एजेंडा बनाया था, जिसमें देश के प्राकृतिक संसाधनों एवं उनके प्रबंधन पर स्थानीय समुदाय के लोगों की भागीदारी पर जोर दिया गया था. वर्ष 1998 में दिल्ली में हुए विधानसभा चुनाव के दौरान वहां के निवासियों को वायु प्रदूषण के गंभीर प्रभावों के बारे में 'विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र' द्वारा बताया गया था. चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों से कहा जाना चाहिए कि वे वादा करें कि पर्यावरण के मामले में आम लोगों के साथ हैं. इस सिलसिले में प्रत्याशियों के प्रयासों की जानकारी घोषणा पत्रों के अलावा विज्ञापनों में भी दी जानी चाहिए. हाल ही में मुम्बई से प्रकाशित एक समाचार पत्र से पता चला कि वहां के 'नेट-कनेक्ट' तथा 'वाय डाग फाउंडेशन,' 'सागर शक्ति,' 'खबर,' 'वेटलैंड्स ऐंड हिल्स' तथा 'एलायंस फार रिवर्स इन इंडिया' आदि संगठनों के प्रमुख एवं उनसे जुड़े कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण के लिए राजनेताओं की जवाबदेही हेतु एक अभियान शुरू किया है.

मीडिया में अन्यत्र

रिजर्व बैंक : आगे की राह

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 90वें वर्ष में प्रवेश करने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उचित ही कहा कि बैंक ने देश को विकास के मार्ग पर आगे ले जाने में अहम भूमिका निभाई है. दीर्घावधि की आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए वित्तीय स्थिरता एक अनिवार्य शर्त है. इस समय रिजर्व बैंक इस महत्त्वपूर्ण पड़ाव का जश्न मना रहा है और यह उचित अवसर है कि संस्थान न केवल अपनी अतीत की उपलब्धियों को सामने रखे, बल्कि भविष्य के लिए अपनी योजनाएं भी प्रस्तुत करे. यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि वृहद आर्थिक स्थिति और नियामकीय चुनौतियों में निरंतर बदलाव आ रहा है. साफ कहें तो केंद्रीय बैंक बीते दशकों में अपने दायित्वों और कार्यों के साथ निरंतर विकसित हुआ है. समय-समय पर मतभेद के बावजूद सरकार ने इस सफर में रिजर्व बैंक को विधिक और सांस्थानिक सहायता मुहैया कराई है. इन बातों का यह आशय कतई नहीं है कि भारत की व्यवस्थाएं पूरी तरह खामी रहित हैं, लेकिन बीते वर्षों में जो विकास हुआ है, वह भी सकारात्मक दिशा में है. हाल के वर्षों के सबसे अहम घटनाक्रम में एक रहा है आरबीआई अधिनियम में संशोधन करना, ताकि उसे मुद्रास्फीति को लक्षित करने वाले केंद्रीय बैंक में बदला जा सके. विभिन्न धड़ों के विरोध के बावजूद सरकार मौद्रिक नीति ढांचे को मजबूत बनाने के विचार पर सहमत है. इस बात ने मौद्रिक नीति के संचालन को अधिक पारदर्शी बनाया है और निवेशकों के आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद की है. हाल के समय में कुछ भ्रम की स्थिति बनने पर रिजर्व बैंक ने यह दोहरा कर सही किया कि वह मुद्रास्फीति को लक्षित करने के विधिक अधिदेश का पालन करेगा. इसके अलावा वृहद आर्थिक स्थिरता में सुधार की एक वजह रिजर्व बैंक द्वारा बाह्य क्षेत्र का कुशल प्रबंधन भी है. उसने अवसरों का लाभ लेकर बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार खड़ा किया, जिसने मौद्रिक अस्थिरता को समाप्त किया. रिजर्व बैंक ने वृहद आर्थिक प्रबंधन को लेकर हाल के वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया है. बहरहाल, बैंकिंग नियमन और निगरानी में सुधार की गुंजाइश है. यह अच्छी बात है कि बैंकिंग क्षेत्र में फंसे हुए कर्ज में कमी आई है तथा इस समय यह क्षेत्र तकरीबन एक दशक में सबसे बेहतर स्थिति में है. परंतु यह तथ्य बरकरार है कि बैंकिंग क्षेत्र में वित्तीय संकट के पहले और बाद में रिजर्व बैंक की निगरानी में अतियों की स्थिति बनी. हालांकि यह सही है कि रिजर्व बैंक के पास सरकारी बैंकों के नियमन के मामले में सीमित शक्ति है. (बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

अंबर/अंबार

नीले अंबर में मंद-मंद मुस्कान बिखेरते चांद के बीच तारे झिलमिला रहे हैं. सड़कों पर कूड़ों का अंबार लगा है, लेकिन सफाई की ओर नगर निगम के अधिकारियों का ध्यान नहीं जा रहा है. इन वाक्यों को पढ़ने के बाद दो विपरीत भाव मानस पटल पर उभरते हैं. अंबर में चांद के बीच तारों का झिलमिलाना जहां मन आनंदमग्न हो जाता है, वहीं दूसरे वाक्य में सड़कों पर कूड़े का अंबार महसूस करते ही कष्ट और लाचारी का अनुभव होता है. एक कवि ने अपनी प्रेयसी की प्रशंसा में लिखा-गहरे सागर के जैसे ही चंचल नयन तुम्हारे, चमक रहे तेरे अंबर में अगणित चांद-सितारे. चांद-सितारे तो अंबर में चमकते हैं, लेकिन 'तेरे अंबर' का मतलब क्या हुआ? तो आप जानते हैं कि अंबर बहुअर्थी शब्द है. यहां अंबर का मतलब आकाश नहीं, बल्कि प्रेयसी की साड़ी है, जिसमें जड़े चांद-सितारे चमक रहे हैं. हिंदी शब्द सागर के अनुसार अंबर तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है आकाश, आसमान, शून्य, वस्त्र, कपड़ा, पट, महिलाओं के पहनने की एक प्रकार की किनारेदार धोती, कपास, बादल, मेघ, कश्मीरी केशर, परिधि, सामीप्य, ओष्ठ, दोष, बुराई. एक सुगंधित वस्तु को भी अंबर कहा जाता है, जो ह्वेल मछली या समुद्री मछलियों की अंतडियों में जमी रहती है और भारतवर्ष, अफ्रीका और ब्राजील में समुद्री किनारों पर बहती हुई पायी जाती है. इसके लिए ह्वेल मछलियों का शिकार भी किया जाता है. अंबर बहुत ही हल्का और शीघ्र जलनेवाला पदार्थ है. आंच दिखाने से यह भाप बनकर उड़ जाता है. इसका उपयोग दवाओं के निर्माण में होता है. अंबर एक प्रकार का इत्र भी होता है. दूसरे वाक्य का शब्द है अंबार. यह फारसी मूल का पुल्लिंग शब्द है. इसका मतलब है ढेर, समूह, रशि. इसी से बना शब्द है अंबारखाना. इस शब्द का प्रयोग गोदाम, भंडार या कबाड़खाना के लिए होता है. हाथी के पीठ पर रखने का हौदा को अंबारी कहा जाता है.

राजनीति और जनसेवा का तड़का है भ्रष्टाचार

• तीर-तुक्का

एस. के. पाण्डेय

चिम्मनलाल जी से पूछा गया कि आप तो जनतंत्र के समर्थक थे. आखिर भ्रष्टतंत्र में कैसे सम्मलित हो गए? आप लोगों ने जनतंत्र का इतना बुरा हाल क्यों कर दिया ? क्या आप जनतंत्र का कोई भी ऐसा तंत्र बता सकते हैं, जिसमें भ्रष्टाचार न हो? चिम्मनलाल जी बोले, भ्रष्टाचार है तो लेकिन इसमें बुरा क्या है? ज्यादा हैरान या परेशान होने की जरूरत नहीं है. भारत जैसे देश के लिए यह अच्छा संकेत है. सब समझ का फेर है. आप लोग इसे बुरा समझते हैं. और हम लोग अच्छा. दरअसल इसके बिना देश नहीं चल सकता. भ्रष्टाचार राजनीति और जनसेवा का तड़का है. जैसे दाल में तड़का देने से दाल स्वादिष्ट हो जाती है. वैसे ही भ्रष्टाचार से राजनीति और जनसेवा की मिठास बढ़ जाती है. भारत में भ्रष्टाचार का बहुत महत्व है. देश में भ्रष्टाचार को धर्म माना जाता रहा है और भ्रष्टाचारी की पूजा होती रही है. लाख भ्रष्टाचारी हो, चाहे कितना ही बड़ा घोटाला क्यों न किया हो ? उसे दुत्कारा नहीं जाता. लोग उसे पुचकारते रहे हैं. देश की जनता उसे सिर माथे पर बिठाती है. इतिहास देखिये उन्नीस सौ उनचास से आज तक कितने भ्रष्टाचारी हुए, कितने घोटाले हुए. लेकिन जनता ने नेता को कभी निराश नहीं किया. जिसको भ्रष्टाचारी कहा गया, जनता ने उसे ही भारी मतों से विजयी बना कर देश हित करने का कार्य-भार सौंप दिया. जिस पर जितने ही अधिक मुकदमे चल रहे होते हैं, हमारे देश की जनता उसे उतना ही योग्य राजनेता मानती है. हत्या, लूट और रेप इत्यादि के आरोपी को हमारी जनता देश हित के लिए योग्य समझती है. जनता जागरूक है, वह सब कुछ जानती है. अतः यदि भ्रष्टाचार बुरा होता तो जनता भ्रष्टाचारी के हाथ को और मजबूत क्यों करती? जनता हमारे पक्ष में है. और सदा रहेगी. जनता और नेता की ऐसे ही निभेगी. हमारी सभाओं में देखो हमारी आवाज सुनने व हमें देखने के लिए कैसा जन सैलाब उमड़ता है? हम उस समय भी भ्रष्ट थे जब हम जनता से वोट मांगने गए थे. भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भारतीय हैं. हमारे यहां खाने में अचार, व्यवहार में शिष्टाचार तथा शादी में द्वारचार होता है. और मर जाओ तो उठाने वाले भी चार होते हैं. मतलब हर जगह चार होता है. कुछ करने के लिए और न करने के लिए भी विचार होता है. कुछ करो या न करो पर प्रचार होता है.

लाइफ लाइन

बड़ी समस्या का संकेत हैं ये छोटे-छोटे लक्षण

डॉ दीपक चंद्रा प्रकाश
फिजीशियन व गहन रोग विशेषज्ञ, मेडिका, रांची

अचानक वजन घटने से लेकर तेज खर्राटों तक शरीर के इन बदलावों, लक्षणों की आमतौर पर हम अनदेखी करते हैं. यहां तक की डॉक्टर से जब किसी समस्या के बाबत बात करते हैं, मिलते हैं, तब भी इन बदलावों/लक्षणों को छोटी बात मान कर उनके सामने इसका जिक्र तक नहीं करते. लेकिन इन लक्षणों की अनदेखी स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है. ये लक्षण दरअसल शरीर के संकेत हैं जो बताते हैं कि आपको चिकित्सकीय सहायता की दरकार है. आइए, आज हम अपने शरीर के ऐसे ही 11 लक्षणों की बात करें जिन्हें हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए-

आवाज लड़खड़ाना

अस्पष्ट वाणी जैसे लक्षण गंभीर शारीरिक स्थिति की ओर संकेत करते हैं. यह कई कारणों से हो सकता है. यह रक्तस्रावी स्ट्रोक का लक्षण हो सकता है. मेटाबोलिक सिंड्रोम की स्थिति भी हो सकता है. जैसे-कम सोडियम स्तर (हाइपोनेट्रेमिया), लो ब्लड शुगर लेवल (हाइपोग्लाइसीमिया), लिवर से संबंधित मस्तिष्क संबंधी समस्याएं (हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी), ब्लड में अमोनिया का हाई लेवल (हाइपरमोनमिया), वायरल मस्तिष्क संक्रमण (वायरल एन्सेफैलोपैथी), जीवाणु संक्रमण से मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के आसपास सूजन (संक्रामक मैनिंजाइटिस) आदि के कारण भी हमारी जबान अस्पष्ट व लड़खड़ाहट भरी हो सकती है. ये लक्षण जब भी उभरे, इसकी गंभीरता को समझिए और तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें.

छाती में दर्द

भारत में पिछले कुछ समय से हार्ट रिलेटेड केसों में इजाफा हुआ है. नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक वर्ष 2022 में हार्ट अटैक के केस में 12.5% का इजाफा दर्ज किया गया है. इसी साल 32457 लोग हार्ट अटैक के कारण मौत के शिकार हुए. हालांकि छाती में होने वाला हर दर्द हार्ट अटैक का संकेत नहीं है.
हां, जब अचानक सीने में दर्द जबड़े से नाभि तक फैल जाए, साथ ही सीने में जलन या भारीपन महसूस हो, जो कभी-कभी दाएं या बाएं हाथ तक दर्द फैल जाए तो यह दिल का दौरा या कार्डियक अरेस्ट का संकेत हो सकता है. बहुत छोटे क्षेत्रों तक सीमित दर्द आमतौर पर दिल के दौरे का संकेत नहीं देता है. यह दर्द कुछ ही सेकंड में दूर हो जाता है या मुड़ने, झुकने या खांसने जैसी हरकतों से बढ़ जाता है. इस प्रकार का दर्द के कई अन्य कारणों से भी हो सकते हैं.

मानसिक स्थिति में अचानक का बदलाव

कई बार हम परिजनों के मानसिक स्थिति में अचानक बदलाव देखते हैं. सामान को कहीं रख कर भूल जाना, कंफ्यूजन या भटकाव की स्थिति में रहना. आमतौर पर यह मजाक या झुंझलाहट का विषय बनता है. लेकिन यह स्थिति न्यूरोलॉजिकल इमर्जेंसी का संकेत हो सकती है. स्ट्रोक, ट्रॉमेटिक ब्रेन इंजरी, गहरे इंफेक्शन, मेटाबॉलिक असंतुलन आदि इसके पीछे जिम्मेवार हो सकता है.

वजन का घटना

बहुत ज्यादा और तेजी से वजन का गिरना भी शरीर का खतरनाक संकेत है जिसकी उपेक्षा स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकती है. यदि पिछले छह महीने में साढ़े चार किलो से अधिक वजन का गिरना अच्छा संकेत नहीं. यह थायराइड रोग, डायबिटीज, गैस्ट्रोइनटेस्टिनल यहां तक कि कैंसर का संकेत भी हो सकता है.

मल-मूत्र में रक्त

यह भी एक गंभीर संकेत हो सकता है जिसकी उपेक्षा जान पर भारी पड़ सकती .आपके मूत्र या मल में रक्त गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव, मूत्र पथ के संक्रमण या कोलोरेक्टल कैंसर जैसी अधिक गंभीर स्थितियों का संकेत हो सकता है.

अत्यधिक थकान थकान महसूस होना

हम और आप कभी ना कभी अत्यधिक थकान से पीड़ित होते हैं. कई बार ब्रेक लेने या आराम करने से स्थिति में सुधार होती है. लेकिन ऐसा करने से सुधार नहीं हो और आपकी दिन प्रति दिन की लाइफ इससे प्रभावित हो तो यह एनीमिया, थायराइड विकार, अवसाद यहां तक की कैंसर जैसी बीमारियों का लक्षण भी हो सकता है.

ये कुछ अजीब से लक्षण

इन लक्षणों के अलावा कुछ अलग और अजीब से बदलाव भी हो सकते हैं. इनमें अत्यधिक प्यास लगना शामिल है. यह डायबिटीज, डिहाइड्रेशन और कुछ हार्मोनल असंतुलन का कारण हो सकता है. इसी तरह होठों और गले में खुजली, झुनझुनी हल्के से गंभीर एलर्जिक रिएक्शन का कारण हो सकता है.

फ्लैशेज और बढ़े हुए फ्लोटर्स

"फ्लैश" का अनुभव करने का अर्थ है आपकी दृष्टि में संक्षिप्त, चिंगारी जैसी चमक देखना. ये चमक एक या दोनों आंखों में हो सकती है और टेढ़ी-मेढ़ी रेखाओं के रूप में या अचानक प्रकाश के फूटने के रूप में प्रकट हो सकती है. दूसरी ओर, "बढ़े हुए फ्लोटर्स" आपके दृष्टि क्षेत्र (विजन फील्ड) में धब्बों, टेढ़े-मेढ़े तारों या धागे जैसे धागों आदि के अहसास कराते हैं. प्रकाश की चमक या फोटोप्सिया एक "सामान्य लक्षण" है जिसे ज्यादातर लोग अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार अनुभव करते हैं. आमतौर पर उम्र बढ़ने, उच्च माइनस पावर वाले लोग, पिछली आंख की सर्जरी, माइग्रेन और आंखों की स्थितियां जैसे विट्रोमैक्यूलर ट्रैक्शन या आंख का आघात आदि कारणों से ऐसा होता है. ये स्थिति आंखों के रेटिना की गंभीर स्थिति का सूचक भी हो सकती हैं. बेहतर है ऐसी स्थिति में तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें और उनके निर्देश पर आवश्यक जांच कराएं.

सांस की तकलीफ

यदि सांस की तकलीफ से गुजर रहे हैं तो तत्काल चिकित्सक से संपर्क करें .अचानक और गंभीर सांस फूलना गंभीर स्थितियों का संकेत देता है. यह फेफड़ों में संक्रमण, न्यूमोनिया, न्यूमोथोरैक्स, दिल की धड़कन रुकना आदि का संकेत हो सकता है. हालांकि पुरानी या धीरे-धीरे विकसित होने वाली सांस फूलना दिल की विफलता, पुरानी फेफड़ों की समस्याओं, नई फेफड़ों की समस्याओं, मांसपेशियों की थकान या एनीमिया, या यहां तक कि गुर्दे की विफलता के कारण भी हो सकती है.

आवाज कर्कश होना या खांसी

यह आमतौर पर सामान्य बात है लेकिन यदि आपकी आवाज लगातार आवाज बैठ रही है या खांसी हो रही है, तो कई गंभीर रोगों का संकेत हो सकती है. श्वासप्रणाली में संक्रमण या एलर्जी के कारण यह हो सकता है. कई बार ऐसा लक्षण गले के कैंसर के कारण भी हो सकता है.

जोर से खर्राटे लेना

खर्राटे एक आम समस्या है जिससे हम या हमारे परिजनों में कोई पीड़ित हो सकता है. कभी कभी इतनी तेज खर्राटे व्यक्ति लेता है कि उसके साथ किसी का सोना मुश्किल हो जाता है. अत्यधिक तेज़ खर्राटे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया का संकेत दे सकते हैं, एक ऐसी स्थिति जो गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है. अगर आप या किसी परिजन में तेज़ खर्राटे का लक्षण हाल ही में नजर आया है तो बेहतर हो कि डॉक्टर से संपर्क करें. यह दरअसल नींद के दौरान वायुमार्ग के क्षतिग्रस्त होने का संकेत देता है और ऑक्सीजन के स्तर में कमी और हृदय पर अत्यधिक तनाव का कारण बनता है, जिससे उच्च रक्तचाप, दिल की विफलता, मधुमेह की स्थिति बिगड़ सकती है और दिल का दौरा पड़ सकता है.

तब झटपट बढ़ेगा छुटकू

ऋषि रंजन
योग एक्सपर्ट

योग एक प्राचीन और संपूर्ण अभ्यास है जिसमें मन को दुरुस्त रखने के साथ-साथ शरीर को अलग-अलग तरीके से फायदे देना शामिल है. योगासन में ऐसे कई आसन हैं जिनमें बहुत अधिक स्ट्रेच और बैलेंस होता है, ये आपके बच्चे की हाइट बढ़ाने में बहुत फायदेमंद होते हैं. योग ग्रोथ हार्मोन बढ़ाने के लिए जाना जाता है और यह बड़ों की तुलना में बच्चों में नेचुरल तरीके से फायदा पहुंचाता है. योग के विशिष्ट अभ्यास इन ग्रोथ हार्मोन को एक्टिव करके 1 या 2 एक्स्ट्रा इंच हासिल करने में मदद करते हैं-

ताड़ासन

1. इसे करने के लिए पैर की उंगलियों और एड़ी को ऊंचा करके खड़े हो जाएं.
2. पेट की मसल्स को इसमें संगलन करें और कंधों को रिलैक्स रखे.
3. शरीर के वजन को दोनों पैरों पर समान रूप से संतुलित करते हुए 5-8 सांसों तक इस पोजिशन में रहें.
4. यह आसन बच्चे को लंबा और मजबूत रखने के लिए एक बेहतरीन मुद्रा है.

वृक्षासन

1. दाएं पैर को ऊपर उठाएं और बाएं पैर के भीतरी थाइज तक लाएं.
2. पैर को इस जगह पर रखें और शरीर के वजन को बाएं पैर पर बैलेंस करें.
3. जितना हो सके दाहिने पैर को पेल्विस पास रखें.

चक्रासन

1. इसे करने के लिए बच्चे पीठ के बल लेट जाएं.
2. पैरों को मोड़ें और पैरों को फर्श पर मजबूती से रखें.
3. बाहों को कंधों पर घुमाएं और हथेलियों को सिर के बगल में दोनों तरफ फर्श पर रखें.
4. एक आर्च बनाने के लिए पूरे शरीर को अंदर और ऊपर उठाएं.
5. गर्दन और सिर को पीछे रिलैक्स करने दें.

पादहस्तासन

1. इसे करने के लिए ऊपरी शरीर को धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए हिप्स से नीचे झुकें.
2. हथेलियों या उंगलियों तक पहुंचें और अपनी नाक को अपने घुटनों तक स्पर्श करें.

धनुरासन

1. इसे करने के लिए बच्चे पेट के बल लेट जाएं.
2. हथेलियों से एड़ियों को पकड़ने के लिए घुटनों को मोड़ें.
3. पैरों और बाहों को जितना हो सके ऊपर उठाएं.
4. थोड़ी देर के लिए आसन में रहें.

रोज खाएं लहसुन

सुबह खाली पेट लहसुन खाने से पाचन दुरुस्त रहता है. लहसुन स्ट्रेस को कंट्रोल कर पेट में एसिड बनाने से रोकने का काम करता है. बता दें कि नर्वस होने पर पेट में एसिड बनता है, जिससे पेट दर्द, कब्ज जैसी समस्याएं होती हैं. इसलिए अगर आप उन लोगों में से हैं जो अपने पाचन तंत्र से हमेशा परेशान रहते हैं तो प्रतिदिन लहसुन खाने की आदत डाल लें. खाली पेट लहसुन खाने से इम्यूनिटी भी मजबूत होती है. एंटीवायरल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होने के कारण यह आपको किसी भी संक्रमण से लड़ने में मदद करेगा और आपके इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाएगा. अगर आपको दिल से संबंधित कोई समस्या है तो लहसुन की एक कली आपके लिए वरदान हो सकती है. लहसुन में एलिसिन नामक कंपाउंड पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर के लेवल को कम करने में मदद करता है. यह कोलेस्ट्रॉल और लो डेंसिटी वाले लिपोप्रोटीन को कम कर सकता है, जो कि खराब कोलेस्ट्रॉल का एक रूप है.
अगर आपको या किसी परिजन को ब्लड शुगर की प्रॉब्लम है तो उन्हें लहसुन खाने-खिलाने की सलाह जरूर दें. ये न सिर्फ शुगर को कम करेगा बल्कि लेवल को भी को कंट्रोल में रखेगा. इतना ही नहीं कुछ अध्ययनों से यह भी पता चला है कि कैंसर से जैसी भयानक बीमारी से लड़ने में भी लहसुन मदद कर सकता है.

खांसी के ये घरेलू नुस्खे

इन दिनों सूखी खांसी से लोग खूब परेशान हैं. खास तौर पर रात में सूखी खांसी बहुत ज्यादा परेशान करती है. यह दिन के मुकाबले रात में अधिक दिक्कत देती है. सूखी खांसी होने पर व्यक्ति में खांसी के अलावा और भी कई तरह के लक्षण नजर आ सकते हैं, जैसे कि गले में कुछ अटका हुआ महसूस होना, खांसते समय कफ का साथ में आना, खांसते समय हांफना, सोते समय लगातार खांसी आना आदि. अगर आप या परिजन खांसी से परेशान हैं तो ये उपाय अपना सकते हैं-
एक चम्मच शहद में अदरक का डाल कर सेवन करें. गर्म पानी में शहद और नींबू के रस के साथ अदरक के रस को मिला कर भी सेवन किया जा सकता है.
हर्बल टी, जैसे कि ब्लैक टी, लेमन टी, ग्रीन टी और जिंजर टी भी सूखी खांसी में राहत दिला सकते हैं. गरम पानी में नमक मिलाकर गरारे करने से गले की सूजन कम होती है और सूखी खांसी में राहत मिलती है. ड्राई कफ से राहत पाने के लिए अदरक का सेवन भी एक अच्छा घरेलू उपचार है. एक गिलास गरम दूध में आधा चम्मच ताजी हल्दी और एक चम्मच शहद मिलाकर पिएं. इससे भी आपको काफी आराम मिलेगा और गले में दर्द की समस्या ठीक होगी. सूखी खांसी होने पर लौंग का सेवन भी लाभप्रद है.

तेज है धूप, जरा संभल कर

अभी पिछले महीने तक हम ठंड के प्रकोप में थे और अप्रैल के प्रथम सप्ताह से ही गर्मी के तेवर से परेशान हैं. अभी से लोगों का गर्म हवा यानी हीट वेव में बाहर बुरा हाल हो रहा है. आने वाले समय में इसका प्रकोप और बढ़ना तय है. लू लगना, हीट स्ट्रोक ऐसी स्थिति है, जिसका तुरंत इलाज ना कराया जाए तो व्यक्ति की मौत भी हो सकती है. बेहतर है कि आप घर से बाहर जाने के समय कुछ बातों और सावधानियों को अपनाकर खुद को लू, हीट स्ट्रोक से बचाए रखें-

भरपूर पानी पिएं

इस मौसम में धूप में घूमने से पसीना अधिक निकलता है. ऐसे में पर्याप्त पानी ना पिया जाए तो शरीर में पानी की कमी हो सकती है और आप डिहाइड्रेशन के शिकार हो जाएंगे. शरीर में पानी की कमी होने पर हीट स्ट्रोक, लू लगने की आशंका भी बढ़ जाती है. जितना संभव हो, उतना पेय पदार्थ लें.

जरुरत पर ही निकलें बाहर

धूप में तभी निकलें जब बहुत जरूरी हो. निकलने से पहले खुद को अच्छे से कवर करें. कुछ खा-पी कर ही धूप में निकलें. छाता साथ रखें. स्कार्फ, फुल बाजू वाली शर्ट, टोपी सब पहनें.

हल्के रंग के कपड़े पहनें

धूप में जब भी बाहर निकलें तब अधिक गहरे रंग के और टाइट कपड़े ना पहनें. इससे पसीना अधिक आता है. गहरे रंग के कपड़ों में गर्मी अधिक लगती है. जब भी बाहर निकलें सूती के हल्के रंग के ढीले-ढाले कपड़े पहनें.

मसालेदार भोजन ना करें

अधिक तेल और मसालेदार भोजन नहीं करें. स्ट्रीट फूड का सेवन नहीं करें. घर का बना ताजा खाना खाएं. आहार में दही, लस्सी, छाछ, नारियल पानी, मौसमी सब्जियों और फलों को शामिल करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

आत्मविश्वास से भरी टाइटंस के खिलाफ हार से राह हो सकती है मुश्किल

पंजाब को गुजरात के गेंदबाज देंगे चुनौती

एजेंसी। अहमदाबाद

मयंक यादव की तूफानी गेंदबाजी के सामने ध्वस्त हुए पंजाब के बल्लेबाजी क्रम को गुरुवार को यहां मोटेरा की धीमी पिच पर गुजरात टाइटंस के गेंदबाजों की कड़ी चुनौती का सामना करना होगा. पंजाब ने विरोधी के मैदान पर अपने पिछले दो मुकाबले गंवाए हैं और टाइटंस के खिलाफ हार से उसकी राह मुश्किल हो सकती है. वहीं टाइटंस पिछले मैच में हैदराबाद पर सात विकेट की आसान जीत के बाद आत्मविश्वास से भरी है.

150 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे है मयंक

मयंक व मोहित से निपटना पंजाब किंग्स के लिए चुनौती : पंजाब किंग्स की टीम के पास पिछले मैच में मयंक की गति का कोई जवाब नहीं था और उसके शीर्ष क्रम के अधिकांश बल्लेबाज नियमित रूप से 150 किमी प्रति घंटा से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे इस तेज गेंदबाज का सामना करने के लिए तैयार नहीं थे. मयंक बल्लेबाजों के शरीर को लक्ष्य बनाकर गेंदबाजी कर रहे हैं जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है. अनुभवी तेज गेंदबाज मोहित शर्मा के सामने पंजाब को अलग तरह की चुनौती का सामना करना पड़ेगा. मोहित नकल बॉल, धीमे बाउंसर और वाइड यार्कर का काफी अच्छा इस्तेमाल करते हैं और इस साल आईपीएल में मयंक के अलावा ऐसे तेज गेंदबाज अधिक सफल रहे हैं जो अच्छी धीमी गेंदबाजी करने में सक्षम हैं. इससे शिखर धवन, जॉनी बेयरस्टो और जितेश शर्मा जैसे बल्लेबाजों को अलग तरह की चुनौती का सामना करना होगा जिन्हें गेंद का बल्ले पर आना पसंद है. वहीं पिछले मैच में पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट के बाद अगर लियाम लिविंगस्टोन अनुपलब्ध रहते हैं तो पंजाब की मुसीबत और बढ़ जाएगी.

हर्षल पटेल व राहुल चाहर ने किया है निराशाजनक प्रदर्शन

वहीं टाइटंस की टीम में शामिल अफगानिस्तान के तीसरे खिलाड़ी अजमतुल्लाह ओमरजई अपने ऑलराउंड कौशल से पंजाब किंग्स की मुश्किलें बढ़ा सकते हैं. पंजाब की बल्लेबाजी से अधिक चिंता का विषय उसकी गेंदबाजी है, विशेषकर डेथ ओवरों में. दस लाख डॉलर से अधिक की कीमत पर टीम से जुड़ने वाले खिलाड़ियों में से एक हर्षल पटेल ने मौजूदा सत्र में अब तक निराश करते हुए 11.41 की इकोनॉमी रेट से रन दिए हैं. उन्होंने अब तक सभी तीन मैच में अपने कोटे के चार ओवर पूरे किए हैं. राहुल चाहर ने भी काफी निराश करते हुए 11.37 की इकोनॉमी रेट से रन दिए हैं और वह तो अपने कोटे के ओवर भी पूरे नहीं कर पाए. भारत के डेथ ओवरों के यॉर्कर विशेषज्ञ अर्शदीप सिंह भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं, जिसने पंजाब की मुश्किलों को बढ़ा दिया है. टाइटंस ने गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपनी योजनाओं को काफी अच्छी तरह से क्रियान्वित करते हुए शानदार प्रदर्शन किया. बल्लेबाज अब तक एकजुट प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं लेकिन गेंदबाजी इकाई ने शुरुआती मैच में स्कोर का बचाव किया और पिछले मैच में सनराइजर्स को बड़ा स्कोर बनाने से रोककर अपना कौशल दिखाया.

टीम इस प्रकार हैं

- **गुजरात टाइटंस :** शुभमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, मैथ्यू वेड, रिद्धिमान साहा, रोबिन मिंज, केन विलियमसन, अभिनव मंधार, बी साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, विजय शंकर, अजमतुल्लाह उमरजई, शाहरुख खान, जयंत यादव, राहुल तेवतिया, कार्तिक त्यागी, सुशांत मिश्रा, स्पेंसर जॉनसन, नूर अहमद, साई किशोर, उमेश यादव, राशिद खान, जोशुआ लिटिल, मोहित शर्मा और मानव सुथार.
- **पंजाब किंग्स :** शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व ताइडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम कुरेन, कागिसो रबादा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया , विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी और रिली रोसेयु.

सुनील की आक्रामक बल्लेबाजी केकेआर की दिल्ली पर बड़ी जीत

डीसी बल्ले और गेंद दोनों से मैच में कहीं नजर ही नहीं आई

एजेंसी। विशाखापत्तनम

सुनील नारायण की आक्रामक बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर कोलकाता नाइट राइडर्स ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 106 रन से हराया. नारायण के 39 गेंद में 85 और अंगकृष रघुवंशी के 27 गेंद में 54 रन की मदद से केकेआर ने सात विकेट पर 272 रन बनाये और आईपीएल के इतिहास का सर्वोच्च स्कोर के रिकॉर्ड की बराबरी करने से पांच रन से चूक गई.

दिल्ली की टीम बल्ले और गेंद दोनों से मैच में कहीं नजर ही नहीं आई. कप्तान ऋषभ पंत ने लगातार दूसरा अर्धशतक जमाया जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने भी 54 रन की पारी खेली लेकिन इनके अलावा कोई बल्लेबाज टिक नहीं सका और पूरी टीम 17 . 2 ओवर में 166 रन पर सिमट गई. पंत और स्टब्स ने 93 रन की साझेदारी की लेकिन तब तक बीस रन प्रति ओवर की दर से रन बनाने थे. केकेआर के लिये वैभव अरोरा ने तीन विकेट लिये, जबकि उसके सबसे महंगे खिलाड़ी मिचेल स्टार्क ने पावरप्ले में ही सफलता दिलाई. दिल्ली की टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिली और विकेट लगातार गिरते रहे. इससे पहले अपना आक्रामक फॉर्म जारी रखते हुए नारायण ने दिल्ली के सभी गेंदबाजों की धुनाई की. उन्होंने 39 गेंद में सात छक्कों और सात चौकों की मदद से 85 रन बनाये. दिल्ली ने उन्हें 53 के स्कोर पर जीवनदान दिया जो महंगा साबित हुआ और नारायण ने टी-20 क्रिकेट में अपना सर्वोच्च स्कोर बना डाला. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ अपने पहले आईपीएल मैच में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिलने के बाद रघुवंशी ने 27 गेंद में 54 रन बनाये. नारायण और रघुवंशी ने 48 गेंद में 104 रन की साझेदारी की. आंद्रे रसेल ने 19 गेंद में 41 और रिंकू सिंह ने आठ गेंद में 26 रन बनाये. दिल्ली के गेंदबाजों ने टीम के इतिहास में किसी मैच में सबसे ज्यादा रन गंवाये. केकेआर के बल्लेबाजों ने 18 छक्के और 28 चौके जड़े.

शिवम मावी चोटिल होने के कारण आईपीएल से बाहर

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाइंट्स के तेज गेंदबाज शिवम मावी पसली की चोट से उबरने में नाकाम रहे और इस कारण वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में नहीं खेल पाएंगे. इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने अपना अंतिम प्रतिस्पर्धी मैच पिछले साल अगस्त में खेला था. वह उत्तर प्रदेश की तरफ से घरेलू सत्र में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे लेकिन वह लखनऊ सुपर जाइंट्स के सत्र से पहले लगाए गए अभ्यास शिविर में शामिल हुए थे. मावी पिछले साल अगस्त में चोटिल हो गए थे.

हार्दिक शांत रहकर अपने प्रदर्शन से दें जवाब

भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने मुंबई इंडियंस के नए कप्तान को दी सलाह

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि अगर हार्दिक पंड्या को कप्तान नियुक्त करते समय मुंबई इंडियंस ने संवाद में स्पष्टता दिखाई होती तो इस ऑलराउंडर के प्रति प्रशंसकों की कड़ी प्रतिक्रिया से बचा जा सकता था. शास्त्री ने इसके साथ ही हार्दिक को शांत बने रहने और अपने प्रदर्शन से जवाब देने की सलाह भी दी. उन्होंने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा, 'यह भारतीय क्रिकेट टीम नहीं है जो खेल रही है. यह फ्रेंचाइजी क्रिकेट है. उन्होंने मोटी धनराशि खर्च की है. वह मालिक हैं और कप्तान नियुक्त करना उनका अधिकार है. मेरा मानना है कि इस मामले को संवाद में स्पष्टता के साथ बेहतर तरीके से निपटा जा सकता था.

शास्त्री ने कहा, 'अगर आप चाहते थे कि हार्दिक पंड्या कप्तान बने तो यह कह सकते थे कि हम भविष्य को ध्यान में रखकर ऐसा कर रहे हैं. रोहित शर्मा ने बेहतरीन भूमिका निभाई है और हम सभी इस बात को जानते हैं. हम चाहते हैं कि टीम को आगे बढ़ाने के लिए वह अगले तीन वर्ष तक हार्दिक की मदद करें.' मुंबई इंडियंस ने वर्तमान सत्र से पहले रोहित शर्मा की जगह हार्दिक को कप्तान नियुक्त किया था. उनकी कप्तानी में टीम पहले तीन मैच में जीत नहीं दर्ज कर पाई. शास्त्री ने कहा, 'हार्दिक को मेरी सलाह होगी कि शांत रहें, धैर्य रखें, नजरअंदाज करें और सिर्फ अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें. मुंबई इंडियंस की टीम शानदार है और अगर वह लय हासिल कर लेते हैं तो लगातार तीन या चार मैच जीत सकते हैं और फिर यह मसला दब जाएगा.'

यहां बता दें कि मुंबई इंडियंस को अपना अगला मैच 7 अप्रैल को वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलना है.

बांग्लादेश में टी-20 शृंखला खेलेगी भारत की महिला क्रिकेट टीम

ढाका। भारतीय महिला क्रिकेट टीम 28 अप्रैल से 9 मई तक बांग्लादेश के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए इस देश का दौरा करेगी. बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) द्वारा साझा किए गए यात्रा कार्यक्रम के अनुसार भारत 23 अप्रैल को बांग्लादेश पहुंचेगा और 10 मई को स्वदेश के लिए रवाना होगा. श्रृंखला का पहला मैच दिन-रात का होगा और 28 अप्रैल को खेला जाएगा. अन्य मुकाबले 30 अप्रैल (दिन-रात्रि), 2 मई, 6 मई और 9 मई (दिन-रात्रि) को खेले जाएंगे. सभी मैच सिलहट में खेले जाएंगे.

मुझे ऐसा कौशल नहीं चाहिए, जिसमें अपनी गति से समझौता करना पड़े

एजेंसी। बेंगलुरु

प्रतिभाशाली तेज गेंदबाजों को अक्सर अपनी गेंदबाजी में विविधता जोड़ने के लिए गति कम करने की सलाह दी जाती है, लेकिन अपनी तूफानी गेंदबाजी के कारण चर्चा में चल रहे मयंक यादव को दिल्ली के उनके सीनियर साथी इशांत शर्मा ने अतिरिक्त कौशल जोड़ने के लिए गति से समझौता नहीं करने की सलाह दी है. मयंक ने रॉयल चैलेंजर बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 156.7 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद की जो आईपीएल के वर्तमान सत्र में सबसे तेज गेंद है. मयंक ने इसके बाद भारत की तरफ से 100 से अधिक टेस्ट मैच खेलने वाले इशांत और एक अन्य तेज गेंदबाज नवदीप सैनी से मिली सलाह के बारे में जिक्र किया. उन्होंने जिओ सिनेमा से कहा, 'दिल्ली में मैंने जितने भी गेंदबाजों से बात की उनमें इशांत भाई और सैनी भाई ने मुझसे कहा कि कि अगर मैं कुछ नया जोड़ना चाहूं, तब भी इसी गति से गेंदबाजी करना.' मयंक ने कहा,'अगर मैं अपनी गेंदबाजी में नया कौशल जोड़ना चाहता हूं तो इसे अपनी गति को बरकरार रखते हुए ही जोड़ना चाहिए. मुझे किसी तरह का ऐसा कौशल नहीं चाहिए जिसमें मुझे अपनी गति से समझौता करना पड़े.' आरसीबी के खिलाफ चार ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट लेने वाले मयंक ने कहा कि उनका ध्यान हमेशा विकेट हासिल करने पर लगा रहता है. उन्होंने कहा, 'मेरा ध्यान गति पर उतना नहीं होता है जितना विकेट लेने और विकेट लेकर टीम के लिए योगदान देने पर रहता है. हालांकि गेंदबाजी करते समय मेरे दिमाग में यह बात रहती है कि जब भी मैं गेंद करूं तो उसकी गति अच्छी होनी चाहिए.' मयंक ने कहा, 'मैच के बाद मैं हमेशा लोगों से जरूर पूछता हूं कि मैच में सबसे तेज गेंद की गति कितनी थी लेकिन मैच के दौरान मैं केवल अपनी गेंदबाजी पर ध्यान केंद्रित करता हूं.

मयंक की गति व गेंदबाजी से काफी प्रभावित हैं रबादा

नयी दिल्ली। मयंक यादव की तेज गति और सटीक गेंदबाजी से बेहद प्रभावित दक्षिण अफ्रीका और पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज कागिसो रबादा इस तेज गेंदबाजी सनसनी को टी-20 विश्व कप के लिए भारत की टीम में 'संभावित चयन' के रूप में देखते हैं. दिल्ली का यह 21 वर्षीय खिलाड़ी हर मैच में गति के नए कीर्तिमान बना रहा है और मंगलवार की रात उसने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 156.7 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी. उन्होंने अपने पहले सत्र में लगातार दूसरी बार मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का खिताब जीता जिससे लखनऊ सुपर जाइंट्स को शानदार जीत मिली. रबादा की टीम पंजाब किंग्स को पिछले हफ्ते मयंक की शॉर्ट-पिच गेंदों की बौछार का सामना करना पड़ा था जब पदार्पण करने वाले इस खिलाड़ी ने तीन विकेट चटकाए थे. खेल के सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाजों में से रबादा की सटीक गेंदबाजी पर बात की.

रबादा ने पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, 'उसके पास कुछ ऐसा है जिसे आप खरीद नहीं सकते और वह है उसकी गति. वह इसका फायदा उठा रहा है और काफी अच्छी तरह ऐसा कर रहा है.

अनमोल खरब प्री क्वार्टर फाइनल में

कजाकिस्तान चैलेंज में हमवतन मालविका की कड़ी चुनौती की पार

एजेंसी। अस्ताना

भारत की युवा खिलाड़ी अनमोल खरब ने हमवतन मालविका बांसोड़ की कड़ी चुनौती से पार पाकर बुधवार को यहां कजाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय चैलेंज बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता और मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन 17 वर्षीय अनमोल ने मालविका को 59 मिनट तक चले मैच में 21-13, 22-20 से पराजित किया. विश्व में 333वें नंबर की खिलाड़ी अनमोल अगले दौर में इंडोनेशिया की 21 वर्षीय खिलाड़ी नुरानी रातू अज़ाहरा से भिड़ेंगी.

अनमोल को इससे पहले क्वालीफिकेशन दौर में कजाकिस्तान की कामिला स्मगुलोवा से वॉकओवर मिला और फिर उन्होंने मलेशिया की कैसी रिन रोमपोग को 21-91, 21-9 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह पक्की की. महिला एकल में प्री क्वार्टर फाइनल मैचों में अनुपमा उपाध्याय ने क्वालीफायर हर्षिता राउत को 21-13, 21-13 से, तान्या हेमंत ने क्वालीफायर ऐशानी तिवारी को 21-19, 21-10 से और केयूरा मोपति ने मैक्सिको की वेनेसा मैरिसेला गार्सिया को 21-18, 21-13 से हराया. क्वालीफायर अनेरी कोटक को पोलैंड की विक्टोरिया डाबजिस्का से वॉकओवर मिला. मिश्रित युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में भारत के धनराज श्रीवत्स और मनीषा के ने मखसुत ताजिबुल्लायेव और रोमुआल्डा बतिरोवा की कजाकिस्तान की जोड़ी को 21-5, 21-12 से, जबकि रोहन कपूर और रुथविका शिवानी की भारतीय जोड़ी ने उज्बेकिस्तान के बिलोलिद्दीन कुचकारबोव और डायना गारमोवा को 21-16, 21-11 से हराया. मिश्रित युगल में ही भारत के अभ्युदय चौधरी और वैष्णवी खडकेकर की जोड़ी ने कजाकिस्तान के अर्नूर तापिशेव और अलीसा कुलेशोवा को 21-5, 21-9 से, जबकि आयुष राज गुप्ता और श्रुति स्वैन ने कजाकिस्तान की जोड़ी को 21-11, 21-11 से पराजित किया.

खास बातें

- 59 मिनट तक चले मैच में 21-13, 22-20 से दर्ज की जीत
- अगले दौर में इंडोनेशिया की खिलाड़ी अज़ाहरा से भिड़ेंगी

श्रीलंका ने दूसरा टेस्ट मैच जीतकर किया क्लीन स्वीप

- मेहमान टीम ने बांग्लादेश में टेस्ट मैच नहीं हारने का रिकॉर्ड रखा बरकरार

एजेंसी। चट्टोग्राम (बांग्लादेश)

तेज गेंदबाज लाहिरू कुमारा ने 50 रन देकर चार विकेट लिये, जिससे श्रीलंका ने बुधवार को यहां दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में बांग्लादेश को 192 रन से हराकर दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया. श्रीलंका ने पहला टेस्ट मैच 328 रन से जीता था तथा दूसरे मैच में जीत से उसने बांग्लादेश में टेस्ट मैच नहीं हारने का रिकॉर्ड बरकरार रखा. श्रीलंका ने इससे पहले टी-20 श्रृंखला में 2-1 से जीत हासिल की थी. वनडे श्रृंखला में हालांकि वह इसी अंतर से हार गया था. बांग्लादेश ने 511 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच के पांचवें और अंतिम दिन सुबह 7 विकेट पर 268 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और उसकी पूरी टीम 318 रन पर आउट हो गई. मेहदी हसन मीराज 81 रन बनाकर नाबाद रहे. उन्होंने अपनी पारी में 100 गेंद खेली और 14 चौके लगाए. कामिंदु मेंडिस ने दिन के चौथे ओवर में ही ताइजुल इस्लाम को आउट करके श्रीलंका को दिन की पहली सफलता दिलाई. कुमारा ने इसके बाद हसन महमूद और सैयद खालिद अहमद को आउट करके श्रीलंका को जीत दिलाई. श्रीलंका ने अपनी पहली पारी में 531 रन बनाए. छह बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए. इस तरह किसी भी बल्लेबाज के शतक लगाए बिना सर्वोच्च स्कोर का रिकॉर्ड बनाया.

भारतीय हॉकी टीम के उप कप्तान बोले मामा उन्हें प्रेरित नहीं करते तो वह अपना सपना छोड़ने के कगार पर थे

हार्दिक ने जुगराज सिंह को दिया करियर को दिशा देने का श्रेय

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप कप्तान हार्दिक सिंह को अगर अपने मामा और भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह से समय पर सलाह नहीं मिलती तो वह 2017 में ही नीदरलैंड चले जाते जब वह राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे थे लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी. पंजाब के जालंधर के समीप खुसरोपुर गांव के रहने वाले मिडफील्डर हार्दिक ने कहा कि अगर उनके मामा जुगराज उन्हें एकाग्र रहने के लिए प्रेरित नहीं करते तो वह भारत के लिए खेलने का अपना सपना छोड़ने की कगार पर थे.

हार्दिक ने 'पीटीआई' से विशेष बातचीत में कहा, '14 साल की उम्र में मोहाली हॉकी अकादमी से जुड़ने के बाद मैं सब-जूनियर स्तर से सीनियर स्तर तक अच्छी गति से आगे बढ़ा. लेकिन कुछ वर्षों के बाद, मैंने खुद को ऐसी स्थिति में पाया जहां मैंने आत्मविश्वास खो दिया था क्योंकि राष्ट्रीय शिविर के लिए नजरअंदाज किया जा रहा था.' उन्होंने कहा, 'उस समय, 2017 में, मैंने क्लब हॉकी खेलने के लिए नीदरलैंड में स्थानांतरित होने के बारे में सोचा था. मैंने भारत का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीद छोड़ दी थी. अगर उन्होंने (जुगराज) उस समय मेरा मार्गदर्शन नहीं किया होता तो मैं यहां नहीं होता. जब आप अच्छा कर रहे होते हैं तो आपको अच्छे मार्गदर्शन की जरूरत होती है.' हार्दिक ने कहा, 'उन्होंने मुझे देश में हॉकी को और अधिक देखने तथा अपने खेल में सुधार करने की सलाह दी. उस समय मैं 18-19 साल का था इसलिए मैंने सोचा कि स्वयं को कुछ और समय दिया जाए.' उन्होंने कहा, 'उन्होंने (जुगराज) मुझसे कहा कि उम्र आपके पक्ष में है. आपके पास खेल है, आप भारत में रहकर भी चमक सकते हैं. घरेलू टीमों के लिए खेलें और अपना कौशल दिखाएं ताकि लोग आपके बारे में जान सकें.' कहा, 'अगर उनका मार्गदर्शन नहीं होता तो मैं आज यहां नहीं होता क्योंकि मेरे पास इतना धैर्य नहीं था.'

हार्दिक की सफलताएं पूरे परिवार के लिए गर्व की बात : जुगराज

हार्दिक के भारत में रुकने के फैसले के वांछित परिणाम मिले क्योंकि वह भारतीय टीम में मिडफील्ड का अहम हिस्सा बने और टोक्यो ओलंपिक में कांस्य तथा हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे. वह 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता भारतीय टीम का भी हिस्सा थे. हाल ही में हार्दिक को अंतराष्ट्रीय हॉकी महासंघ के साथ-साथ हॉकी इंडिया का भी साल का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया. जुगराज ने कहा कि एक खिलाड़ी के रूप में हार्दिक को भी असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने उसे देश का प्रतिनिधित्व करने के महत्व के बारे में याद दिलाया और इससे उसको प्रेरणा मिली. उसने अब तक जो हासिल किया है वह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात है लेकिन सफर अभी खत्म नहीं हुआ है.

पाक के खिलाफ टी-20 शृंखला में ब्रेसवेल को न्यूजीलैंड की कमान

भाषा। ऑकलैंड

न्यूजीलैंड ने अपने शीर्ष खिलाड़ियों के आईपीएल में व्यस्त होने के कारण पाकिस्तान के खिलाफ इस महीने शुरू होने वाली पांच मैच की टी-20 श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को कप्तान नियुक्त किया है. यह पहला अवसर होगा जब 33 वर्षीय ब्रेसवेल न्यूजीलैंड की कप्तानी करेंगे. न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिच सेंटनर और केन विलियमसन जैसे खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं, जबकि आगे के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए टिम साउदी के नाम पर विचार नहीं किया गया. चोटिल होने के कारण ब्रेसवेल पिछले साल मार्च से बाहर थे. उन्होंने दो साल पहले ही अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था. टीम में पिछले साल टी-20 विश्व कप में खेलने वाले सात खिलाड़ी शामिल हैं. टीम में बल्लेबाज टिम रॉबिन्सन और तेज गेंदबाज विल ओ''रूर्के के रूप में दो नए चेहरे भी शामिल हैं. पहला मैच 18 अप्रैल को रावलपिंडी में खेला जाएगा. **टीम:** माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), फिन एलन, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन, जैकब डफी, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, बेन लिस्टर, कोल मैककोन्ची, एडम मिल्ने, जिमी नीशम, विल ओरूर्के, टिम रॉबिन्सन, बेन सियर्स, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), ईश सोढ़ी.

ब्रीफ खबरें

फर्नीचर व्यवसायी को मारी गोली, घायल

पूर्वी चंपारण । जिले के छौड़ादानो अंचल क्षेत्र में मंगलवार की रात बैखौफ अपराधियों ने एक फर्नीचर व्यवसायी को गोली मार कर घायल कर दिया. घटना महुआवा ओपी थाना से महज कुछ सौ मीटर की दूरी पर स्थित महुआवा सैनिक रोड के समीप की बताई जा रही है. गोली लगने से घायल फर्नीचर व्यवसायी को गंभीर अवस्था में मोतिहारी लाया गया. जहां एक निजी नर्सिंग होम में इलाज चल रहा है. घायल व्यवसायी की पहचान महुआवा गांव निवासी करीब 35 वर्षीय राकेश ठाकुर के रूप में हुई है.

बिजली की चिंगारी से जल गया 50 बीघा गेहूं

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के गिरियक थाना क्षेत्र अंतर्गत रैतर तथा काली बीघा गांव के किसानों के खेत में लगी 50 बीघा गेहूं की फसल बिजली की तार से चिंगारी से की जलकर राख हो गई. बिजली की चिंगारी से रैतर गांव के जगदीश प्रसाद, दानी महतो, नरेश महतो, हरि महतो, सुबोध भोला यादव सहित सैकड़ों किसान का 50 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई. मौके पर गिरियक थाना प्रभारी राजू रंजन एवं प्रखंड पदाधिकारी पवन ठाकुर, गिरियक अंचलाधिकारी एवं फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंचकर आग को काबू किया गया, उससे पहले ग्रामीणों के द्वारा आग को बुझाया गया.

बेगूसराय में किसान की करंट लगने से मौत

बेगूसराय । बेगूसराय में बिजली का करंट लगने से एक किसान की मौत हो गई. घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदीरी पंचायत-चार स्थित बहियार की है. मृतक किसान की पहचान सिंघौल थाना क्षेत्र के रचियाही कचहरी टोला निवासी जागेश्वर राय के पुत्र सत्यनारायण राय (60) के रूप में की गई है. घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है. बताया जा रहा है कि राय मवेशी के लिए चारा लाने के लिए दियारा बहियार की ओर गए थे. चारा लेकर लौटने के दौरान बिछाए गए तार की चपेट में आ गए.

पूर्णिया लोकसभा : लोगों से अपने लिए मांगा आशीर्वाद

महागठबंधन से बीमा भारती ने नामांकन पर्चा दाखिल किया

संवाददाता । पूर्णिया

पूर्णिया लोकसभा सीट से महागठबंधन तथा राजद की प्रत्याशी पूर्व मंत्री बीमा भारती ने बुधवार को अपना नामांकन दाखिल किया. नामांकन से पहले बहुत सारे अपने समर्थकों और लोगों से अपने लिए आशीर्वाद मांगा. मंगलवार को भी बीमा भारती ने अपनी पुत्री के साथ पूर्व सांसद पप्पू सिंह से मिलकर उनसे आशीर्वाद मांगा था. नामांकन के वक्त राजद की एमएलसी उर्मिला ठाकुर ,धमदाहा के पूर्व विधायक दिलीप यादव तथा प्रदेश सचिव अमोद यादव मौजूद थे.

तेजस्वी का मोदी से सीधा सवाल

40 सांसद होते हुए भी बिहार के लोगों के लिए पीएम ने क्या किया

पटना । नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव बुधवार को मीडिया से बातचीत के दौरान पीएम मोदी पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि बिहार में एनडीए के 40 में से 39 सांसद हैं, लेकिन बिहार के लिए इन लोगों ने कुछ नहीं किया. 2014 से अब तक पीएम मोदी ने अपना कोई वादा पूरा नहीं किया. ना महंगाई पर कुछ बोलते हैं, न बेरोजगारी पर बोलते हैं. 400 पार की बात मोदी जी करते हैं, लेकिन बिहार को लेकर उनके पास क्या विजन है? बिहार के लिए क्या कुछ अलग करेंगे? इसके बारे में कुछ नहीं बताते हैं. बिहार में लोक सभा चुनाव में जिलों के जो लोकल मुद्दे रहेंगे, उसको हम उठाएंगे.

एआईएमआईएम प्रत्याशी अख्तरुल ईमान ने किशनगंज से किया नामांकन

किशनगंज । एआईएमआईएम प्रत्याशी व पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने बुधवार को नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया है. अख्तरुल ईमान ने कहा कि हमने 13 सीटों का ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि किशनगंज के सभी सम्मानित वोटरों से गुजारिश करेंगे कि वोट देकर कामयाब बनाएं. हम सीमांचल सहित पूरे देश और देश के बाहर रहने वाले लोगों से कहेंगे कि मेरे लिए दुआ कीजिए. मदद कीजिए, क्योंकि आजादी के 77 साल के दरम्यान किशनगंज सहित सीमांचल को लूटा गया है. हमने टैक्स के रुपए दिए, इन्होंने दिल्ली को संवारा. हमने वोट दिया, इन्होंने अपनी हुकूमत बनाई है. यहां की आबादी के साथ हिन्दू-मुस्लिम दलित अगरा-पिछड़ा का बुरा हाल है. इस क्षेत्र के मुसलमानों की हालत अत्यंत खराब है. यहां के लोग बीमार सबसे ज्यादा है.

घास काट रही लड़की के साथ किया दुष्कर्म

सीतामढ़ी । सीतामढ़ी के नानपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 12 साल की लड़की के साथ हैवानियत हुई है. वह सरेह में घास काटने गयी थी. इसी दौरान उसके साथ दुष्कर्म किया गया. उसके साथ तब तक हैवानियत की गई जब तक वह बेहोश न हुई. लड़की को मरा हुआ समझकर अपराधी फरार हो गया. काफी देर बाद कुछ महिलाएं मवेशी का चारा लेकर लौट रही थी. तभी उनकी नजर बेहोशी पड़ी लड़की पर पड़ी. इसके बाद उससे फौरन अस्पताल में भर्ती करवाया. लड़की का इलाज चल रहा है. वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है.

26 अप्रैल को उनका जमानत जब्त कर देगी जनता : पप्पू

संवाददाता । पटना

जन अधिकार पार्टी का विलय करवा कर कांग्रेस में शामिल हुए पप्पू यादव ने बड़ा दावा किया है. चार अप्रैल को नामांकन को लेकर पप्पू यादव सोशल मीडिया पर लिखा कि पूर्णिया के सम्मान में, आपके आशीर्वाद से पप्पू यादव मैदान में उतर चुका है. आज नामांकन है. पप्पू यादव ने आरोप लगाया कि प्रणाम पूर्णिया अभियान से कुछ लोग इतना चिढ़े हैं, उसका अपमान करने के लिए कुछ भी करेंगे. मेरी मां पूर्णिया 26 अप्रैल को उनका जमानत जब्त कर जवाब देगी!

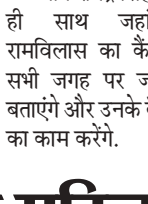

पप्पू यादव का यह पोस्ट उस समय आया जब नेता प्रतिपक्ष राजद प्रत्याशी बीमा भारती के प्रचार-प्रसार के लिए पूर्णिया पहुंचे. लोगों का कहना है कि पप्पू यादव ने बिना नाम लिए तेजस्वी और राजद पर निशाना साधा. साथ ही बीमा भारती के जमानत जब्त करने का दावा भी किया.

चिराग पासवान को लगा झटका

संगठन के 22 नेताओं ने एक साथ छोड़ दी पार्टी

संवाददाता । पटना

चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास को बिहार के 40 सीटों में 5 पर चुनाव लड़ रही है और उन पांचों सीट पर चिराग पासवान ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. अब टिकट नहीं मिलने से नाराज लोजपा रामविलास कार्यकर्ताओं का गुस्सा देखने को मिल रहा है.

प्रदेश स्तर और राष्ट्रीय स्तर के 22 पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने पार्टी पद से इस्तीफा दे दिया है. इनमें पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री रहे पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रेणु कुशवाहा, पूर्व विधायक राष्ट्रीय महासचिव सतीश कुमार, प्रदेश के संगठन सचिव ई. रविंद्र सिंह, मुख्य पार्टी विस्तारक अजय कुशवाहा, प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सिंह, प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विनीत सिंह सहित 22 पदाधिकारी ने इस्तीफा दिया है. इस्तीफा देने के पीछे सीधे तौर पर आरोप लगाया गया है कि चिराग ने पैसे लेकर बाहरी लोगों को प्रत्याशी बनाया है. पार्टी के संगठन सचिव रहे रविंद्र सिंह ने कहा कि हम सभी लोग चिराग पासवान के पिता रामविलास पासवान के समय से साथ हैं. लोजपा टूटने के बाद हम लोग उनके साथ रहे, लेकिन जहां भी टिकट दिया गया है वह सभी बाहरी लोगों को दिया गया है. पार्टी के कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया गया है, इसलिए हम लोग पार्टी से त्यागपत्र दे रहा हैं.

आगे रविंद्र सिंह ने कहा कि साथ ही साथ जहां-जहां लोजपा रामविलास का कैंडिडेट होगा उन सभी जगह पर जाकर जनता को बताएंगे और उनके कैंडिडेट को हराने का काम करेंगे.

निगरानी ने दो को 40,000 रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

पटना । दरभंगा में निगरानी विभाग की टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए बिजली विभाग के दो अधिकारियों को 40 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अधिकारियों में विद्युत कार्यपालक अभियंता अजीत कुमार और टेक्नीशियन एसिस्टेंट रिंकू कुमारी शामिल हैं. इस गिरफ्तारी के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मचा हुआ है. जानकारी के मुताबिक, निगरानी विभाग को शिकायत मिली थी कि कार्यपालक अभियंता अजीत कुमार आटा चक्की में बिजली कनेक्शन देने के लिए रिश्वत की मांग कर रहे हैं. शिकायत के बाद निगरानी की टीम ने जाल बिछाया और बुधवार को मौके पर पहुंची और दोनों को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया. अनिल कुमार के आवेदन के आधार और अधिकारियों के निर्देश पर एक टीम का गठन किया गया और अजीत कुमार को रिश्वत के 40 हजार रुपये के साथ गिरफ्तार कर लिया.

सीवान में मां ने 20,000 रुपये में बेचा अपना बच्चा

पटना । सीवान जिले के सराय ओपी क्षेत्र के हरदिया मोड़ के पास गरीबी की मार झेल रही एक मां ने अपने ही बच्चे को दूसरे के हाथों बेच दिया, वो भी सिर्फ 20 हजार रुपये में. किराए के मकान में महादेवा थाना क्षेत्र के चकिया गांव के मूल निवासी गुड्डू अली अपनी पत्नी और बच्चे के साथ रहते हैं.

दरअसल, 31 मार्च की शाम को गुड्डू की पत्नी चांदनी परवीन ने अपने छह माह के बच्चे के गायब होने की जानकारी अपने पति को दी. लेकिन गुडडू को अपनी पत्नी की बात पर शक हुआ. इसके बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया जो बढ़ता ही गया. अंत में चांदनी ने गुड्डू को बताया कि उसने अपने बच्चे को सराय थाना क्षेत्र के मखदूम सराय निवासी बच्चेलाल साह की पत्नी रिंकी देवी को बेच दिया है, जो वर्तमान में महादेवा ओपी क्षेत्र के मालवीय नगर में रहती है. इसके बदले में उसे बीस हजार रुपये मिले हैं. बच्चे के बेचे जाने की जानकारी मिलते ही गुड्डू मामले की शिकायत लेकर सराय थाना पहुंचा. जहां उसने पुलिस को सारी बात बताई और मामले की शिकायत दर्ज कराई. यहां शिकायत दर्ज कराने पर थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने पुलिस टीम गठित कर तत्काल छानबीन शुरू कर दी. लेकिन बच्चा घटना की रात में नहीं मिला. मामले में पुलिस ने महिला रिंकी देवी को हिरासत में लिया और उससे पूछताछ की.

ट्रैक्टर-ऑटो में टक्कर, एक महिला सहित दो की मौत

- टक्कर में पांच लोग घायल हुए जिन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है

संवाददाता । आरा

भोजपुर में जहां एक विपरीत दिशा से आ रही एक ट्रैक्टर ने ऑटो में जबरदस्त टक्कर मार दी. इस घटना में ऑटो में सवार एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोगों को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत काफी गंभीर बताई जा रही है.

उक्त घटना भोजपुर के टाउन थाना क्षेत्र के धनुपरा रिलायंस पेट्रोल पंप के पास की बतायी जा रही है. घटना के बाद ट्रैक्टर और ऑटो ड्राइवर दोनों घटनास्थल से फरार हो गए. मृतकों की पहचान चरपोखरी थाना क्षेत्र के रसूल टोला निवासी बैजनाथ राम की 54 वर्षीया पत्नी मुनेश्वरी देवी और बरनी गांव निवासी प्रेमचंद राम के 55 वर्षीय पुत्र दिनेश राम के रूप में हुई है. घायलों में चरपोखरी थाना क्षेत्र के रसूल टोला निवासी स्व.जगदेव राम के 60 वर्षीय पुत्र व मृतका मुनेश्वरी देवी के पति बैजनाथ राम, बरनी गांव निवासी 45 वर्षीय विनोद राम, उनकी 40 वर्षीया पत्नी इंदु देवी, 8 वर्षीय पुत्र अंशु कुमार, 3 वर्षीय पुत्र मिथलेश कुमार शामिल हैं.

इधर, सूचना मिलते हीं स्थानीए थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई और शवों को कब्जे में लेकर उन्हें सदर अस्पताल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया. साथ ही घायलों को समुचित इलाज के लिए अस्पताल में भी भर्ती करा दिया गया. पुलिस ने ट्रैक्टर और ऑटो को जब्त कर करते हुए ट्रैक्टर और ऑटो चालकों की तलाश भी शुरू कर दी है.

कारोबार

एसआरएम कॉन्ट्रेक्टर्स का शेयर सात प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । एसआरएम कॉन्ट्रेक्टर्स का शेयर अपने निर्गम मूल्य 210 रुपये से सात प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ. बीएसई पर शेयर निर्गम मूल्य से 7.14 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 225 रुपये पर और एनएसई पर 2.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 215.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ. बीएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 541.94 करोड़ रुपये रहा. कंपनी के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम को 28 मार्च को निर्गम के अंतिम दिन 86.57 गुना अभिदान मिला था.

इंडिगो ने कोडशेयर के साथ किए समझौते

मुंबई । भारत और मलेशिया के बीच संपर्क को बेहतर बनाने के वास्ते मलेशिया एयरलाइंस तथा इंडिगो ने कोडशेयर साझेदारी के लिए प्रारंभिक समझौता किया है. इंडिगो की ओर से जारी बयान के अनुसार, दोनों एयरलाइन के बीच समझौता लोगों को मलेशिया और भारत के बीच निर्बाध यात्रा के अधिक विकल्प प्रदान करने में मदद करेगा. बयान में कहा गया, इस सहयोग से इंडिगो संचालित उड़ानों पर मलेशिया एयरलाइंस विपणन वाहक के रूप में भारत के साथ अपने संपर्क को मजबूत करने में सक्षम होगी.

नाल्को ने किया 4.63 लाख मीट्रिक टन उत्पादन

नयी दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नाल्को ने वित्त वर्ष 2023-24 में कास्ट मेटल का रिकॉर्ड 4,63,428 मीट्रिक टन उत्पादन किया. कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में धातु की अब तक की सर्वाधिक 4,70,108 मीट्रिक टन बिक्री भी दर्ज की. वित्त वर्ष 2023-24 में बॉक्साइट का उत्खनन 7,600,230 मीट्रिक टन की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया. नाल्को के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक श्रीधर पात्रा ने कहा, कर्मचारियों के समर्पण और कड़ी मेहनत से पिछले चार वर्षों में कच्चे माल तथा ऊर्जा के एकीकरण तथा प्रतिभूतिकरण के जरिए कंपनी ने कई उपलब्धियां हासिल की.

दो दिनों में ही विस्तारा एयरलाइंस के सौ से अधिक फ्लाइट हो गए रद्द

कैंसल हो रहे हैं विस्तारा के फ्लाइट

भाषा । नयी दिल्ली

किसी एयरलाइंस का अधिक फ्लाइट रद्द होना एविएशन इंडस्ट्री के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जाता है. इस समस्या से इन दिनों विस्तारा एयरलाइंस जूझ रही है. ऐसे में एविएशन सेक्टर में तेजी से उड़ान भर रही विस्तारा के सामने संकट खड़ा हो गया है. जानकारी के अनुसार बीमारी का हवाला देते हुए बड़ी संख्या में पायलट सिक लिव पर जा रहे हैं. जिसका विस्तारा को अंदाजा नहीं था. इससे हवाई जहाजों को उड़ाने के लिए पर्याप्त संख्या में पायलट और क्रू मेंबर नहीं मिल रहे हैं. इस कारण सोमवार और मंगलवार को दो दिनों में ही विस्तारा की दिल्ली, मुंबई और अन्य शहरों से टेक ऑफ होने वाली सौ से अधिक फ्लाइट कैंसल हो गईं. कम से कम इतनी ही फ्लाइट आधा घंटे और इससे काफी देरी से टेक ऑफ कर सकीं.

फ्लाइट कैंसल होने की यह संख्या मंगलवार-बुधवार की देर रात को भी बढ़ गई. फ्लाइट के कैंसल और डिले होने से विस्तारा से उड़ान भरने वाले यात्रियों के सामने बड़ी दिक्कत हो रही है. सूत्रों का कहना है कि एयरलाइंस के साथ नौकरी के नए कॉन्ट्रैक्ट और विस्तारा के एयर इंडिया में संभावित विलय के चलते सीनियर पायलट (कमांडर) सिक लिव पर जा रहे हैं.

लिव पर जा रहे हैं सीनियर पायलट

गहराया संकट

- पर्याप्त संख्या में नहीं मिल रहे हैं पायलट और क्रू मेंबर
- विस्तारा एयरलाइंस के पास कुल 70 हवाई जहाज हैं

विस्तारा के कमांडरों को एयरलाइंस के एयर इंडिया में विलय होने पर अपनी वरिष्ठता और देश-विदेशों के स्लॉट को लेकर भी चिंता है. जिसमें उन्हें अपनी अनदेखी होने का डर है. दूसरी तरफ वे नए कांट्रैक्ट को लेकर चिंतित हैं. जिसमें उन्हें अपनी सैलरी, ड्यूटी ऑवर और मिलने वाले विभिन्न तरह के भत्तों में कमी लग रही है. इसी के साथ उन्हें अपनी निजी, पारिवारिक और सामाजिक जिंदगी पर भी असर पड़ता दिखाई दे रहा है, क्योंकि उन्हें नॉन ड्यूटी के समय भी अलर्ट मोड में रहना पड़ेगा. सूत्रों का कहना है कि इन तमाम वजहों से फिलहाल 70 हवाई जहाजों के बेड़े वाली एयरलाइंस विस्तारा के ए-320 फैमिली के अधिकतर सीनियर पायलट अचानक सिक लिव ले रहे हैं. इसका असर विस्तारा पर जबरदस्त पड़ रहा है, क्योंकि इसके 70 हवाई जहाज वाले बेड़े में 63 एयरबस-320 फैमिली के ही हैं. इनमें 53 हवाई जहाज ए-320 नियो और 10 एयरक्राफ्ट एयरबस-321 वाले हैं, जबकि सात हवाई जहाज बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर हैं. अधिकतर एयरक्राफ्ट एयरबस फैमिली के होने और इन्हीं प्लेन के अधिकतर पायलटों के बीमारी और अन्य वजहों से छुट्टी पर जाने से विस्तारा के सामने संकट है.

यात्रियों के सोशल मीडिया पर विस्तारा के खिलाफ नाराजगी जाहिर करने के बाद एविएशन रेगुलेटर डीजीसीए ने इस पर संज्ञान लेते हुए विस्तारा से इस समस्या को जल्द से जल्द दूर करने के निर्देश दिए हैं. साथ ही कहा है कि विस्तारा अपनी फ्लाइटों के कैंसल और डिले होने की हर दिन की वजह समेत रिपोर्ट उन्हें पेश करे. डीजीसीए ने कहा है कि विभिन्न वजहों से क्रू मेंबर की पर्याप्त उपलब्धता ना होने से विस्तारा की फ्लाइट डिस्टर्ब हो रही है.

ऐसे में विस्तारा को उसकी हर दिन की फ्लाइटस कैंसल और डिले होने की जानकारी देने के आदेश दिए हैं. साथ ही नियमों के तहत फ्लाइट कैंसल या अधिक समय तक डिले होने पर यात्रियों को टिकट का पूरा पैसा वापस करने, उनके लिए वैकल्पिक फ्लाइट का प्रबंध कराने और अन्य तरह की तमाम सुविधाएं देने के भी आदेश दिए गए हैं.

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उपाध्यक्ष सबरी मनोहर, सीईओ मसाकाजु योशिमुरा, उपाध्यक्ष मानसी टाटा और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के उप प्रबंध निदेशक बुधवार को मुंबई में टोयोटा टैसर के लॉन्च के दौरान.

विकास में डिजिटाइजेशन की रणनीति को बढ़ावा दिया : स्कोडा ऑटो इंडिया

संवाददाता । जमशेदपुर

स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा की है. नए युग की ओर एक और कदम बढ़ाते हुए कंपनी ने यूजर के जुड़ाव, उपभोक्ताओं को कंपनी की योजनाओं में शामिल करने और डिजिटाइज़ेशन की ओर बढ़ते हुए कई डिजिटल गतिविधियों की शुरुआत की है. इससे बिक्री में काफी उछाल आया है और कंपनी अपने ग्राहकों या प्रशंसकों के ज्यादा नजदीक पहुंची. स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रैंड डायरेक्टर पेट्र जेनेबा ने कहा, लगातार बदलते डिजिटल फलक, प्लेटफॉर्म और मीडियम को देखते हुए उपभोक्ताओं के अनुभव और उनके सफर को यादगार बनाने के लिए नए तरीकों को अमल में लाना बहुत जरूरी हो गया है. हमारी डिजिटल रणनीति यह सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है कि हमारे प्रोडक्ट्स और सर्विसेस उपभोक्ताओं और फैंस तक उनके पसंदीदा रूप में पहुंचे. जिसमें कंपनी ने भारत में अपने कार्यकाल के 24 वर्ष पूरा करने का जश्न मनाते हुए एक दिन या 24 घंटे में 709 स्कोडा कारों की बुकिंग की. हमने स्कोडा गियर हेड्स कम्युनिटी के माध्यम से स्कोडावर्स इंडिया एनएफटी को और विस्तार दिया है. इस डिजिटल ऐप को लॉन्च करने का उद्देश्य पारदर्शिता को बढ़ावा देना है.

सौर क्षमता अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने गुजरात में 2,000 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित की थी

भारत में ऊर्जा क्षमता वाली पहली कंपनी बन गई

एजेंसी । नयी दिल्ली

अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के विशाल खावड़ा सोलर पार्क में 2,000 मेगावाट की सौर क्षमता स्थापित की है, जिसके साथ ही वह 10,000 मेगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता वाली भारत की पहली कंपनी बन गई है. कंपनी बयान के अनुसार, उसके पास अब 10,934 मेगावाट का परिचालन खंड है, जो भारत में सबसे अधिक है.

वित्त वर्ष 2023-24 में 2,848 मेगावाट नवीकरणीय क्षमता को स्थापित किया गया. एजीईएल के परिचालन खंड में 7,393 मेगावाट सौर, 1,401 मेगावाट पवन और 2,140 मेगावाट पवन-सौर हाइब्रिड क्षमता शामिल है. कंपनी का 2030 तक 45 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा स्थापित करने का लक्ष्य है. बयान में कहा गया, एजीईएल का 10,934 मेगावाट का परिचालन खंड 58 लाख से अधिक मकानों को बिजली देगा. सालाना करीब 2.1 करोड़ टन सीओ2 (कार्बन डाइऑक्साइड) के उत्सर्जन से बचाएगा.

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा हमें नवीकरणीय क्षेत्र में भारत का पहला दस हजारी होने पर गर्व है

अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा, हमें नवीकरणीय क्षेत्र में भारत का पहला दस हजारी होने पर गर्व है. उन्होंने कहा, एक दशक से भी कम समय में अडाणी ग्रीन एनर्जी ने न केवल एक हरित भविष्य की कल्पना की, बल्कि इसे साकार भी किया. स्वच्छ ऊर्जा का पता लगाने के एक विचार मात्र से बढ़कर स्थापित क्षमता में 10,000 मेगावाट की अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है. अडाणी ने कहा, 2030 तक 45,000 मेगावाट (45 गीगावॉट) के लक्ष्य के तहत हम खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र बना रहे हैं. खावड़ा 30,000 मेगावाट की एक परियोजना है जिसका वैश्विक स्तर पर कोई मुकाबला नहीं है. एजीईएल न केवल दुनिया के लिए मानक स्थापित कर रहा है बल्कि उन्हें नई सिरे से परिभाषित भी कर रहा है.

भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 में 7.5% की दर से बढ़ेगी : विश्व बैंक

एजेंसी । वाशिंगटन

विश्व बैंक ने 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है. उसने अपने पहले अनुमान को 1.2 प्रतिशत संशोधित किया है. विश्व बैंक ने दक्षिण एशिया वृद्धि संबंधी मंगलवार को जारी अद्यतन जानकारी में कहा कि कुल मिलाकर 2024 में दक्षिण एशिया में वृद्धि दर 6.0 प्रतिशत मजबूत होने की उम्मीद है. यह मुख्य तौर पर भारत में मजबूत वृद्धि और पाकिस्तान तथा श्रीलंका के काफी हद तक पटरी पर लौटने से संभव होगा.

रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण एशिया के अगले दो वर्षों तक दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र बने रहने की उम्मीद है. 2025 में वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है. दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के उपाध्यक्ष मार्टिन रैज़र ने कहा, दक्षिण एशिया की वृद्धि संभावनाएं अल्पावधि में उज्ज्वल बनी हुई हैं, लेकिन नाजुक राजकोषीय स्थिति और बढ़ते जलवायु झटके चिंता का विषय हैं. वृद्धि को अधिक लचीला बनाने के लिए, देशों को निजी निवेश को बढ़ावा देने और रोजगार वृद्धि को मजबूत बनाने वाली नीतियां अपनाने की जरूरत है. दक्षिण एशिया के लिए विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री फ्रांज़िस्का ओहनसोरगे ने कहा, दक्षिण एशिया अभी अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ उठाने में विफल हो रहा है. वह मौका गंवा रहा है.

ताइवान में शक्तिशाली भूकंप, नौ लोगों की मौत

ताइपे । जापान में बुधवार को सुबह भूकंप का शक्तिशाली झटका महसूस किया गया जिससे नौ लोगों की मौत हो गई, कुछ इमारतें क्षतिग्रस्त हुईं तथा सुनामी आ गई. भूकंप के कारण दक्षिणपूर्वी शहर हुलिएन के एक इलाके में स्थित पांच मंजिला इमारत बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है. इसकी पहली मंजिल ढह गई है तथा शेष इमारत झुक गई है. ताइपे में पुरानी इमारतों और कुछ नए कार्यालय परिसरों में टाइल्स गिर गईं. कुछ बच्चे ऊपर से गिरती चीज़ों से बचाव के लिए अपने सिर को किताबों से ढकते दिखे. राष्ट्रीय दमकल एजेंसी ने कहा कि हुलिएन काउंटी में नौ लोगों की मौत हो गई.

ब्रीफ खबरें

सबसे कम उम्र के राष्ट्रपति बने फाये

डकार । सेनेगल में 44 वर्षीय बस्सिरौ डियोमाये फाये राष्ट्रपति का पद संभालने वाले अफ्रीका के सबसे युवा निर्वाचित नेता बन गए हैं. वह कुछ दिन पहले तक जेल में थे. विपक्ष के नेता उस्मान सोनको को देश का नया प्रधानमंत्री नामित किया गया है. देश में पिछले महीने चुनाव हुए थे. पश्चिम अफ्रीका के क्षेत्र के कई देशों में हाल के वर्षों में तख्तापलट हुए हैं या तख्तापलट की कोशिशें हुई हैं.

दवा कंपनी में विस्फोट चार की मौत, 10 घायल

हैदराबाद । तेलंगाना के संगारेड्डी जिले में एक दवा कंपनी के रिएक्टर में विस्फोट के चलते चार लोगों की मौत हो गई जबकि 10 से अधिक लोग घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, दवा कंपनी में रिएक्टर में विस्फोट हुआ और उसके आसपास मौजूद लोग धमाके के प्रभाव के चलते दूर जा गिरे अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है वहीं 10-15 लोग घायल हो गए हैं. उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले : आजाद

श्रीनगर । डीपीएपी के संस्थापक गुलाम नबी आजाद ने बुधवार को कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए जारी लड़ाई को आगे ले जाने और इसके निवासियों के भूमि व रोजगार अधिकारों की रक्षा के उद्देश्य से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है. डीपीएपी ने मंगलवार को घोषणा की कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री आजाद अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट से चुनाव लड़ेंगे.

कोर्ट परिसर में गला रेत जान देने की कोशिश

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय के परिसर में बुधवार को एक व्यक्ति ने चाकू से कथित रूप से अपना गला रेतकर अपनी जान देने की कोशिश की. पुलिस ने यह जानकारी दी. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि अदालत परिसर में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उस व्यक्ति को तत्काल बचाया और उसे एक नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया जहां उसका इलाज चल रहा है. उन्होंने कहा, हमें नहीं मालूम है कि उसने यह अतिवादी कदम क्यों उठाया.

खरगे ने शुरू किया 'घर-घर गारंटी' अभियान की शुरुआत, बोले

नरेंद्र मोदी की गारंटी पर अब लोगों को भरोसा नहीं

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा चुनाव के लिए बुधवार को उत्तर पूर्वी दिल्ली से पार्टी के 'घर-घर गारंटी' अभियान की शुरुआत की और दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'गारंटी' तो लोगों को नहीं मिली, लेकिन उनकी पार्टी जो गारंटी दे रही है, उन पर वह अमल करेगी. पार्टी का यह चुनावी अभियान पांच न्याय और 25 गारंटी पर आधारित है. इस अभियान के तहत कांग्रेस कार्यकर्ता पांच न्याय और 25 गारंटी वाला कार्ड घर-घर जाकर वितरित करेंगे. पार्टी का लक्ष्य आठ करोड़ परिवारों तक पहुंचने का है. खरगे ने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में इस अभियान की शुरुआत की. इस मौके पर उन्होंने कांग्रेस के पांच न्याय और 25 गारंटी का उल्लेख किया. कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने संवाददाताओं से कहा, आज उत्तर पूर्वी दिल्ली में कांग्रेस अपना गारंटी कार्ड बांटने के लिए आई है. हमारा संदेश साफ है कि कांग्रेस के पांच न्याय के तहत हम 25 गारंटी पूरी करेंगे. कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर गारंटी कार्ड बांटेंगे और लोगों से मिलकर उन्हें बताएंगे कि 'इंडिया' गठबंधन की सरकार बनने पर हम जनता के लिए क्या-क्या करेंगे.

कांग्रेस की सरकारों से जनता को फायदा हुआ : उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय की प्रमुख योजनाओं और कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकारों में देश की जनता को फायदा हुआ है. उन्होंने दावा किया, मोदी जी अपनी गारंटी की बात करते हैं, लेकिन उनकी गारंटी कामयाब नहीं हुई. उनकी गारंटी लोगों को नहीं मिली. उन्होंने हर साल दो करोड़ नौकरियों की बात की, लेकिन लोगों को नौकरी नहीं मिली.

भारत में 8 करोड़ परिवारों को ये गारंटी कार्ड बांटेंगे : जयराम

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तर पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से घर-घर गारंटी अभियान की शुरुआत की. कांग्रेस कार्यकर्ता अगले कुछ हफ़्तों में पूरे भारत में 8 करोड़ परिवारों को ये गारंटी काड्र्स वितरित करेंगे, जो 14 अलग-अलग भाषाओं में प्रिंट किए गए हैं. लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस का घोषणापत्र पांच न्याय- हिस्सेदारी न्याय, किसान न्याय, नारी न्याय, श्रमिक न्याय और युवा न्याय- पर आधारित होगा. यह पांच अप्रैल को जारी किया जाएगा. पार्टी ने युवा न्याय के तहत जिन पांच गारंटी की बात की है उनमें 30 लाख सरकारी नौकरियां देने और युवाओं को एक साल के लिए प्रशिक्षुता कार्यक्रम के तहत एक लाख रुपये देने का वादा शामिल है. पार्टी ने हिस्सेदारी न्याय के तहत जाति आधारित जनगणना कराने और आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने की गारंटी दी है. उसने किसान न्याय के तहत न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने, कर्ज माफी आयोग के गठन तथा 'जीएसटी' मुक्त खेती का वादा किया है. कांग्रेस ने श्रमिक न्याय के तहत मजदूरों को स्वास्थ्य का अधिकार देने, न्यूनतम मजदूरी 400 रुपये प्रतिदिन सुनिश्चित करने और शहरी रोजगार गारंटी का वादा किया है. उसने नारी न्याय के अंतर्गत महालक्ष्मी गारंटी के तहत गरीब परिवारों की महिलाओं को एक-एक लाख रुपये प्रति वर्ष देने समेत कई वादे किए हैं.

जेपी नड्डा ने झालावाड़ में पार्टी की चुनावी सभा को किया संबोधित, बोले-

भ्रष्टाचार मुक्त, विकास युक्त सरकार भारत की आकांक्षा

जयपुर । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि आज भारत देश में भ्रष्टाचार मुक्त और विकासोन्मुखी सरकार की आकांक्षा रखता है. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज गांवों की तस्वीर बदल गई है. वह झालावाड़ में पार्टी की चुनावी सभा को संबोधित कर थे. उन्होंने कहा,भारत की आकांक्षा है कि देश में भ्रष्टाचार मुक्त, विकास युक्त सरकार हो. भारत की आकांक्षा है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेज गति से आगे बढ़े. नड्डा ने कहा कि

भारत की आकांक्षा है कि मोदी के नेतृत्व में देश अकल्पनीय विकास के माध्यम से एक विकसित देश के रूप में खड़ा हो जाए. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश तेज गति से आगे बढ़ा है और उनके नेतृत्व में गांवों की तस्वीर बदल गई है. उन्होंने दावा किया कि 2014 में देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने मात्र 1,000 दिन में 18,000 गांवों को बिजली पहुंचाई. केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दिया जा रहा है, परिणाम स्वरूप आज देश में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए हैं.

पुलिस के साथ मुठभेड़ में गैंगस्टर ढेर, घायल अधिकारी की भी मौत

एजेंसी। जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कठुआ में गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) अस्पताल के समीप पुलिस के साथ मुठभेड़ में एक कुख्यात बदमाश मारा गया. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान घायल हुए परिवीक्षाधीन उप-निरीक्षक दीपक शर्मा ने बुधवार को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया. अधिकारियों ने बताया कि शर्मा के सिर पर चोट लगी थी और इस मुठभेड़ के दौरान एक अन्य पुलिस अधिकारी भी घायल हुआ था. पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों की एक टीम ने कुख्यात बदमाश वासुदेव का पीछा किया जिसके बाद मंगलवार रात करीब साढ़े 10 बजे जीएमसी के निकट मुठभेड़ शुरू हो गयी.

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में जो वाइडन और डोनाल्ड ट्रंप ने

चार और राज्यों के प्राइमरी चुनाव जीते

एजेंसी। वाशिंगटन (अमेरिका)

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव की प्रक्रिया के तहत रोड आईलैंड, कनेक्टिकट, न्यूयॉर्क और विस्कॉन्सिन में मंगलवार को हुए प्राइमरी चुनाव में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आसानी से जीत हासिल कर ली. राष्ट्रपति पद के चुनाव में बाइडन का डेमोक्रेटिक पार्टी

और ट्रंप का रिपब्लिकन पार्टी का उम्मीदवार बनना लगभग तय है. इस बार भी राष्ट्रपति पद के चुनाव में 2020 की तरह ट्रंप और बाइडन के सामने-सामने होने की संभावना है. बाइडन और ट्रंप की जीत के साथ ही उन्हें मिले डेलीगेट (निर्वाचक मंडल के सदस्य) की संख्या में बढ़ोतरी हो गई. राष्ट्रपति पद के लिए दोनों दलों के उम्मीदवार चुनने के लिए हुए चुनाव में चारों राज्यों में कई दावेदारों के नाम मतपत्र पर थे लेकिन ट्रंप (77) और बाइडन (81) को किसी बड़ी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा.

फोर्ब्स की सूची में मुकेश अंबानी दुनिया के नौवें सबसे अमीर व्यक्ति

एजेंसी । नयी दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के प्रमुख मुकेश अंबानी सबसे अमीर भारतीय बने हुए हैं. 'फोर्ब्स' की दुनिया के अरबपतियों की सूची में अंबानी शीर्ष 10 में आ गए हैं. वह दुनिया के नौवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं. फोर्ब्स के अनुसार, अंबानी (66) की संपत्तियां 116 अरब डॉलर की हैं. वहीं गौतम अडाणी दूसरे सबसे अमीर भारतीय हैं और वैश्विक सूची में 17वें स्थान पर हैं. उनकी संपत्ति 84 अरब डॉलर है. फोर्ब्स 2024 की अमीरों की सूची में 2,781 लोगों को शामिल किया गया है. इसमें पिछले साल से 141 लोग ज्यादा हैं. सूची के अनुसार, दुनिया के अमीर अब और अमीर हो गए हैं. उनकी कुल संपत्तियां 14.2 लाख करोड़ डॉलर हैं, जो 2023 से दो लाख करोड़ डॉलर अधिक है.

भाजपा उपाध्यक्ष भृगु बीजद में हुए शामिल

भुवनेश्वर। भाजपा की ओडिशा इकाई के उपाध्यक्ष भृगु बक्शीपात्रा पार्टी से इस्तीफा देकर बुधवार को बीजद में शामिल हो गये. अटकलें हैं कि बीजद उन्हें बेहरामपुर लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बना सकती है. बक्शीपात्रा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में बेहरामपुर से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, जिसमें उन्हें शिकस्त का सामना करना पड़ा था. बक्शीपात्रा ने बीजद के भुवनेश्वर में स्थित पार्टी मुख्यालय शंख भवन में सदस्यता ग्रहण की. बेहरामपुर से बीजद सांसद चंद्रशेखर साहू ने बक्शीपात्रा का पार्टी में स्वागत किया. भाजपा द्वारा पार्टी विधायक प्रदीप पाणिग्रही को बेहरामपुर सीट से चुनाव मैदान में उतारे जाने के बाद बक्शीपात्रा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया. प्रदीप पाणिग्रही को बीजद ने निष्कासित किया था.

न्यूज अपडेट

भाजपा ने आतिशी को भेजा मानहानि का नोटिस

नयी दिल्ली । भाजपा की दिल्ली इकाई ने आप की वरिष्ठ नेता आतिशी को मानहानि नोटिस भेजा और अपने एक बेहद करीबी व्यक्ति के माध्यम से उन्हें भाजपा में शामिल होने के दावे पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा है. मंत्री आतिशी ने एक दिन पहले दावा किया था कि उनके सहित चार वरिष्ठ नेताओं को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा. आतिशी ने यह भी दावा किया था कि उन्हें या तो भाजपा में शामिल होने या फिर एक महीने के भीतर ईडी द्वारा गिरफ्तार किये जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया था. भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आतिशी को मानहानि नोटिस भेज दिया गया है.

उन्मेष पाटिल शिवसेना (यूबीटी) में हुए शामिल

मुंबई। उत्तरी महाराष्ट्र के जलगांव से भाजपा के सांसद उन्मेष पाटिल आगामी लोकसभा चुनाव के लिए टिकट काटे जाने के बाद बुधवार को विपक्षी शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) में शामिल हो गये. पाटिल अपने समर्थकों के साथ पार्टी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' पर शिवसेना-यूबीटी में शामिल हुए. शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने कहा कि पाटिल के पार्टी में शामिल होने से जलगांव और उत्तर महाराष्ट्र में पार्टी की संभावनाओं को मजबूती मिलेगी और उसकी जीत आसान होगी. भाजपा ने जलगांव संसदीय क्षेत्र से पाटिल की जगह स्मिता वाघ को अपना उम्मीदवार बनाया है.

सपा महासचिव शिवपाल के चुनाव लड़ने पर संशय

इटावा (उप्र) । सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव को कार्यकर्ताओं की ख्वाहिश पर इसी सीट से प्रत्याशी बनाये जाने को लेकर संशय बरकरार है. शिवपाल से बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में पूछा गया कि क्या बदायूं से वह चुनाव लड़ेंगे या फिर उनके बेटे आदित्य मैदान में उतरेंगे? इस पर उन्होंने कहा, जहां भी हम गए हैं, बैठक की है, सम्मेलन किए हैं तो जनता ने मांग की है कि उन्हें युवा उम्मीदवार चाहिए. इस सवाल पर कि आदित्य को उम्मीदवार बनाने की बात पर कब तक मोहर लग सकती है, शिवपाल ने कहा, अभी जो समाजवादी पार्टी की सूची जारी हुई है उसमें किसका नाम है? सूची तो राष्ट्रीय नेतृत्व ही जारी करेगा.

विवादित टिप्पणी मामले में सपा नेता पर मुकदमा

कन्नौज (उप्र)। कन्नौज जिले में भाजपा के सांसद सुब्रत पाठक पर विवादित टिप्पणी करने के आरोप में समाजवादी पार्टी (सपा) के एक स्थानीय नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है. पुलिस सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से बुधवार को बताया कि मंगलवार दो अप्रैल को सपा के नसरापुर स्थित पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया था. इसमें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल थे. इस दौरान सपा कार्यकर्ता मनोज दीक्षित ने अपने भाषण में कन्नौज से सपा के मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी. उन्होंने बताया कि रिपोर्ट में यह भी आरोप लगाया गया है कि दीक्षित ने अपने भाषण में एक जातीय समुदाय द्वारा वोट नहीं दिये जाने की बात भी कही गयी थी.

गिरफ्तारी के बाद से सीएम का 4.5 किग्रा वजन घटा

नयी दिल्ली। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने बुधवार को दावा किया कि 21 मार्च को गिरफ्तार किए जाने के बाद से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का वजन तेजी से घट रहा है. आतिशी ने साथ ही भाजपा पर केजरीवाल को जेल में रखकर उनके स्वास्थ्य को खतरे में डालने का आरोप लगाया. आतिशी ने कहा कि पार्टी मुख्यमंत्री की सेहत के संबंध में कानूनी मदद लेगी. तिहाड़ जेल प्रशासन ने केजरीवाल की सेहत के संबंध में आतिशी के दावों को खारिज किया है.

पूर्व विधायक को मिला 140 करोड़ का नोटिस

इंदौर (मध्यप्रदेश) । कांग्रेस छोड़कर पिछले महीने भाजपा का दामन थामने वाले पूर्व विधायक संजय शुक्ला और तीन अन्य लोगों को इंदौर के जिला प्रशासन ने मुरम और पत्थर के अवैध खनन पर 140.60 करोड़ रुपये के प्रस्तावित जुर्माने का नोटिस जारी किया है. अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि खनिज विभाग ने इंदौर से सटे बारोली गांव में 5.50 हेक्टेयर और 3.40 हेक्टेयर के दो रकबों में अवैध खनन का खुलासा किया है. अधिकारियों के मुताबिक इस अवैध खनन को लेकर शुक्ला और तीन अन्य लोगों पर 140.60 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है.

राजस्थान में मजिस्ट्रेट पर मामला दर्ज

जयपुर । राजस्थान के करौली जिले में एक मजिस्ट्रेट के खिलाफ दुष्कर्म पीड़िता से अपनी चोटें दिखाने के लिए कपड़े उतारने को कहा के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस के यह जानकारी दी. पुलिस उपाधीक्षक मीना मीणा ने बताया कि दुष्कर्म पीड़िता ने 30 मार्च को हिंडौन की स्थानीय अदालत के मजिस्ट्रेट के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने बताया कि युवती ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि मजिस्ट्रेट ने उसे चोटें दिखाने के लिए कपड़े उतारने को कहा था. अधिकारी ने कहा, उसने कपड़े उतारने से इनकार कर दिया और 30 मार्च को अदालत में बयान दर्ज कराने के बाद मजिस्ट्रेट के खिलाफ मामला दर्ज कराया.

राजीव की हत्या मामले के तीन दोषी श्रीलंका लौटे

चेन्नई। राजीव गांधी हत्याकांड मामले के तीन दोषी बुधवार को श्रीलंका लौट गए. तीनों दोषी मुरुगन उर्फ श्रीहरन, जयकुमार और रॉबर्ट पायस श्रीलंका के नागरिक हैं तथा पूर्व प्रधानमंत्री की हत्या के मामले में तीन दशकों तक जेल की सजा काटने के बाद उच्चतम न्यायालय ने करीब दो वर्ष पहले उन्हें रिहा कर दिया था. अधिकारियों के मुताबिक, मुरुगन उर्फ श्रीहरन, जयकुमार और रॉबर्ट पायस श्रीलंका के एक विमान से बुधवार को कोलंबो के लिए रवाना हुए. तमिलनाडु सरकार ने पिछले महीने मद्रास उच्च न्यायालय को सूचित किया था कि श्रीलंकाई उच्चायोग ने मुरुगन और अन्य को यात्रा दस्तावेज जारी कर दिये हैं और विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय द्वारा निर्वासन आदेश जारी करने के बाद वे घर वापस जा सकते हैं.

कॅरियर-काउंसिलिंग

जीएसटी पाठ्यक्रम के जरिए बना सकते है कॅरियर

रजनीश प्रसाद। रांची

जीएसटी एक तरह का इनडायरेक्ट टैक्स है, जिसे भारत में 1 जुलाई 2017 को लागू किया गया था. जीएसटी का फुल फॉर्म डुड्स एंड सर्विस टैक्स होता है जिसका हिंदी में अर्थ 'वस्तु और सेवा' कर होता है. वस्तु और सेवा कर अधिनियम एक्ट 29 मार्च 2017 को पारित किया गया. उसके बाद से अब तक जीएसटी ही भारत में चल रही है.

जीएसटी सर्टिफिकेशन कोर्स

भारत में जीएसटी सर्टिफिकेशन पाठ्यक्रम आमतौर पर कम अवधि के होते हैं, जिसमें कैंडिडेट्स को फाइनांस, एकाउंटिंग एंड टैक्सेशन के वर्किंग प्रोफेशनल्स को गुड्स और सर्विसेज के बारे में जानकारी प्रदान की जाती है. भारत में कई गवर्नमेंट फाइनांसियल मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट और प्राइवेट इंस्टिट्यूट हैं, जो जीएसटी सर्टिफिकेशन कोर्सेज कराते हैं.

जीएसटी कोर्स कराने वाले संस्थान

- हेनरी हार्विन एकाउंट्स अकादमी
- मिजोरम यूनिवर्सिटी
- द इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया
- लक्ष्य इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल्स ट्रेनिंग
- इंस्टिट्यूट ऑफ कॉस्ट एंड वर्क्स एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया
- नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी, कोलकाता
- अरुण जेटली नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनेंस मैनेजमेंट

जानिए जीएसटी के बारे में

यहां गुड्स एंड सर्विसेज (जीएसटी) के बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी को संक्षिप्त में बताया जा रहा है, जिन्हें आप नीचे दिए गए बिंदुओं से समझ सकते हैं.

1. जीएसटी की विशेषता है कि किसी भी वस्तु या सर्विस पर इस टैक्स की दर पूरे देश में एक समान होती है. देश के किसी हिस्से में मौजूद कस्टमर या कंज्यूमर को उस वस्तु या सेवा पर एक जैसा ही टैक्स देना होता है.
2. जीएसटी की 'एक देश-एक टैक्स' व्यवस्था के तहत आपको एक ही टैक्स देना होता है.
3. जीएसटी को तीन तरह से बांटा गया है. सेंट्रल जीएसटी (सी-जीएसटी), स्टेट जीएसटी (एस-जीएसटी) और इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी).

1. सेंट्रल जीएसटी (सी-जीएसटी) : सी जीएसटी का फुल फॉर्म 'सेंट्रल गुड्स एंड सर्विस टैक्स' होता है. यह किसी राज्य के अंदर वस्तु की सप्लाई या सेवा उपलब्ध करायी जाती है, तो इस स्थिति में केंद्र सरकार को दिया जाने वाला टैक्स सी-जीएसटी कहलाता है.
2. स्टेट जीएसटी (एस-जीएसटी) : एसजीएसटी का फुल फॉर्म है स्टेट गुड्स एंड सर्विस टैक्स होता है. यानि जब किसी वस्तु की राज्य के अंदर सप्लाई होती है या सेवा दी जाती है, तो राज्य सरकार के हिस्से में जाने वाला टैक्स स्टेट जीएसटी कहलाता है.
3. इंटीग्रेटेड जीएसटी (आईजीएसटी) : आईजीएसटी का फुल फॉर्म इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स होता है. जब दो अलग राज्यों के व्यापारियों के बीच वस्तु या सेवा को लेकर कोई डील होती है, तो इस पर लगने वाले टैक्स को आईजीएसटी कहते हैं.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)